रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, सोमवार 10 अगस्त 2020 पृष्ठ-12 वर्ष-04, अंक-353 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

21वीं सदी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था बदलेगीः मोदी

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आशा व्यक्त की कि एक लाख करोड़ रुपये के कृषि अवसंरचना कोष से गांव में कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना होगी जिससे छोटे किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। श्री मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि अवसंरचना कोष की शुरुआत करते हुए कहा कि इस कोष की सहायता से गांव में किसान उत्पादक संगठन और किसान समूह गोदाम , कोल्ड स्टोरेज और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना कर सकेंगे जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा । इससे किसान उद्यमी बन सकेंगे ।

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, 5 घायल

महासमुन्द। जिले में रविवार सुबह तड़के 3 बजे एक सड़क दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई है, वही 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है, जिन्हें रायपुर रिफर किया गया है। बता दें कि एक वेस्ट बंगाल की नेशनल हाइवे 53 पिथौरा क्षेत्र के ग्राम टेका से गुजर रही थी, जो सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन में सवार 8 लोगों में 4 की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। वही 5 लोगों को गंभीर चोटें आई है, जिन्हें तत्काल रायपुर रिफर किया गया है। सूमो सवार सभी पश्चिम बंगाल के निवासी बताए जा रहे जो एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने महाराष्ट्र जा रहे थे।

रक्षा मंत्रालय का बड़ा कदम, 101 रक्षा उपकरणों के आयात पर लगेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अब आत्मनिर्भर भारत अभियान को और गति देने के लिए तैयार है। रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय 101 से अधिक वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लिए पांच स्तंभों अर्थात, अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, प्रणाली, जनसांख्यिकी और मांग के आधार पर और भारत के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की जिसका नाम आत्मनिर्भर भारत है। इसे ध्यान में रखते हुए रक्षा मंत्रालय ने 101 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिस पर आयात प्रतिबंध लगाया जाएगा।

लोकवाणी की नवीं कड़ी : रेडियो वार्ता के जरिए मुख्यमंत्री आम जनता से हुए रू-ब-रू

हमारा संविधान हर समुदाय को न्याय देने का आधार : भूपेश

गोधन न्याय योजना ग्रामीणों की आजीविका और समृद्धि का माध्यम

कोविड-19 का खतरा अभी टला नहीं, बचाव के लिए सावधानी जरूरी

रेडियो श्रोताओं से 'न्याय योजनाएं, नई दिशाएं' विषय पर चर्चा

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज अपनी रेडियो वार्ता लोकवाणी की नवीं कड़ी के माध्यम से आम जनता से रूबरू हुए। उन्होंने 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस और विश्व आदिवासी दिवस का विशेषरूप से उल्लेख करते हुए इनके महत्व की चर्चा की। उन्होंने प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। श्री बघेल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आज के ही दिन वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरु करने की घोषणा की और 'करो या मरो' का नारा दिया। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का निर्णायक मोड़ साबित हुई।

किसानों को 2500 रूपए प्रति क्विंटल भुगतान कर वादा निभाया- मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 दिसम्बर 2018 को सरकार बनते ही हमने, पहले दिन से वादा निभाने की शुरूआत कर दी थी। हमने किसानों को 2500 रू. प्रति क्विंटल की दर से तत्काल प्रभाव से भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी। वर्षों से लंबित 17 लाख 82 हजार किसानों का 8 हजार 755 करो? रू. कृषि ऋण माफ कर दिया गया। हमने 244 करो? रू. का सिंचाई कर माफ कर दिया था। लोहंडीगुड़ा में

■ हमारी न्याय दिलाने की विरासत से जुड़ी है 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना'

1700 से अधिक आदिवासी किसानों की 4200 एकड़ जमीन वापिस कर दी। हमने तेन्दूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक 2500 रू. प्रति मानक बोरा से बढ़ा कर 4000 रू. प्रति मानक बोरा कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनांचल में रहने वाले लोगों को कोरोना संकट काल में राहत देने के लिए प्रदेश में 7 से बढ़कर 31 वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। और हमारा अनुमान है कि आगे चलकर ➢शेष पेज 8 पर

'न्याय योजनाएं, नई दिशाएं'

मुख्यमंत्री ने रेडियो श्रोताओं के साथ 'न्याय योजनाएं, नई दिशाएं' की व्यापक अवधारणा और स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर वर्तमान दौर में इसके क्रमशः विकास और आदिवासियों, किसानों, मजदूरों, जरूरतमंदों सहित सभी वर्गों के लिए न्याय योजना को धरातल पर उतारने के राज्य सरकार के संकल्प को साझा करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि हमारी आजादी की लड़ाई का हर दौर न्याय की लड़ाई का दौर था। भारत की आजादी ने न सिर्फ भारतीयों की जीवन में न्याय की शुरूआत की, बल्कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र की स्थापना और जन-जन के न्याय का रास्ता बनाया। भारत माता को फिरंगियों की गुलामी से मुक्त कराना ही न्याय की दिशा में सबसे बड़ी सोच और सबसे बड़ा प्रयास था। दुनिया ने देखा है कि किस प्रकार हमारा संविधान समाज के हर समुदाय को न्याय देने का आधार बना। आम जनता को समानता के अधिकार, अवसर और गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के सिद्धांत के आधार पर अन्याय की जंजीरों से मुक्ति दिलाई गई।

आंध्र के कोविड सेंटर में लगी आग

10 मरीजों की मौत

वार्ता < विजयवाड़ा
www.dailypioneer.com

आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा के स्वर्ण पैलेस होटल स्थित कोविड केयर सेंटर में रविवार सुबह आग लग जाने से अब तक 10 मरीजों की मौत हो गयी और दो मरीज अभी भी लापता हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

इस हादसे को लेकर उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी तथा पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

पुलिस आयुक्त बी श्रीनिवासुलु ने मीडिया को बताया कि होटल स्थित क्वारंटीन केंद्र में कुल 30 मरीज भर्ती थे। इनमें से 10 मरीजों की मौत हो गयी जबकि 18 अन्य मरीजों को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके अलावा दो अन्य मरीजों का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। उन्होंने बताया कि मृतक मरीजों की अब तक पहचान नहीं हो सकी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल में भेजा गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एक निजी अस्पताल ➢शेष पेज 8 पर

प्रधानमंत्री ने कोविड सेंटर में आग लगने पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में कोविड सेंटर में आग लगने पर दुख जताया। पीएम मोदी ने कहा कि 'विजयवाड़ा के कोविड सेंटर में आग लगने से दुख हुआ। मेरे विचार उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री से मौजूदा स्थिति पर चर्चा की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी, जादुई गोली की तरह नहीं होगा असर

एजेंसी < जेनेवा
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के कहर से जूझ रही दुनिया को अगले कुछ महीनों में वैक्सीन के आने की उम्मीद लगी हुई है। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह वैक्सीन कोई जादुई गोली नहीं होगी जो कोरोना वायरस को पलक झपकते खत्म कर देगी। डब्लूएचओ

के महानिदेशक टेड्रोस एडहोम घेब्येयियस ने कहा कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है इसलिए सबको साथ मिलकर प्रयास करने होंगे।

अमेरिकी शीर्ष वैज्ञानिक के सलाहकार ने भी दी चेतावनी- अमेरिका के संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ एंथोनी स्टीफन फॉसी के वरिष्ठ सलाहकार डेविड मारेंस ने कहा कि वैक्सीन बनाने का ➢शेष पेज 8 पर

छग में आईएएस अफसर कोरोना पॉजिटिव

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है। छत्तीसगढ़ में एक आईएएस अफसर कोरोना संक्रमित पाये गये हैं। प्रदेश के पहले आईएएस अफसर में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। कोरोन पॉजेटिव मिलने के बाद अब अफसर को कोरबा कोविड हॉस्पीटल में भर्ती कराया जा रहा है।

आईएएस अफसर का नाम कुंदन कुमार है, जो कोरबा में जिला पंचायत सीईओ के तौर पर पदस्थ हैं। कोरोना काल में लगातार वो सक्रिय थे। पिछले कुछ दिनों से

■ **2 आईपीएस अफसर के बाद छत्तीसगढ़ में पहले आईएएस की रिपोर्ट आयी पॉजिटिव**

उनकी तबीयत सही नहीं थी। कोरोना के संभावित लक्षण महसूस करने के बाद उन्होंने अपना टेस्ट कराया था। सैंपल रिपोर्ट आज उनकी पॉजेटिव आयी है। आईएएस कुंदन कुमार को अब कोरबा के कोविड हास्पीटल में भर्ती कराया जा रहा है। कुंदन कुमार 2014 बैच के आईएएस अफसर हैं। कवर्धा, दुर्ग के बाद हाल ही में वो कोरबा के जिला पंचायत सीईओ बनाये गये थे।

जानकारी के मुताबिक दो दिन पहले ही आईएएस कुंदन कुमार अपने गृह राज्य बिहार के पटना से लौटे थे। पटना से वापस आने के बाद से ही उनकी तबीयत खराब चल रही थी, वो फीवर महसूस कर रहे थे, जिसके बाद शनिवार को उनका कोरोना टेस्ट कराया गया, जिसमें आज उनकी रिपोर्ट पॉजेटिव आयी है। ➢शेष पेज 8 पर

फंदे में लटकी मिली डॉक्टर की लाश

पायनियर संवाददाता < अंबिकापुर
www.dailypioneer.com

लेडी डाक्टर की घर में मिली लाश से इलाके में सनसनी फैल गयी। प्रथम दृष्टिया मामला खुदकुशी बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। महिला डाक्टर का नाम डॉ खुशबू सिंह है, जो शहर के नमनाकला इलाके में रहती थी। संदेह जताया

■ **5 साल के बेटे को सोया छोड़ मां ने उठाया खौफनाक कदम**

जा रहा है कि डाक्टर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। घटना शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात की बतायी जा रही है।

डाक्टर खुशबू बलरामपुर के बरियो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ थी और अपने 5 साल के बेटे को लेकर नमनाकला स्थित मायके में रह रही थी। 8 अगस्त की रात खुशबू सिंह खाना खाने के बाद अपने बेटे के साथ कमरे में सोने चली गई थी। ➢शेष पेज 8 पर

एक दिन में रिकॉर्ड 64 हजार से अधिक मामले, 53,879 रोगमुक्त

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक 64 हजार से अधिक नये मामले सामने आये वहीं पहली बार 53 हजार से अधिक लोगों ने इस संक्रमण को मात दी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली बार एक दिन में सर्वाधिक 64,399 संक्रमण के मामले आने से इनकी संख्या 21,53,011 हो गयी है। देश में तीन दिन से लगातार संक्रमण के 61 हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को 62,538 और शनिवार को 61,537 नये मामले सामने आये।

राहत की बात यह है कि इस दौरान एक दिन में सबसे ज्यादा 53,879 लोगों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी 14,80,885 लाख पर पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों के दौरान 861 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,379 पर पहुंच गयी है। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने वालों की दर 68.78 प्रतिशत पर पहुंच गयी है और मृत्यु दर 2.01 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वालों की दर में लगातार हो रही वृद्धि से संक्रमण के नये मामलों में बढ़ोतरी के बावजूद सक्रिय मामले उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। उसका एक उदाहरण महाराष्ट्र है जहां संक्रमितों की कुल संख्या पांच लाख के करीब हो गयी है लेकिन पिछले कई दिनों से सक्रिय मामले 1.47 लाख के आसपास ही बने हुए हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या 1466 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,47,355 हो गये तथा 275 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 17,367 हो गया। इस दौरान 11,081 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,38,362 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। ➢शेष पेज 8 पर

अमेरिका में 50 लाख से अधिक कोरोना संक्रमित, ब्राजील में मृतकों की संख्या एक लाख के पार

बीजिंग/जिनेवा/नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और इसके प्रकोप से अमेरिका में 50 लाख से अधिक लोग सं मित हो चुके हैं जबकि ब्राजील में इस महामारी से मरने वालों की संख्या एक लाख के पार चली गई है, जिसके साथ ही विश्व भर में अब तक 1.96 करोड़ से ज्यादा लोग सं मित हुए हैं तथा करीब 7.26 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के सं मितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 196,375,06 लोग सं मित हुए हैं तथा 726,781 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 4,99,8017 लोग कोरोना वायरस से सं मित हो चुके हैं तथा 162,423 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 301,2412 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 100,477 लोगों की मौत हो चुकी है।

शिक्षा मंत्रालय तैयार कर रहा है विस्तृत गाइडलाइन

पहले चरण में स्कूलों को 15 दिन के ट्रायल पर खोला जायेगा

1 सितंबर से चरणबद्ध तरीके से खोले जाएंगे स्कूल-कॉलेज

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

सब कुछ इस तरह भी चलता रहे तो भी अगले महीने से देश भर में स्कूलें खुल सकती है। केंद्र सरकार ने अब स्कूलों को और ज्यादा दिनों तक बंद रखने का फैसला ले लिया है, जिसे लेकर शिक्षा मंत्रालय इस माह के आखिर में गाइडलाइन जारी कर सकता है। केंद्र सरकार दोबारा से स्कूल खोलने की योजना पर काम कर रही है और अलग-अलग वर्ग के लोगों से चर्चा कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्र ने एक सितंबर से 14 नवंबर के बीच चरणबद्ध तरीके से स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को फिर से खोलने की योजना बनाई है। आपको बता दें कि कोरोना संकट के कारण मार्च के आखिरी हफ्ते से ही सभी स्कूल बंद हैं। रिपोट्स के अनुसार, शुरुआत 10वीं और 12वीं की कक्षाओं से हो सकती है। पहले 15 दिन इन बच्चों को तय व्यवस्था के तहत स्कूल बुलाया जाएगा। व्यवस्था यह है कि यदि कक्षा 10 में चार सेक्शन हैं तो सेक्शन ए और सेक्शन सी के आधे बच्चे निर्धारित दिनों में आएंगे और बचे हुए दिनों में बचे हुए सेक्शन के आधे बच्चे आएंगे। स्कूल केवल 5 से 6 घंटे लगेंगे। इनमें से 2 या 3 घंटे तक ही बच्चों को क्लास में बैठना अनिवार्य किया जाएगा। सचिवों के एक समूह के साथ चर्चा भी हो चुकी है. खबरों की मानें तो इसके लिए कोविड-19 का प्रबंधन देख रहे मंत्रियों के एक समूह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन मंत्रियों के इस समूह की अध्यक्षता कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि इस महीने के अंत तक कोरोना के लिए फाइनल अनलॉक गाइडलाइन जारी होने की उम्मीद है जिसमें इस फैसले को नोटिफाई करने का काम सरकार कर सकती है।

फाइल फोटो

योजना के तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा

यदि आपको याद हो तो केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाया था. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन के नेतृत्व में इस समूह की बैठक हुई जिसमें मंत्रियों के समूह से जुड़े सचिवों के समूह द्वारा स्कूल खोलने की योजना के तौर-तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई।

अगले अनलॉक की गाइडलाइन में स्कूल के खुलने की संभावना

रिपोर्ट के अनुसार स्कूलों को खोलने को लेकर फैसले के बारे में इस महीने के अंत तक सरकार दिशानिर्देश जारी कर सकती है. अंतिम निर्णय राज्य सरकारों पर छोड़ दिया जाएगा कि वे कैसे और कब छात्रों को कक्षाओं में वापस स्कूल लाते हैं और कक्षा का संचालन करवाते हैं. अगले अनलॉक की गाइडलाइन में स्कूल के खुलने की संभावना है।

4000 टन फ्यूल ले जा रहे जहाज में दरार के बाद मॉरीशस में इमरजेंसी

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। मॉरीशस ने तट पर फंसे जापान के स्वामित्व वाले एक जहाज से कई टन ईंधन के रिसाव शुरू होने के बाद शुक्रवार (7 अगस्त) देर रात 'पर्यावरणीय आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी। प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ ने इसकी घोषणा तब की जब उपग्रह से ली गई तस्वीरों में उन पर्यावरणीय इलाकों के पास नीले जल में गहरे रंग का तैलीय पदार्थ फैलता दिखा जिन्हें सरकार ने बेहद संवेदनशील बताया। मॉरीशस ने कहा कि यह पोत करीब 4,000 टन ईंधन ले जा रहा था और इसके निचले हिस्से में दरारें आ गई हैं। जगन्नाथ ने इससे पहले दोपहर में कहा था कि उनकी सरकार मदद के लिए फ्रांस से अपील कर रही है। उन्होंने साथ ही कहा था कि यह रिसाव 13 लाख की आबादी वाले उनके देश के लिए एक खतरा है जो मुख्यत- पर्यटन पर आश्रित है।

छत्तीसगढ़ सरकार विकसित करेगी वैकल्पिक विकास मॉडल, विदेश के कई नेता-मंत्री भी होंगे शामिल

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

संस्कृति विभाग के तत्वावधान देश का पहला 'इंटरनेशनल वर्चुअल ट्राइबल फेस्टिवल' विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत की अध्यक्षता में होने वाला यह एक दिवसीय कार्यक्रम पूरी तरह से ऑनलाइन होगा। इस कार्यक्रम का प्रसारण यू-ट्यूब व फेसबुक के माध्यम से किया जाएगा। इस आयोजन के मुख्य सूत्रधार इंडिया सेंटर फाउंडेशन के चेयरमैन विभवकांत उपाध्याय हैं। देश के पहले ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में विशेष रूप से नॉर्वे के सांसद हिमांशु गुलाटी, डायस्पोरा की विदेश मंत्री क्वीन डियांबी कबातुसुइला, यूनाइटेड प्रोग्रेसिव पार्टी, जांबिया के प्रिंस डॉ. सेवियर चिशिंबा, प्राइम मिनिस्टर ऑफ अफ्रीकन डायस्पोरा डॉ. लुइ जॉर्जेस टिन एवं अखिल अफ्रीकन टेक फाउंडेशन की संस्थापक बैरिस्टर इलेन बैनरमैन शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में चर्चा का मुख्य विषय आदिवासियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिये वैकल्पिक विकास मॉडल का प्रतिपादन है।

इस वैकल्पिक विकास मॉडल के तहत विभिन्न क्षेत्रों का समावेश कर आदिवासियों के उत्थान हेतु योजनाओं के क्रियान्वयन पर कार्य किया जाएगा। विशेषकर खाद्य व संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने वैश्विक स्तर पर आदिवासियों के उत्थान के लिये ➢शेष पेज 8 पर

छत्तीसगढ़ में शुरू होगी इंदिरा वन मितान योजना वनांचल के गांवों को बनाया जाएगा स्वावलंबी

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर राज्य में वनवासियों की खुशहाली और वनांचल के गांवों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से इंदिरा वन मितान योजना शुरू किए जाने की घोषणा की. इस योजना में राज्य के आदिवासी अंचल के दस हजार गांव में युवाओं के समूह गठित कर उनके माध्यम से वनोपज की खरीदी, उसका प्रसंस्करण एवं मार्केटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी. राज्य के प्रत्येक आदिवासी विकासखण्डों में वनोपज प्रसंस्करण केन्द्र की स्थापना किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अनुसूचित क्षेत्रों के 10 हजार गांवों में इस योजना के अंतर्गत समूह गठित किए जाएंगे, प्रत्येक समूह में 10 से 15 सदस्य होंगे. योजना में अनुसूचित क्षेत्रों के 19 लाख परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य है. इस योजना के माध्यम से समूहों को वृक्ष प्रबंधन का अधिकार प्रदान किया जाएगा, जिससे वे वन क्षेत्रों के वृक्षों से वनोपज संग्रहण कर आर्थिक लाभ ले सकें. वनोपज की खरीदी की व्यवस्था समूह के माध्यम से की जाएगी, जिससे वनोपज का सही मूल्य मिल सके. समूह के माध्यम से लोगों के लिए स्व-रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। वनोपजों की मार्केटिंग की व्यवस्था के साथ अनुसूचित क्षेत्रों के प्रत्येक विकासखण्ड में वनोपज प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की जाएगी. एक यूनिट की अनुमानित लागत लगभग 10 लाख रूपए होगी. अनुसूचित क्षेत्रों के 85 विकासखण्ड में वनोपज प्रोसेसिंग यूनिट स्थापना के लिए 8 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि प्राधिकरण मद से उपलब्ध कराई जाएगी. वनों में इमारती लकड़ी की बजाए फलदार और वनौषधियों के पौधे लगाए जाएंगे। जिससे वनवासियों की आय बढ़ सके।

विश्व आदिवासी दिवस पर मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ अतिथियों ने आंगादेव, बूढ़ादेव एवं मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर आदिवासी नर्तक दल द्वारा गौर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, कवासी लखमा, अमरजीत भगत, डॉ. शिव डहरिया, अनिला भेंड़िया तथा खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन भी नर्तक दलों के साथ मांदर की थाप पर थिरके।

युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर गूंजा 'रोजगार दो' का नारा

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस ने भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर रविवार को प्रदेश भर में आयोजन किया. इस दौरान रायपुर में छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस अध्यक्ष कोको पाढ़ी ने ध्वजारोहण कर कार्यकर्ताओं के साथ सामाजिक कुरीतियों से लड़ने और सभी जाति-धर्म में एकता का संदेश देने की शपथ ली।

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध हरितवाल ने बताया कि आज के दिन युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास, छग प्रभारी संतोष कोलकुंडा व प्रदेश अध्यक्ष कोको पा?ी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में ध्वजारोहण के साथ कार्यकर्ताओं ने समाज में सत्य निष्ठा और सद्भाव के साथ रहने की शपथ ली. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष कोको पाढ़ी ने 'रोजगार दो' के नारे को बुलंद करते हुए सभी युवाओं से सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज उठाते हुए केंद्र की गूंगी-बहरी सरकार से रोजगार देने की मांग करने की अपील की।

उन्होंने बताया कि आज देश मे 45 सालों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी व्याप्त है, जिसकी जिम्मेदार केंद्र की मोदी सरकार है. केंद्रीय विभागों में लगभग 20 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली है, जिसे भरने की ओर प्रधानमंत्री का ध्यान नहीं जा रहा. भारत मे 30 करोड़ से ज्यादा युवा बेरोजगार है, आत्महत्या करने को मजबूर है, कोविड के कुप्रबंधन के वजह से 12 करोड़ से अधिक रोजगार चले गए पर इस सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता।

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कोको पाढ़ी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे, मिलिंद गौतम, चकेश्वर गढ़पाले, अशरफ हुसैन, सुशील मौर्य, दुर्गेश रॉय, बंटी होरा, राजेश स्वामी, विकास तिवारी, मो. अजहर, आकाशदीप शर्मा, स्वप्निल मिश्रा, विपिन मिश्रा, अजहर रहमान, लोकेश वशिष्ठ, विक्रांत शिर्के, आस मोहम्मद, सोमा ठाकुर, अभिजीत तिवारी, आशीष चंद्राकर, फ़हीम, नवाज़, अमिताभ घोष, आदी पदाधिकारी उपस्थित थे।

त्योहारी मांग के चलते दूध की कालाबाजारी, 200 रुपए लीटर में खरीदे लोग

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी रायपुर में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रही है. इसके मद्देनजर रविवार को पूर्ण लॉकडाउन किया गया है. जिला प्रशासन ने शहर के सभी दुकानों को बंद करने का आदेश दिया था. सिर्फ घर-घर दूध बिक्री की अनुमति दी थी, लेकिन सुबह इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई। एक डेयरी पंडित हरिशंकर शुक्ला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकर नगर के पास स्थित है. यहां पर ही महंगे दामों पर दूध बेची जा रही थी। घटना रविवार सुबह 9 बजे की है. जब इसकी जानकारी लल्लूराम डॉट कॉम के रिपोर्टर को हुई तो पहले निगम को सूचित किया गया, फिर भी निगम का अमला मौके पर नहीं पहुंचा. वहीं दूध ख़रीदने पहुंचे लोगों ने कहा कि ऐसे लोगों पर तो कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

निगम के जिन अधिकारियों को लॉकडाउन को सफल बनाने की ज़िम्मेदारी दी गई है, उन्हीं अधिकारियों को कालाबाज़ारी की सूचना दी गई, लेकिन दो घंटे के बाद भी

मौके पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचे। इसके बाद कालाबाज़ारी की सूचना निगम के उच्चाधिकारियों को दी गई। फिर अधिकारी ने जोन क्रमांक तीन के कमिश्नर को कार्रवाई करने कहा गया, लेकिन दो घंटा बीत जाने के बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा। जोन कमिश्नर प्रवीण सिंह को फ़ोन लगाया, पहली बार तो फ़ोन काट दिया, फिर फ़ोन स्वीच ऑफ़ बताने लगा।

मंत्री उमेश पटेल ने वन अधिकार पत्र किया वितरण

- आदिवासियों के अधिकार के लिए निरंतर कार्यरत है सरकार

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर/रायगढ़
www.dailypioneer.com

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने आज विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर खरसिया विकासखण्ड के बरगढ़ खोला स्थित फरकानारा से वन अधिकार पत्र वितरण का शुभारंभ किया. कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी अंचल खरसिया के सिरमौर बरगढ़ खोला के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले डोमनारा में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा पूजा अर्चना पुष्पांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित किया।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि कि छत्तीसगढ़ शासन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में वन्य क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी समुदाय के जल, जंगल, जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है. उन्होंने वन अधिकार पत्र वितरण को इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि जमीन का अधिकार मिलने से हितग्राही के द्वारा पीढ़ियों से काबिज भूमि उसके नाम से शासकीय दस्तावेजों में दर्ज हो जाएगी. जिससे वह सरकारी योजनाओं से सीधे जुड़कर उसका लाभ ले सकेगा।

उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह के द्वारा आदिवासी हितों के लिए किए संघर्ष को याद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन का यही प्रयास है कि वन्य क्षेत्र में रह रहे आदिवासी और परम्परागत वन निवासियों को उनका हक मिले जिससे वे पूरे आत्मविश्वास के साथ जीवन मे आगे बढ़ सकें इसके लिए सरकार भी इन क्षेत्रों में सड़क व भवन निर्माण शिक्षा व चिकित्सा जैसे मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए लक्षित योजनाएं बनाकर लगातार उसका प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है. आज कार्यक्रम में धारा 3 (1) के तहत 32 सामुदायिक वन अधिकार पत्र संबंधित ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को सौंपे गए।

लूट की घटना निकला फर्जी, तीनों आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

खमतराई थाना क्षेत्र में कल देर शाम लूट की खबर से हड़कंप मचा हुआ था. लेकिन ये शिकायत झूठी निकली. लूट के मामले में पुलिस ने इसकी कहानी रचने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूरी जांच के बाद इस मामले में पीड़ित कुलेश्वर साहू से जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने पूरी कहानी पुलिस के सामने उगली. इस मामले में पुलिस ने कुलेश्वर के भांजे और उसके दोस्त को भी अब गिरफ्तार कर लिया है। खमतराई पुलिस के मुताबिक के लकड़ी

कारोबारी भरत पटेल के यहां मुंशी का काम करने वाले कुलेश्वर साहू कल टिम्बर मार्केट के व्यापारियों कें यहा से साढ़े चार लाख रुपये वसूली कर लौट रहा था. तभी डीआरएम ऑफिस के सामने ओवरब्रिज पर दो बाइक सवार युवक आकर उससे पैसा छीनकर फरार हो गए थे. पीड़ित ने पुलिस को पूछताछ में जो लूट की घटना की कहानी बताई थी उस पर पुलिस को यकीन नहीं हो रहा था. जांच के दौरान पुलिस जब प्रार्थी के घर पहुंची तो उसका पड़ोसी अपना मोबाइल मांगने आया जिससे पहले तो प्रार्थी ने उससे मोबाइल लेने की बात से इनकार कर दिया. पुलिस ने जब सख्ती दिखाई तो कुलेश्वर साहू टूट गया। दरअसल पड़ोसी के मोबाइल का इस्तेमाल उसने लूट में शामिल अपने भांजे को कॉल करने के लिए किया था. कुलेश्वर ने पाटन के रहने वाले अपने भांजे और उसके दोस्त के साथ मिलकर इस लूट की वारदात की योजना बनाई थी. पुलिस ने उसके भांजे के पास से लूटी गई रकम बरामद कर तीनो को गिरफ्तार कर लिया है।

किसान गरजे-कॉर्पोरेट भगाओ किसानी बचाओ' देश नहीं बिकने देंगे

- मजदूर-किसान विरोधी और कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों के खिलाफ पूरे प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शन, राजनांदगांव

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति, भूमि अधिकार आंदोलन और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के देशव्यापी आह्वान पर छत्तीसग? की राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में के अनेकों गांवों, खेत-खलिहानों और मनरेगा स्थलों में आज केंद्र में मोदी सरकार की मजदूर-किसान विरोधी और कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया गया।

कोरोना संकट के मद्देनजर गरीबों को प्रति माह प्रति व्यक्ति 10 किलो अनाज और एक-एक किलो दाल, शक्कर, तेल से और प्रति परिवार 10000 रुपये नगद राशि से मदद करने, कोयला, बैंक-बीमा और रेलवे सहित अन्य सार्वजनिक उद्योगों के निजीकरण पर रोक लगाने, मनरेगा में 200 दिन काम और 600 रुपये रोजी

देने, बिजली कानून, मंडी कानून, आवश्यक वस्तु, कृषि व्यापार और ठेका कृषि से संबंधित मजदूर-किसान विरोधी अध्यादेशों और प्रशासकीय आदेशों को वापस लेने, किसानों को डीजल आधी कीमत पर उपलब्ध कराने, फसल का समर्थन मूल्य सी-2 लागत का डेढ़ गुना घोषित करने, किसानों पर चढ़ा सभी प्रकार का कर्जा माफ करने, आदिवासियों का जल-जंगल-जमीन से विस्थापन रोकने और वनाधिकार कानून, पेसा और 5वीं अनुसूची के प्रावधानों को लागू करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को सार्वभौमिक बनाने और सभी लोगों का कोरोना टेस्ट किये जाने की मांग जोर-शोर से उठाई गई. आयोजकों के अनुसार प्रदेश में हो रही भारी बारिश के बावजूद 50000 लोगों ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया. राजनांदगांव और बाल्को में सैकड़ों मजदूरों और किसानों ने अपनी गिरफ्तारियां दर्ज करने प्रशासन को मजबूर किया है। विरोध प्रदर्शन आयोजित करने वाले संगठनों में छत्तीसगढ़ किसान संगठनों ने कहा कि कृषि क्षेत्र में जो परिवर्तन किए गए हैं, उसने कृषि व्यापार करने वाली देशी-विदेशी कॉर्पोरेट कंपनियों और बड़े आड़तियों द्वारा किसानों को लूटे जाने का रास्ता साफ कर दिया है और वे समर्थन मूल्य की व्यवस्था से भी बाहर हो जाएंगे।

नीलामी प्रक्रिया में तनातनी के चलते अटकी प्रदेश भाजपा की कार्यकारिणी

भाजपा में शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए लग रही है करोड़ों की बोली : विकास तिवारी

- रमन और बृजमोहन की गुटबाजी और धनकुबरो के नीलामी के कारण कुंठित, कुपित और प्रताड़ित है भाजपा कार्यकर्ता

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं सचिव विकास तिवारी ने भारतीय जनता पार्टी के अंदर चल रहे गुटबाजी और धन पिशाचों की लड़ाई पर तंज कसते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रदेश भाजपा में लगातार विधानसभा 2014 के पूर्व ही गुटबाजी की जंग छिड़ी हुई है जिसके कारण डॉ रमन सिंह और धरमलाल कौशिक के नेतृत्व में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया और वह मात्र चौदह सीटों पर सिमट गई वहीं दूसरी ओर प्रदेश में नगर निगम,नगर पालिका और पंचायत के चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया राज्य में सम्पूर्ण दो विधानसभा के उपचुनाव में भी रमन सिंह और धरमलाल के चेहरे पर भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा लगातार डॉ रमन के चेहरे पर हो रही हार से भारतीय जनता पार्टी का एक बहुत बड़ा धड़ा नाराज,परेशान और कुंठित है युवा नेताओं का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह और धर्म लाल कौशिक भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई को अपनी जागीरदारी बना डाले हैं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह इतनी बड़ी हार के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी और अपने समर्थित विधायक धरमलाल कौशिक को नेता प्रतिपक्ष बनाने में सफल हो गये वहीं कुछ महीने पूर्व प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष नंदकुमार साय जिन्हें भारतीय जनता पार्टी के नेता रमन सिंह की गाय कहते हैं उन्हें भी पद दिलाने में डॉक्टर रमन सिंह सफल रहे।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई में धन-पिशाचों और कमीशनखोरो ने शीर्ष पदों पर नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण भारतीय जनता युवा मोर्चा के शीर्ष पद पर एक पूर्व कलेक्टर जो कि गंभीर और संगीन भ्रष्टाचार के आरोपो और आदिवासियों की जमीन के हेराफेरी के मामले पर फंसा हुआ है और जिस पर देश की सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई करने के लिए अनुशंसा भी की है सूत्रों के हवाले से पता चला है कि पूर्व कलेक्टर रमन राज में करोड़ों रुपया कमीशन खोरी से अर्जित किए हुए राशि में से भाजयुमो का शीर्ष पद पाने के लिये करोड़ो रुपयों की बोली लगा चुके हैं और उनका उस पर बैठना लगभग तय माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश भाजपा में भी लगातार शीर्ष पदों में आसीन होने के लिए पूर्ववर्ती रमन सरकार के पूर्व मंत्री पूर्व निगम मंडल आयोग अध्यक्ष और भाजपा के वह नेता जो पिछले 15 सालों में अकूत धन संपत्ति जो उन्होने कमीशनखोरी करके कमाये हैं उनके उनके द्वारा इन पदों पर ऊंची बोली और करोड़ों रुपया नीलामी प्रक्रिया के तहत पद खरीदने का कुचसित प्रयास कर रहे है। कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई लगभग खात्मे के कगार में है और धन-पिशाचों, कमीशनखोरों के द्वारा पार्टी के शीर्ष पदों को उसी प्रकार खरीदा जा रहा है जिस प्रकार भेड़ बकरी की मंडी में व्यापारी से ग्राहक मोटी रकम देकर जानवर खरीदता है प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेताओं के इस कृत्य से भाजपा के युवा नेता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और वह कुंठित होकर सोशल मीडिया में लगातार अपनी ही पार्टी के शीर्ष नेताओं पर करोड़ो रूपये लेकर शीर्ष पद बेचने का गंभीर आरोप लगा रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने मांग की है कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह और पूर्व कृषि मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को जनता के बीच इस बात का स्पष्टीकरण देना चाहिए कि क्या प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष पद में खरीद-फरोख्त का काम हो रहा है और नही तो प्रदेश अध्यक्ष बने विष्णुदेव साय अब तक अपनी कार्यकरणी क्यो घोषित नही किये है क्या बड़े पदों में धन पिशाचो ने बड़ी बोली लगाकर अपने समर्थकों को बैठाने की जुगत में है और क्या भारतीय जनता युवा मोर्चा में पूर्व कलेक्टर की नियुक्ति हेतु भी करोड़ों रुपयो की बोली लगाई गई है और अगर नही तो क्या इस पद पर किसी सामान्य कार्यकर्ता की नियुक्ति करेंगी भाजपा। इन सभी बातों का खुलासा तत्काल आम लोगो के समक्ष करना चाहिये।

केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की मौत

पायनियर संवाददाता ◄ अंबिकापुर/रायपुर
www.dailypioneer.com

केंद्रीय जेल अंबिकापुर में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी आज सुबह अचानक मौत हो गई है. जिस वक्त उसकी मौत हुई वह टहल रहा था. इसी दौरान बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा, उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक कैदी का नाम रामसूरत 42 वर्ष है, जो कि रघुनाथनगर के नवगई महुआरीपारा का रहने वाला था. रामसूरत को धारा 302 के तहत हत्या के आरोप में रामानुजगंज से आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी. आरोपी को फरवरी 2018 में केंद्रीय जेल में लाया गया था। जेल के अधीक्षक राजेन्द्र गायकवाड़ का कहना है कि कैदी आज सुबह बैरक से बाहर बैठा था और अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा. मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया. अभी मौत की वजह का पता नहीं चल सका है।

शासन की योजनाओं से जनजातियों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव : श्यामबती नेताम

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को किया सम्बोधित, आदिवासियों की परम्परा और रीति-रिवाज को ध्यान में रखकर काम करने जिला प्रशासन संकल्पित: अभिजीत सिंह

- जिले के 10वीं, 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री बघेल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम इस कार्यक्रम को सम्बोधित किया। उन्होंने पूरे आदिवासी समाज को इस विशेष दिन की बधाई दी और आदिवासी इलाकों के विकास का संकल्प दोहराया। मुख्य कार्यक्रम मुख्यमंत्री निवास में आयोजित हुआ, जिसे विडियो कांफ्रेसिंग के जरिये सभी जिलों को जोड़ा गया।

जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में 20 व्यक्तिगत एवं 5 सामुदायिक वनाधिकार पत्रों का वितरण किया गया। इसके साथ ही जिले के 10-10 छात्र-छात्राओं, जिन्होंने कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्हें 5100 रूपये का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही शहीद वीर नारायणसिंह स्वावलंबन योजनांतर्गत हितग्राहियों को भी चेक वितरण किया गया। कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी खुंटे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनाथ उसेण्डी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल देव, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास केएस मसराम के अलावा आदिवसी समाज के प्रतिनिधी उपस्थित थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामबती नेताम ने उपस्थित सभी सम्माननीयजनों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शासन ने आदिवासियों के हितों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की है। जिसका लाभ क्षेत्र के आदिवासियों को जिला प्रशासन एवं अन्य विभागों से मिल रहा है। आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासियों को उनके जमीन का मालिकाना हक दिया जा रहा है। जिसके लिए मैं उन्हें बधाई देती हूं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनजातियों के आर्थिक विकास एवं कल्याण के लिए क्रियान्वित की जा रही योजनाओं से जनजातियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष सुनीता मांझी ने वनाधिकार पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों, मेधावी छात्र-छात्राओं और स्वावलंबन योजानांतर्गत लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा आदिवासी क्षेत्र में रहने वाले लोगों एवं आदिवासियों का विकास करना हैं। शासन की योजनाओं से आदिवासी समाज के लोगों के जीवन स्तर में सुधार आ रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कार्यक्रम में कहा कि आदिवासी अंचल के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि आपकी परम्परा और रीति-रिवाज को ध्यान में रखकर काम करने के लिए जिला प्रशासन कृत संकल्पित है। राज्य शासन द्वारा आदिवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है। आदिवासियों की परम्परा को पहचान देने का काम सरकार कर रही है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित मेधावी छात्र-छात्राओं से कहा कि आप हमारे समाज और देश का भविष्य हो। आप सभी को आगे भी बहुत अच्छा मुकाम हासिल करना है, बेहतर प्रदर्शन करना है। जिसके लिए आप आगे भी खूब मन लगाकर मेहनत करें और शासन के उच्च पदों पर आये, ऐसी मेरी शुभकामनाएं हैं। किसी भी प्रकार की समस्या अति है, तो शासन-प्रशासन हर संभव मदद करेगा।

आदिवासी विश्व दिवस पर अलग-अलग जगहों पर आयोजित किए गए कार्यक्रम

जेलों में बंद निर्दोष आदिवासियों की रिहाई के लिए भी किए जा रहे है प्रयास

पायनियर संवाददाता < सुकमा
www.dailypioneer.com

विश्व आदिवासी दिवस पर जिले के अलग-अलग जगहों पर छोटे-छोटे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कोरोना संक्रमण को देखते हुए इस बार आदिवासी समाज ने भी जिला स्तरीय कार्यक्रम को रद्द कर छोटे-छोटे कार्यक्रम रखे थे। इन कार्यक्रमों आदिवासी समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए।

रविवार को जिले में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। हांलाकि हर वर्ष की भांति इस वर्ष छोटे-छोटे कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। कोरोना संक्रमण को देखते हुए मास्क व सोशल डिसटेंस का पालन किया गया। और कार्यक्रमों में ज्यादा भीड़ ना हो इसके लिए जिले के अलग-अलग जगहों पर छोटे-छोटे कार्यक्रम रखे गए थे। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में विश्व आदिवसी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसके अलावा कोंटा, दोरनापाल, गादीरास, छिन्दगढ़ व तोंगपाल में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

आदिवासियों की आर्थिक स्थिति मजबूत के लिए कई योजनाएं

हरीश कवासी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरीश कवासी ने कहा कि आज हमे संकल्प लेना होगा कि समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगो को शिक्षित करे क्योंकि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है. शिक्षा की कमी के कारण हमारे लोग गलत रास्ता चुन रहे है. हमने कई सालों से बंद पड़ी स्कूलों को पुनः चालू करवाया है. भेज्जी, जगरगुण्डा जैसे इलाकों में स्कूलों को संचालित किया जा रहा है. साथ ही हमारे क्षेत्र में निर्दोष आदिवासी जेल में बंद है उन्हे रिहा कराने के लिए हमारे मंत्री कवासी लखमा प्रयास कर रहे है और वो बहुत जल्द सफल भी होंगे. आदिवासी समाज के लिए भवन बनाने के लिए मंत्री कवासी लखमा पूरा सहयोग कर रहे है. वही प्रदेश सरकार ने आदिवासियों की आर्थिक स्थिति मजबूती के लिए कई योजनाओं का संचालन कर रह है। जिसका लाभ आदिवासियों को मिल रहा है।

प्रदेश सरकार अपना वादा निभाएं : हुंगाराम मरकाम

भाजपा जिला अध्यक्ष हुंगाराम मरकाम ने कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते इस बार विश्व आदिवासी दिवस भव्य रूप से नहीं बल्कि छोटे-छोटे कार्यक्रम आयोजन किए गए है। क्योंकि कोरोना को लेकर गांव-गांव में जागरूकता लाना हमारा उद्देश्य हैं ताकि इस महामारी के बीच केन्द्र व प्रदेश सरकार की गाईडलाइन का पालन करते हुए कार्यक्रम आयोजन किए गए है। विश्व आदिवासी दिवस पर प्रदेश सरकार से मांग करता हूं कि सरकार ने जो वादा किया था निर्दोष आदिवासियों को बिना शर्त रिहा करने को वो वादा प्रदेश सरकार निभाएं।

हक व अधिकार की लड़ाई होगी तेज : मनीष कुंजाम

सीपीआई नेता व पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने कहा कि आदिवासियों पर तरह-तरह के जुल्म हो रहे है। जल, जंगल व जमीन और ज्यादा खतरे में है। इन परिस्थितयों के बीच विश्व आदिवासी दिवस मना रहे है। इस पर विचार करना चाहिए। साथ ही भाजपा के 15 सालों मं आदिवासियों पर अत्याचार हुआ है लेकिन कांग्रेस की सरकार ने मात्र दो साल में ही बोधघाट जैसी परियोजना को मंजूरी दे दी है जो आदिवासियों पर जुल्म ढहाने की कोशिश हैं। पेशा कानून व पांचवी अनुसूची का खुलेआम उल्घंन रहा है। ऐसे में उम्मीद करता हूं कि सभी आदिवासी एकजुट होकर हक व अधिकार की लड़ाई और तेज करे।

सुकमा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर उप अभियंता प्रभारी सीएस मरकाम ने सर्किट हाउस में वृक्षारोपण किया और विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी।

सर्व आदिवासी समाज ने विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरंदुल से 20 किमी की दूरी पर धुर नक्सल प्रभावित गांव गुमियापाल में अंदरूनी क्षेत्र से पहुंचे 5000 ग्रामीणों ने सर्व आदिवासी समाज तथा पंचायत जनसंघर्ष समिति के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस बड़े धूमधाम से मनाया। तेज बारिश के बाद भी आदिवासियों का जोश देखते बनता था । अपने पारंपरिक हथियारों के साथ आदिवासी ढोल नाच करते नजर आए हाथों में तीर धनुष बंडा लिए जल जंगल जमीन की लड़ाई को आगे बढ़ाने आदिवासियों का हक लेने जैसे नारे लगाते हुए एक दूसरे को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई देते नजर आए ।गांव के युवक युवती ने सांस्कृतिक कार्य म की प्रस्तुति दी। आदिवासियों में कोरोना का डर या लॉकडाउन जैसी कोई बात देखने को नहीं मिली सभी मस्ती में झूमते गाते नजर आएं।इस दौरान अलनार, तेनाली, पेड़का, हिरोली, बेड़पाल, बड्डेपल्ली, कुटरेम, कोंडासावली आदि गांवों के ग्रामीण कार्य म में शामिल हुए।कार्य म में सर्व आदिवासी समाज बैलाडीला क्षेत्रीय अध्यक्ष राजकुमार ओयामी, जनसंघर्ष समिति के अध्यक्ष नंदाराम कुंजाम, जनपद सदस्य राजू भास्कर, हिरोली सरपंच जोगा कुंजाम, गुमियापाल सरपंच रीवा मिड़यामी,मंगल कुंजाम तथा सचिव सुनील भास्कर उपस्थित थे।

विश्रामपुरी थाना में एसपी की लगी चौपाल, लोगों की समस्या सुन किया निराकरण

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोण्डागांव पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने 08 अगस्त को 12 बजे से सायं 04 बजे तक थाना विश्रामपुरी परिसर में चौपाल लगाकर लोगों की समस्या से रूबरू हुए। इस शिकायत निवारण चौपाल के दौरान विभिन्न मामले जिनका निराकरण नहीं हो पा रहा था, या मामला लंबित था जन चौपाल में पुलिस अधीक्षक से मिलकर समस्या बताये लोगों की समस्याओं को पुलिस अधीक्षक ने सुनी और समाधान किये। वही कुछ प्रकरणों में थाना प्रभारी को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान एसपी ने मीडिया से भी चर्चा करते हुए कहा कि पुलिसिंग व पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य को लेकर उनके द्वारा प्रति माह अलग अलग थानों में इस तरह का आयोजन कराया जाएगा, जिससे पुलिस के प्रति ओर विश्वास लोगों में बढ़ सके तथा मामलों का त्वरित निराकरण हो सके। साथ ही ऐसे फरियादी जो किसी कारण वश जिला मुख्यालय नही आ पाते है पुलिस अधीक्षक के उनके थाना क्षेत्र में पहुंचने से वे भी अपनी समस्या को एसपी के समक्ष रख पाएंगे।

समस्याएं सुनी व पारिवारिक पृष्ठभूमि के संबंध में जानकारी ली : इस चौपाल में विश्रामपुरी थाना क्षेत्र की आम जनता, जनप्रतिनिधि गण, गणमान्य नागरिक, व्यापारी वर्ग के लोग, अधिकारी कर्मचारी व मीडिया मौजूद थे। दरबार मे थाने के सभी अधिकारी कर्मचारियों से व्यक्तिगत तौर पर बातचीत किया गया, उनकी समस्याएं सुनी व पारिवारिक पृष्ठभूमि के संबंध में जानकारी ली व उन्हें हो रही कठिनाइयों के बारे में जानने का प्रयास किया एवं तनाव प्रबंधन, कार्यशैली में विकास हेतु दिशा निर्देश दिये गए ।

दक्षिण वन मण्डल ने वन समिति सदस्यों की बैठक, जंगल रक्षण जोर दिया

कोंडागांव। जिला के दक्षिण वन मण्डल कोंडागांव में वन प्रबंधन समिति चिखलपुटी परिसर खुटडोबरा ब में वन समिति सदस्यों की बैठक आहुत की गई। बैठक में वृक्षों के गार्डलिंग को पूर्ण रुप से बंद करने, अतिक्रमण पर रोक, अवैध कटाई पर प्रतिबंध, अवैध शिकार एवं उत्खनन को प्रतिबंध करने पर जोर दिया गया। जानकारी अनुसार दक्षिण वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देशन पर एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी आरएस मरकाम के मार्गदर्शन में परिसर रक्षक खुटडोबरा ब के अजय नाग द्वारा वन समिति सदस्यों की बैठक में जंगल रक्षण के बहुत सारे मुद्दों पर बात की गई। जंगल की रक्षा के लिए स्वयं को सदैव सचेत व सावधान रहकर अन्य लोगों को भी जागरूक करना है। इस बैठक में चार महत्वपूर्ण मुद्दे रहे। जिनमें वृक्षों के गार्डलिंग को पूर्ण रुप से बंद करने की बात पर जोर दिया गया, कुछ लोग वन भूमि का विस्तार करने के लिए वृक्षों को चारों तरफ से काट कर छोड़ देते है, जिससे बाद में वह पेड़ सुख जाता है। जिसे हर हाल में रोकना है।

नाबालिग युवती को शादी का झांसा देकर अनाचार, आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिला के फरसगांव क्षेत्रान्तर्गत रहने वाले प्रार्थी ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करायी। कि उसकी नाबालिग लड़की को आरोपी लंकेश्वर बघेल उर्फ लंकेश पिता स्व मनीराम बघेल उम्र 20 वर्ष जाति गांड़ा निवासी बानगांव बाजारपारा थाना फरसगांव द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर ले गया हैं कि, रिपोर्ट पर थाना में धारा 363 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपहृत बालिका व आरोपी की पता तलाश हेतु, पुलिस अधीक्षक सिदार्थ तिवारी के निर्देशन में थाना फरसगांव से टीम तैयार की गयी थी।

मिली जानकारी अनुसार मुखबीर द्वारा बताया गया कि, आरोपी लंकेश्वर बघेल बानगांव अपने घर आकर छुपा हुआ हैं, थाना फरसगांव से पुलिस टीम के द्वारा आरोपी के घर में दबिश देकर अपहृत बालिका को बरामद किया गया। तथा आरोपी लंकेश्वर बघेल को हिरासत में लेकर थाना लाया गया।

संतान के लिए माताओं ने मनाया लोकपर्व हलषष्ठी

संतान प्राप्ति और सुखमय जीवन की कामना के साथ माताओं ने रखा व्रत

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ का लोकपर्व हलषष्ठी (कमरछठ) का पर्व लौह नगरी किरंदुल में राघव मंदिर परिसर, लक्ष्मणपुर कैम्प, बड़े बाबू कैम्प, धरमपुर कैम्प, भटटीपारा, गजराज कैम्प, वोरा कैम्प साहू समाज एवं पुराना डबल स्टोरी कॉलोनी में महिलाओं द्वारा अपने अपने बच्चों के साथ एकत्रित होकर अपने अपने घरों में मनाया गया। ज्ञात हो कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए इस बार सामूहिक कार्यक्रम आयोजित नहीं की गई। आपको बता दें यह पर्व माताओं का संतान के लिए किया जाने वाला, छत्तीसगढ़ राज्य की अनूठी संस्कृति का एक ऐसा पर्व है जिसे हर वर्ग हर जाति में बहुत ही सदभाव से मनाया जाता है। हलषष्ठी को हलछठ, कमरछठ या खमरछठ भी कहा जाता है।इस दिन श्री कृष्ण जी के दाऊ बलराम जी का जन्मदिवस भी माना जाता है। यह पर्व भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है।

संतान प्राप्ति व उनके दीर्घायु सुखमय जीवन की कामना रखकर माताएँ इस व्रत को रखती है। इस दिन मातायें सूबह से ही महुआ पेड़ की डाली का दातून कर, स्नान कर व्रत धारण करती है। भैस के दुध की चाय पीती है। तथा दोपहर के बाद घर के आँगन मे, मंदिर-देवालय या गाँव के चौपाल आदि मे बनावटी तालाब (सगरी) बनाकर, उसमें जल भरते है। सगरी का जल, जीवन का प्रतीक है। तालाब के पार मे बेर, पलाश,गूलर आदि पेड़ों की टहनियो तथा काशी के फूल को लगाकर सजाते है। सामने एक चौकी या पाटे पर गौरी-गणेश, कलश रखकर हलषष्ठी देवी की मुर्ती(भैस के घी मे सिन्दुर से मुर्ती बनाकर) उनकी पूजा करते है। साड़ी आदि सुहाग की सामग्री भी चढ़ाते है। तथा हलषष्ठी माता के छः कहानी को कथा के रूप मे श्रवण करते है। इस पूजन की सामग्री मे पसहर चावल(बिना हल जुते हुए जमीन से उगा हुआ धान का चावल), महुआ के पत्ते, धान की लाई, भैस के दूध-दही व घी आदि रखते है। बच्चों के खिलौनों जैसे-भौरा, बांटी आदि भी रखा जाता है । इस व्रत के बारे मे पौराणिक कथा यह है कि वसुदेव- देवकी के 6 बेटों को एक एक कर कंस ने कारागार मे मार डाला । जब सातवें बच्चे के जन्म का समय नजदीक आया तो देवर्षि नारद जी ने देवकी को हलषष्ठी देवी के व्रत रखने की सलाह दिया। देवकी ने इस व्रत को सबसे पहले किया जिसके प्रभाव से उनके आने वाले संतान की रक्षा हुई।

पुत्र की लम्बी आयु के लिए माताओं ने रखा हरछठ व्रत

पायनियर संवाददाता < बचेली
www.dailypioneer.com

पुत्रवती माताओं ने हरछठ व्रत रखकर पुत्र की दीर्घायु की कामना की। सगरी खोद कर पूजा की और पसहर चावल और 6 प्रकार के मेवे के साथ भैंस के दूध दही अर्पित की। हरछठ (हलषष्ठी) का त्यौहार भाद्रपद माह में कृष्ण पक्ष की छठ को मनाया जाता है और इसी दिन श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था। यह व्रत केवल पुत्रवती महिलाएं ही रखती हैं। हरछठ का व्रत केवल पुत्रों की दीर्घायु के लिए सिर्फ महिलाओं द्वारा ही रखा जाता हैं। इस दिन महिलाएं केवल भैंस के दूध का सेवन करती हैं। जालौन निवासी ज्योतिषाचार्य का कहना कि शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में केवल भैंस के दूध का सेवन करने का एक अलग ही महत्व होता है। इस व्रत में महिलाएं गाय के दूध का सेवन नहीं करती है।

हरछठ व्रत की पूजा के लिए महिलाएं छह छोटे मिट्टी या चीनी के बर्तनों में पांच या सात भुने हुए अनाज या मेवा भरती हैं। जारी (छोटी कांटेदार झाड़ी) की एक शाखा ,पलाश की एक शाखा और नारी (एक प्रकार की लता) की एक शाखा को भूमि या किसी मिट्टी भरे गमले में गाड़कर पूजन करती हैं। महिलाएं पढ़िया (भैंस का बच्चा) वाली भैंस के दूध से बने दही और महुआ (सूखे फूल) को पलाश के पत्ते पर रखकर खातीं हैं और व्रत का समापन करती हैं और अंत में अपने पुत्र की लम्बी आयु के लिए भगवान से कामना करती हैं। महिलाएं पढ़िया (भैंस का बच्चा) वाली भैंस के दूध से बने दही और महुआ (सूखे फूल) को पलाश के पत्ते पर रखकर खातीं हैं और व्रत का समापन करती हैं और अंत में अपने पुत्र की लम्बी आयु के लिए भगवान से कामना करती हैं।

राशि गबन कर शासन को लाखों का चूना लगाया

सप्रमाण दस्तावेज पीएमओ, मुख्यमंत्री व जिला पंचायत सीईओ को सौंपा

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस नेता बसंत आडिल ने जिला मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में ग्राम पंचायतों द्वारा 14वें वित्त आयोग की राशि का गबन कर शासन को लाखों रूपया चूना लगाने के संबंध में सप्रमाण दस्तावेज पीएमओ, मुख्यमंत्री कार्यालय व जिला पंचायत सीईओ को सौंप कर मामले में कार्रवाई की मांग किया गया था. इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. उन्होंने जिले के सीमेंट संयंत्रों द्वारा खनिज नियमों के उल्लंघन तथा ग्राम पंचायत हिरमी में अवैध काम्प्लेक्स निर्माण को लेकर भी उच्च स्तरीय जांच की मांग किया था परंतु अब तक कार्रवाई होने से क्षुब्ध होकर श्री आडिल ने 13 अगस्त से जिला मुख्यालय में आमरण अनशन पर बैठने की घोषणा किया है.

श्री आडिल ने जिला मुख्यालय स्थित प्रेस क्लब में प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर खुलासा करते हुए जिला के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 14 वें वित्त आयोग की राशि की बंदरबाट पर शासन-प्रशासन को घेरते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में चुनाव अचार संहिता लगने के बाद से नये सरपंचों के पद भार ग्रहण करने के बीच विभिन्न फर्मो को अलग-अलग बिल वाऊचर प्रस्तुत कर लाखों रूपये भुगतान किया गया है. जबकि आचार संहिता लागू होने के बाद से नये सरपंच के पदभार ग्रहण करने तक भुगतान पर प्रतिबंध रहता है. यही नहीं कोरोना संक्रमण काल में भी पंचायतों द्वारा अपने अधिकारों का दुरूपयोग कर लाखों रूपये विभिन्न फर्म को भुगतान किया गया है. जबकि इस दौरान सीईओ जिला पंचायत द्वारा अप्रैल माह में एक आदेश जारी कर पंचायतों को 50000 रूपये से अधिक भुगतान की स्थिति में इसका अनुमोदन जिला पंचायत से कराने का निर्देश दिया गया था।

आडिल ने प्रस्तुत दस्तावेज में उल्लेख किया है कि 27 जुलाई 2019 को पंचायत संचालनालय छ.ग. द्वारा एक आदेश सभी जिला पंचायत सीईओ को जारी किया गया था. जिसमें स्पष्ट आदेश है कि समस्त ग्राम पंचायतों के 14 वें वित्त आयोग की राशि का भुगतान डिजीटल सिग्नेचर के माध्यम से किया जाना है. इस हेतु ग्राम पंचायतों को सरकारी प्रिया साफ्ट एफ में आनबोर्ड किया जाना था. राशि का भुगतान चेक, एनईएफटी अथवा कैश से किये जाने पर रोक लगायी गयी थी परंतु बहुत से पंचायतों को अब तक आनबोर्ड नहीं किया गया है और राशि का आहरण अन्य माध्यमों से किया जा रहा है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आचार संहिता के दौरान लाखों का भुगतान

गौरतलब है कि त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव हेतु आचार संहिता जनवरी से फरवरी 2020 तक लागू थी परंतु इस दौरान जिला के प्रमुख ग्राम पंचायतों में धड़ल्ले से लाखों रूपये का भुगतान किया गया. कई ग्राम पंचायतों में तो एक-दो दिन में एक ही फर्म को हजारों रूपया भुगतान किया गया. जबकि कुछ ग्राम पंचायतों में नये सरपंच के निर्वाचन एवं उसके पदभार ग्रहण करने के बीच राशि का भुगतान किया गया जो कि नियम के विपरीत है. जिसका प्रमुख उदाहरण जनपद पंचायत सिमगा अंतर्गत ग्राम पंचायत हिरमी है. यहां आचार संहिता लगे होने के दौरान ही 20 जनवरी 2020 को 9 अलग-अलग फर्मों को कुल 739850 रूपये का भुगतान किया गया. जबकि ग्राम पंचायत धोधा में 19 व 20 जनवरी 2020 को 7 फर्मों को 519600 रूपये का, ग्राम पंचायत बनसांकरा में 11 फर्मों को 871205रूपये, ग्राम पंचायत हथबंद में 17 से 30 जनवरी के मध्य 519100 रूपये का भुगतान किया गया. सिमगा जनपद क्षेत्र अंतर्गत कुल 104 ग्राम पंचायतों में कुछ प्रमुख पंचायतों में ही राशि का भुगतान किया गया. जबकि 74 ग्राम पंचायतों द्वारा इस बीच किसी राशि का आहरण नहीं किया गया. वहीं पलारी जनपद पंचायत अंतर्गत कुल 103 ग्राम पंचायतों में से 40 द्वारा आचार संहिता लागू होने के दौरान भुगतान किया गया. जबकि 63 ग्राम पंचायतों द्वारा कोई भुगतान नहीं किया गया. भाटापारा अंतर्गत कुल 91 ग्राम पंचायतों में से 65 द्वारा हजारों रूपये का भुगतान किया गया. जबकि 26 का भुगतान निरंक रहा. बिलाईग? जनपद पंचायत अंतर्गत कुल 124 ग्राम पंचायतों 90 ग्राम पंचायतों में 2 से 9 लाख रूपया तक का भुगतान किया गया. जबकि 34 पंचायतों का भुगतान निरंक था. कसडोल जनपद पंचायत अंतर्गत कुल 117 ग्राम पंचायतों में केवल 38 ग्राम पंचायतों द्वारा भुगतान किया गया. जबकि 79 का भुगतान निरंक है. बलौदा बाजार जनपद पंचायत अंतर्गत कुल 106 ग्राम पंचायतों में से 49 द्वारा भुगतान किया गया. 49 ग्राम पंचायतों का भुगतान निरंक है. गौरतलब है कि ग्राम पंचायत हिरमी द्वारा 20 जनवरी 2020 को 9 फर्मों को कुल 739850 रूपये का भुगतान अचार संहिता लागू होने के दौरान किया गया था. जिसकी शिकायत होने पर तात्कालीन जनपद पंचायत सीईओ ने सचिव ग्राम पंचायत हिरमी को 29 जनवरी 2020 को एक शासकीय ज्ञापन प्रेषित कर ग्राम पंचायत के खाता से 1622603 रूपये में से 739850 रूपये एवं 882753 रूपये का आहरण को असमायोजित राशि बताया था. जिसमें उल्लेख है कि शासन के निर्देशानुसार यदि पंचायतों द्वारा राशि का व्यय अन्य माध्यम से किया जाता है या निर्माण एजेंसी के पास असमायोजित राशि रहती है तो इसके लिए सचिव को जिम्मेदार ठहराते हुए असमायोजित राशि 882953 रूपये को खाता में दो दिवस के भीतर जमा नहीं किये जाने पर भादवि की धारा 409, 420, 467, 468 एवं 471 के तहत अपराध पंजीबद्ध करने की बात कहा था. इस एक आदेश से स्पष्ट है कि इसी प्रकार बहुत सी ग्राम पंचायतों में राशि का दुरूपयोग किया गया है. जिला पंचायत सदस्य बसंत आडिल द्वारा इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय, सीईओ जिला पंचायत को भी पत्र लिखकर व्यापक तौर पर किये गये घोटालों के जांच की मांग किया गया था परंतु अब तक कोई कार्रवाई न होने के पश्चात श्री आडिल ने 13 अगस्त से अनशन की घोषणा किया है. अब देखना यह है कि कांग्रेस पार्टी प्रमुख नेता श्री आडिल अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल पाते हैं अथवा सत्ता संगठन के दबाव में अपने कदम वापस लेते हैं।

महिलाओं ने संतान की लंबी उम्र एवं सुख समृद्धि की कामना की

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

हलषष्टि व्रत रविवार को मनाया गया इस दिन महिलाएं ने संतान की लंबी उम्र एवं सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की। पूजा में बिना हल जोते उगे वाले पसहर चावल और 6 प्रकार की भाजी का भोग लगाया गया। क्योंकि कोरोना वायरस के चलते मात्र 2 दिन में ही सुबह 4 घंटे में मार्केट खोलने की इजाजत दी गई थी, इस कारण शनिवार को पसहर चावल खरीदने के लिए सदर बाजार हरी बाजार राम सप्ताह जयस्तंभ चौक आदि जगह पर महिलाओं की लंबी भीड़ रही। महिलाओं ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बहुला चौथ की पूजा अर्चना की तथा भगवान से अपने बच्चों की लंबी उम्र की कामना की।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में मना रक्षाबंधन का त्यौहार

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन के दिन बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बाँधकर मंगल कामना की। भाइयों ने अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प दोहराया।

रक्षाबंधन का यह कार्य म सभी छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने घर पर ही किया। जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक ऑनलाइन सम्मिलित रहे। बहनें भाइयों के माथे पर चंदन और अक्षत का तिलक लगाने के बाद उनकी कलाइयों में राखी बाँधकर उनके सुख और समृद्धि के लिए प्रार्थना किया। भाइयों और बहनों ने एक दूसरे को मिठाई भी खिलाए। भाइयों से उपहार

पाकर बहने चहक रही थीं। त्योहार से एक दिन पूर्व राखी मेकिंग एक्टिविटी भी कराया गया। जिसमें बच्चों ने रंग बिरंगी आकर्षक राखियाँ बना कर सबका मन मोह लिया।विद्यालय की प्रधानाचार्या ऋतु रजनीश ने बच्चों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई देते हुए पर्व की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पढ़ाई तुंहर द्वार

तिल्दा-नेवरा। कोरोना वायरस के चलते गोस्वामी सर द्वारा निशुल्क बच्चों को पढ़ाई तुंहर द्वार के अंर्तगत शिक्षा दिया जा रहा हैं। कोरोना महामारी के चलते बच्चों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बच्चों के मुंह में माक्स का भी उपयोग किया गया।

काट पत्ती जुआ खेलते हुए छह लोगों से सात हजार जब्त

महासमुंद। भंवरपुर पुलिस ने गाम स्वरूपपुर में जुआं खलते हुए 6 लोगों को पकड़ा है। इनके पास से 6990 रूपये बमराद हुआ है। पुलिस ने इसके खिलाफ 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पकड़े गए आरोपी में ग्राम रामभांठा निवासी तेज कुमार (24), स्वरूपपुर निवासी गजेन्द्र यादव (30), केसरपुर निवासी अक्षय मलिक (27), चनाट निवासी रमेश पटेल (31), गढ़गांव निवासी राजेन्द्र धोबी (24) एवं स्वरूपपुर निवीस मिलाप वैष्णव (30) शामिल है।

क्रांति दिवस पर अभा कांग्रेस सेवादल का ध्वजवंदन कार्यक्रम आयोजित

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

क्रांति दिवस के सुअवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल बलौदाबाजार के तत्वावधान में 09अगस्त, दिन रविवार को प्रातः 9:30 बजे अम्बेडकर चौक बलौदाबाजार में ध्वजवंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। ध्वजवंदन का कार्यक्रम मुख्य अतिथि सुरेन्द्र शर्मा, छ.ग.राज्य कृशक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण कर संपन्न किया गया। अध्यक्षता दिनेश यदु पूर्व

जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संतोश यादव जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल बलौदाबाजार द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महात्मा गॉधी राष्ट्रपिता ने क्रांति दिवस के दिन ही भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया था एवं आजादी की लड़ाई में पूरे भारत के व्यापारी, विद्यार्थी व सभी देषवासियों ने एक साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जसके फ लस्वरूप अंततः अंग्रेजों को भारत देश को मजबूर होकर छोड़ना पड़ा और देश को आजादी मिला। ये आजादी राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की देन है। अध्यक्षता कर रहे यदु ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल सदैव गांधी की इस त्याग, तपस्या और दृढ़ संकल्प को हमेंषा याद रखेगी और अपने जीवन में हम सभी आत्मसात करेगें। उक्त अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विक्रम पटेल, सुकदेव साहू, दिगम्बर साहू, आर्यन शुक्ला, हेमचंद केशरवानी, अजय ताम्रकर, चन्द्रकुमार साहू, नंदकुमार निराला, रवि यादव, झब्बू साहू, रामविलास साहू, संतोश साहू, रवि नामदेव, अम्बू पंजवानी, देवेन्द्र बंजारे, तामेन्सु वर्मा, ओमषंकर साहू आदि उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन दिवस मनाया

- राजागोपाल पीवी और गांधीयन कलेक्टिव इंडिया के बैनर तले उपवास पर बैठे

पायनियर संवाददाता < तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के उपलक्ष्य में 9 अगस्त सुबह 8 बजे से लेकर 10 अगस्त सुबह 8 बजे तक राजागोपाल पी. व्ही. और गाँधीयन कलेक्टिव इंडिया के बैनर तले उपवास पर बैठे। इस उपवास को देशव्यापी समर्थन देने के लिए एकता परिषद संगठन के 10 राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड, केरल, असम, उड़ीसा, मणिपुर उपवास की जो श्रंखला 5 जून 2020 विश्व पर्यावरण दिवस से 2 अक्टूबर 2020 तक जारी रहेगी। इस उपवास श्रंखला का मुख्य उद्देश्य है ।

गांधी के भारत की मांग-अंतिम जन के लिए राजनीति विषय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त कर रहे हैं। समाज के कमजोर वर्गों के बारे में कोई विचार किए बिना लॉकडाउन की अचानक घोषणा, शहरों से सामूहिक पलायन, हमें भारत विभाजन के दिनों के समान दृश्यों की याद दिलाती है। एक देश के रूप में भारत के पास पर्याप्त संसाधन और परिवहन सुविधाएं हैं जो इन लोगों को चार या पांच दिनों के भीतर अपने-अपने मूल स्थानों पर वापस भेज सकते हैं। किसी को भी इस तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि भारत इन्हीं लोगों के खून और पसीने से इस स्तर पर पहुंचा है। मजदूरों को उनके घर भेजने के बाद ही तालाबंदी की घोषणा की जानी चाहिए थी। यदि ऐसा किया जाता, तो उनमें से कई सड़कों के बीच, रेलवे पटरियों और ट्रेनों में नहीं मारे जाते। इन लोगों का एक हिस्सा बीमारी का वाहक बनकर भी अपने-अपने गांव लौट रहा है। यदि इन लोगों को मार्च के मध्य तक घर वापस भेज दिया जाता, तो इस त्रासदी को आसानी से टाला जा सकता था।

गांधीजी द्वारा दिया गया ताबीज भारत के लोकतांत्रिक शासकों को हमेशा अनुसरण योग्य मार्ग दिखाता है। लेकिन मौजूदा दौर में शासक इसका मजाक उड़ा रहे हैं। गांधी के विचारों को आज के भारत में फिर से तभी जीवित किया जा सकता है जब लोग देश के शासकों के खिलाफ खड़े होने की इच्छाशक्ति दिखाएंगे। जो गांधी के मार्ग में यकीन करते हैं, उन्हें खुद से यह पूछने का सही समय है कि क्या वे गांधीजी के बताए सत्याग्रह या अहिंसा के हथियार को उसी आत्मबल के साथ उपयोग करने के लिए तैयार हैं? यही कारण है कि अनिश्चितकालीन उपवास के इस प्रस्ताव पर यहां चर्चा की गई है है। इस सत्याग्रह का आयोजन सरकार के समक्ष मांगों की सूची के साथ नहीं किया जाना है। यह एक नई राजनीति के पक्ष में जनमत और विवेक को बढ़ाने वाला यज्ञ है जो पीड़ित जनता के हित के लिए है। सत्तारूढ़ और विपक्षी राजनीतिक दलों पर जनता के दबाव द्वारा उन्हें जन-विरोधी और पर्यावरण-विरोधी नीतियों और राजनीति से दूर करना भी इसका मकसद है।

वैष्णव समाज ने महंत का स्वागत किया

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष दूधाधारी एवं शिवरीनारायण मठाधीश महंत रामसुंदर दास जी का स्वागत रायपुर से शिवरीनारायण जाते हुए कुछ देर के लिए बाईपास रोड में किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश वैष्णव छत्तीसगढ़ वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के संरक्षक राजेश वैष्णव छत्तीसगढ़ श्री वैष्णो महासभा के जिला अध्यक्ष संतोष

वैष्णव त्रंबकेश्वर वैष्णव लाल बंधु वैष्णव राम रंग वैष्णव एवं समाज के अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे जिन्होंने महंत जी का स्वागत किया।

भाजपा प्रवक्ता शिवरतन का सवाल : लॉकडाउन को लेकर सरकार दोहरे मापदंडों पर काम कर रही

प्रदेश सरकार के कोरोना प्लेयर्स और कांग्रेस सेवा दल के लोग कहां मुंह छिपाए बैठ गए ?

- अंतर्विरोध और ऊहापोह से ग्रस्त सरकार को ग़रीबों की फि नहीं

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा ने प्रदेश के कोविड-19 सेंटर्स में आत्महत्या करने और इलाज के लिए भर्ती किशोरी व मासूम बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले को प्रदेश सरकार के कार्यकाल का कलंकित अध्याय बताते हुए प्रदेस सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के नाकारापन की यह इंतिहा है और अब इस सरकार को एकक्षण भी सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं रह गया है। कोरोना की रोकथाम के हर मोर्चे पर विफलताओं के बोझ से दबी हुई यह लाचार सरकार अब प्रदेश का कोई भला कर सकने की स्थिति में नहीं रह गई है। शर्मा ने पूछा कि प्रदेश सरकार के तमाम 'कोरोना प्लेयर्स' इस शर्मनाक स्थिति में कहाँ गुमशुदा हैं? कांग्रेस का सेवा दल पूरे कोरोना काल में कहाँ मुँह छिपाए बैठा रहा? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कोरोना की विस्फोटक होती जा रही स्थिति और उसके बावजूद राज्य सरकार की लापरवाही को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। जिस कोरोना से प्रदेश के सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष को मिलकर मुक़ाबला करके उसे परास्त करने का ज़ज्बा दिखाया जाना था, उस कोरोना को लेकर जब प्रदेश सरकार ही गहरे मतभेद, ऊहापोह और नेतृत्वहीनता से नहीं उबर पा रही है तो प्रतिपक्ष को साथ लेकर चलने की उदारता की अपेक्षा प्रदेश सरकार से करना बेमानी ही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जारी लॉकडाउन को लेकर प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों के बयान में निहित विरोधाभास से साफ है कि राज्य सरकार में अंतर्कलह और सत्ता संघर्ष अपने चरम पर है। कोरोना को रोकने के लिए प्रदेश के एक मंत्री टीएस सिंहदेव पहले ही यह कह चुके हैं कि लॉकडाउन से कोरोना नहीं रुकेगा लेकिन चूँकि जनता चाहती थी इसलिए प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन का फैसला लिया है। अब प्रदेश के ही एक और मंत्री रवींद्र चौबे ने लॉकडाउन को ज़रूरी माना है। श्री शर्मा ने सवाल किया कि जब केंद्र सरकार ने लॉकडाउन का फैसला किया था तो प्रदेश सरकार और कांग्रेस के लोग किस आधार पर उसकी मुख़ालफ़त कर रहे थे? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार दरअसल पूरी तरह नेतृत्वहीन और भ्रमित है और उसे यह सूझ ही नहीं रहा है कि आख़िर कोरोना की रोकथाम के लिए क्या किया जाए?

लॉकडाउन घोषित करने के बाद जिस सरकार और उसके प्रशासन को मंदिरों में बेहद सीमित संख्या में लोगों के जुटने पर कोरोना का ख़तरा नज़र आता है, उसे प्रदेशभर के हरएक शराब अड्डों पर रोज हज़ारों लोगों की भीड़ जुटते देखकर भी कोरोना का ख़तरा नज़र क्यों नहीं आ रहा है? आम लोगों पर क़ानून के नाम पर बरती जा रही सख़्ती तब कहाँ फ़ुर्र हो जाती है, जब सत्ता पक्ष के लोग जश्न मनाते हैं, बिना मास्क पहने सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियाँ उड़ाते नज़र आते हैं। शर्मा ने कहा कि अब प्रदेश सरकार ने राजधानी रायपुर को सात अगस्त से अनलॉक करने का फैसला तो लिया है पर इस फैसले से उसका ग़रीबों के प्रति दुराग्रह साफ झलक रहा है। किराना, प्रोवीज़न, फल-दूध की दुकानों, होटल-रेस्टोरेंट समेत अनेक दुकानों को खोलने की अनुमति दी गई है जबकि ठेले-खोमचे वालों को सीमित समय में सामान बेचने की इजाजत देना यह संकेत करने के लिए पर्याप्त है कि सरकार बड़े पैसे वालों की चिंता कर रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक शर्मा ने कहा कि कोरोना की जाँच की रफ़्तार टेस्टिंग लैब की कमी के चलते अब भी काफी धीमी है वहीं क्वारेंटाइन सेंटर्स अब भी बदइंतज़ामी और बदहाली से नहीं उबर सके हैं। अब तो कोरोना अस्पतालों में असुरक्षा, बदइंतज़ामी और बदहाली का आलम है। कोविड सेंटर में भी मरीज़ आत्महत्या करने लगे हैं और इससे भी ज़्यादा घिनौनी हक़ीक़त तो यह है कि राजधानी के रावाँभाटा स्थित कोरोना उपचार केंद्र बनाए गए निजी गायत्री अस्पताल में वहाँ कार्यरत एक सफाईकर्मी द्वारा भर्ती किशोरी और मासूम बालिका के यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। यह घटना प्रदेश सरकार के चेहरे को कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। इस मामले से जुड़े वायरल वीडियो का हवाला देते हुए शर्मा ने कहा कि इस मामले में आरोपी सफाई कर्मी के साथ ही अस्पताल प्रबंधन के ख़िलाफ़ भी पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह प्रदेश सरकार कोरोना संक्रमण के साथ-साथ कोरोना मरीज़ों की अस्मिता की सुरक्षा तक कर पाने में निकम्मी साबित हो रही है। क्वारेंटाइन सेंटर्स अपनी बदइंतज़ामी और बदहाली के चलते लोगों को आत्महत्या करने और विषैले सर्पों व अन्य जीव-जंतुओं के दंश से मरने के लिए मज़बूर कर रहे हैं और अब जिस कोविड-19 सेंटर्स के नाम पर प्रदेश सरकार वृथा गाल बजा रही है, उन कोविड सेंटर्स से भी मरीज़ों के आत्महत्या करने की ख़बरें सामने आना प्रदेश सरकार के लिए शर्म का विषय है।

शर्मा ने बताया कि जांजगीर-चाँपा ज़िले के मालखरौदा क्षेत्र के जमगहन ग्राम के युवक ने इलाज के दौरान आत्महत्या कर ली। कोरोना पॉजीटिव होने के कारण उसे चार अगस्त को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। अब जो सरकार अस्पताल तक में इलाज कराने वाली किशोरियों-बच्चियों की अस्मिता न बचा पाए, बड़ी-बड़ी डींगें हाँककर भी जो कोविड अस्पताल में भी आत्महत्या होती देखकर हाथ-पर-हाथ धरे बैठी रहे, उसे तो अब शर्मिंदगी महसूस कर सत्ता से हट ही जाना चाहिए।

दो युवकों के बीच मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद। शहर के कुर्मीपारा में शुक्रवार को दो युवकों के बीच झगड़ हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक ने दूसरे पर नुकीली हथियार से वार कर दिया। इससे चोट आई है। पुलिस ने दोनों की शिकायत पर एक दूसरे के खिलाफ धारा 294, 506, 323 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस थाना से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 17 निवासी बलराम चंद्राकर पिता पवन चंद्राकर शुक्रवार शाम साढ़े पांच बजे रंगमंच में बैठा था। उसी समय मोहल्ले का गुलाब ध्रुव पिता बिसन लाल शराब के नशे में आया और गाली गलौज करने लगा। इस सुनकर प्रार्थी का भाई लोकेश चंद्राकर ने गाली देने से मना किया तो, गुलाब ध्रुव ने अपने पास रखे नुकीली चीज से वार कर दिया। इससे प्रार्थी को चोट आया है। वहीं गुलाब कुमार ध्रुव ने भी बलराम चंद्राकर पिता पवन चंद्राकर के खिलाफभी मारपीट का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

विशेष प्रकार का सामाग्री से होता है पूजन एवं परायण

संतान की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा हलषष्ठी व्रत

सगरी बनाकर कमरछठ महारानी की सुनी कथा, छत्तीसगढ़ की प्रमुख व्रत

पायनियर संवाददाता ◄ सरसीवा
www.dailypioneer.com

रविवार को माताओं ने संतान की लंबी आयु के लिए हलषष्ठी (कमरछठ) का उपवास रख एवं नियत स्थान पर सगरी बनाकर पूजन किये एवं पसहर चावल का खिचड़ी खाकर व्रत का परायण की । वही माताओं ने सोशल डिस्टेंट का पालन करने का हरसंभव प्रयास किये । हलषष्ठी व्रत जो कि संतान की लंबी आयु के लिए माताओं द्वारा रखी जाती है । यह व्रत छत्तीसगढ़ की प्रमुख व्रत है जिसमे पुत्र के लंबी आयु के लिए किया जाता है । रविवार को माताएं यह व्रत रखकर एवँ नियत स्थानों में एकत्रित होकर मिट्टी का सगरी गौ माता बलराम एवं नाव नाविक बनाकर विशेष प्रकार के सामान से पूजा अर्चना आरती करते हुए कथा का श्रवण किये। इस पर्व में विशेष प्रकार के पूजन सामाग्री लाई, महुआ के फल, दोना-पत्तल, दातौन , पसहर चावल ,छः प्रकार के भाजी ,काशी फूल ,कमल फूल,भैसी की दूध, दही, घी, नारियल, छुही का उपयोग पूजन में किये। आज रविवार को व्रत धारी महिलाएं निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर सामूहिक पूजन कर हलषष्ठी महारानी का कथा सुने तत्पश्चात आरती एवँ प्रसाद वितरण के बाद व्रत धारी माताओं द्वारा अपने बच्चों को सिंदूर का तिलक लगाकर छुही से पोता मारते हुए लंबी उम्र का आशीर्वाद दी । रात्रि में विशेष प्रकार के पसहर चावल से बने खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण कर व्रत का परायण की। संतान प्राप्ति और बच्चों की लंबी आयु के लिए इसे मनाया जाता है। धार्मिक कथाओं में कमरछठ व्रत कथा का वर्णन है। इसे हलषष्ठी के नाम से भी जाना जाता है इस कारण हल से जोत कर उत्तपादित सामाग्री का उपयोग नही किया जाता है। विशेष प्रकार के चावल , महुवा फल ,पत्ता ,दातौन ,काशी फूल कमल फूल का उपयोग पूजन सामग्री में होता है। व्रत धारी महिलाएं निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर मिट्टी का सगरी नाव और नाविक बनाती है जहाँ सामूहिक पूजन कर हलषष्ठी महारानी का कथा सुनती है। इस के पूजन एवँ उपवास में भैसी की दूध, दही, घी, नारियल,और फूल के साथ सुबह से उपवास रखती हैं। शाम को सभी महिलाएं नियत स्थान पर एकत्रित होकर एवं सगरी बनाकर एक साथ पूजा करती हैं। पूजा करने के बाद बच्चों के पीठ पर हाथों का पंजा लगाया जाता है, ताकि बच्चों की आयु लंबी हो और वे हर मुसीबत से बचे रहे हैं। फिर रात्रि में पसहर चावल से बना खिचड़ी एवं छ प्रकार जे भाजी से बना सब्जी का भोजन कर व्रत तोड़ते हैं। पूजन में छह का महत्व हलषष्ठी में छह की संख्या का महत्व है। भाद्रपद की छठवी तिथि को मनाए जाने वाले पर्व में छह प्रकार की भाजी, छह प्रकार के खिलौने, छह प्रकार के अन्न वाला प्रसाद एवं छह कथा सुनी जाती है। इसके अलावा पूजन में पसहर चावल, छह प्रकार की भाजी की सब्जी जिसमें मुनगा, कद्दू, सेमी, तोरई, करेला, मिर्ची, भैंस का दूध, दही, घी, सेंधा नमक, महुआ पेड़ के पत्ते का दोना उपयोग किया जाता है और बच्चों को प्रसाद के रूप में धान की लाई, भुना हुआ महुआ, चना, गेहूं, अरहर, छह प्रकार का अनाज मिलाकर बांटा जाता है।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी ने शहीदों की याद में क्रांति दिवस मनाया

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस कमेटी तथा जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के आदेशानुसार ब्लाक कांग्रेस कमेटी तिल्दा शहर एवं ग्रामीण के द्वारा देश के वीर शहीदो की याद में क्रांति-दिवस का कार्यक्रम शहीदो के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दोपहर 12 बजे कांग्रेस-भवन मे मनाया गया। कार्यक्रम मे महात्मा गॉधी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिह जैसे वीर शहीदो की कुर्बानी को याद करते हुये पूर्व विधायक जनकराम वर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उधोराम वर्मा, प्रदेश संयुक्त महामंत्री राम गिंडलानी तथा शहर अध्यक्ष सुनील सोनी, ग्रामीण अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा,नपा अध्यक्ष लेमिक्षा गुरू डहरिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने श्रध्दासुमन अर्पित किये व मौन रखकर अश्रु पूरित श्रध्दांजलि दी। इस अवसर पर सेवादल के वरिष्ठ कार्यकर्ता समारूराम साहू एवं हाजी नूर अहमद रिजवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे पूर्व जिला कोषाध्यक्ष ओम गोयल, पूर्व जिला महामंत्री शंकर शर्मा, शिव अग्रवाल, जिला महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आशा यादव, पूर्व नपा अध्यक्ष महेश अग्रवाल,पार्षद व युकां प्रदेश सचिव लक्ष्मीनारायण वर्मा, पार्षद जितेन्द्र ध्रुव, पार्षद देवादास टंडन,पार्षद नरोत्तम यदु ,पूर्व जिला सचिव नीरज राठी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष सोनू मारखंडे, विश्राम चक्रधारी, गजानंद वर्मा, पूनाराम वर्मा, दिनेश साहू, शरद वर्मा, युकां विधानसभा अध्यक्ष ओम ठाकुर, हेमलाल साहू, एनएसयूआई प्रदेश सचिव राहुल तेजवानी,झुग्गी झोपडी प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद अशरफ, अमजद खान,राकेश जोशी, कामता प्रसाद वर्मा, योगेन्द्र पटेल, राजेश जेठवानी, अजितेश शर्मा,अनिल बत्रा, धर्मेंद्र डहरियॉ,द्वारिका शर्मा, डिगेश्वर वर्मा, कपूर बघेल, पवन बघेल, प्रकाश मेघानी, लेखराम वर्मा, मिर्जा अजमेर बेग, माखन साहू,मुकेश मोटवानी, योगेंद्र साहू, रजत कश्यप, महेशू निषाद, बलदाऊ वर्मा, प्रदीप गेंडरे, सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

वर्ल्ड ब्राम्हड फेडरेशन ने कवि संजीव ठाकुर को सम्मानित किया

रायपुर। विगत दिनों वर्ल्ड ब्राहमण फेडरेशन द्वारा ऑनलाइन राज्य स्तरीय काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें वरिष्ठ कवि संजीव ठाकुर की सहभागिता को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें विशिष्ट सम्मान से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं भविष्य में वर्ल्ड ब्राहमण फेडरेशन द्वारा उन्हें कार्य म आयोजित कर सम्मानित भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व अखिल भारतीय अग्नि शिखा मंच छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा वैश्विक स्तर पर आयोजित ऑनलाइन काव्य तथा लघु कथा संगोष्ठी मैं वरिष्ठ कवि संजीव ठाकुर द्वारा अध्यक्षता की गई थी एवं अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच द्वारा उन्हें विशेष सम्मान से सम्मानित भी किया गया था यह सर्वविदित है की संजीव ठाकुर की गजलों को डा. विभाष पाठक खैरागढ़ द्वारा संगीत बद्ध कर गीतों में ढाला है।

योगेश सिंघम अध्यक्ष,गोलू कैवर्त सलाहकार, सचिव टिकेश्वर देवांगन बनाए गए

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरीडीह
www.dailypioneer.com

प्रेस क्लब यूनियन लवन का वार्षिक कार्यकाल पूरा होने पर रविवार 09 अगस्त को नए सिरे से संगठन का विस्तार हुआ। प्रेस क्लब लवन के नए विस्तार में अध्यक्ष के रूप में योगेश सिंघम, सचिव टिकेश्वर देवांगन, प्रमुख सलाहकार में वरिष्ठ पत्रकार गोलू कैवर्त, सुमन्त साहू, उपाध्यक्ष भावेश तिवारी, टिहलु राम साहू, कोषाध्यक्ष विनोद पटेल, सहकोषाध्यक्ष महेंद्र वर्मा, सह सचिव खगेन्द्र जायसवाल,संगठन मंत्री धनकुमार औधेलिया,प्रेमलाल साहू,सरंक्षको में दानी राम साहू, मैकू लाल साहू, अनादि शंकर वर्मा बनाए गए हैं । वहीं सदस्यगणों में प्रशांत कैवर्त, तामेश्वर धीवर, देवेंद्र वर्मा, पारसमणि साहू, संजय जांगड़े, धनेश्वर मिर्झा, रुमेश वर्मा प्रमुख हैं। संगठन में प्रेस क्लब की एकता और जनहित की मुद्दों पर रोशनी डालने की बात पर सहमति बना।

छेड़छाड़ करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा। पीड़िता धुरंधर वार्ड भाटापारा थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी आकाश राठौर(22) उर्फ काका पिता अनिल राठौर निवासी नयापारा शक्ति वार्ड भाटापारा के द्वारा प्रार्थिया अपने घर से फैंसी दुकान जाने निकली थी जिसका पीछा करते अरोपी दुकान तक आ गया और प्रार्थिया हाथ बाह पकड़कर खीचने लगा, चिल्लाने पर गाली-गलौच कर मारपीट किया। इसके पूर्व भी आरोपी प्रार्थिया का पीछा करता एवं अश्लील इशारा करता था सूचना की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है। अपराध कायमी के बाद से आरोपी फरार था जिसकी गिरफ्तारी हेतु मुखबिर लगाया गया था। मुखबिर की सूचना पर टीम राजीम नयापारा रवाना किया गया जहां से आरोपी आकाश राठौर शक्ति वार्ड भाटापारा को अभिरक्षा के लेकर थाना लाये पूछताछ करने पर अपराध घटित करना स्वीकार किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर बूढ़ा देव की विधिव्रत पूजा अर्चना की गयी

तिल्दा नेवरा। विश्व आदिवासी दिवस सिमगा ब्लाक में कड़रा आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष कृष्णा कुंजाम के नेतृत्व में मनाया गया। सुबह के समय समाज के लोगों के साथ ईष्ट देव बूढ़ा देव की विधिव्रत पूजा अर्चना की गयी। उसके उपरांत दिपक जलाकर श्री फल तोड़कर बूढ़ा देव की जयकारा लगाया गया। समाज के लोगों को प्रसाद वितरण किया। 9 अगस्त 2020 विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष पर सर्व आदिवासी समाज के लोगों द्वारा आदिवासी दिवस के अवसर वृक्षारोपण का कार्य संपन्न कराया गया हर्षोउल्लास के साथ आदिवासी जय बूढ़ादेव, मनखे-मनखे एक समान, जय आदिवासी का नारा लगाते हुए कार्य संपन्न किया गया जिसमें समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

रायपुर। दत्तात्रेय मंदिर ब्रम्हपुरी में महिलाओं ने संतान की दीर्घायु के लिए रखा हलषष्ठी व्रत।

धेनुसेवक और गौशाला परिचरों का सम्मान

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर श्रीकृष्ण के भ्राता बलराम के जन्मदिन हलषष्ठी के पावन पर्व पर आज निमया मानवसेवा फाउंडेशन ने गौशाला परिचरों को वॉलक्लॉक, दुशाला, मास्क और धेनुसेवकों के नन्हे-मुन्ने बाल गोपालों को शैक्षणिक सामग्री, नैपकिन, सैनीटाइजर, टॉफी बिस्कुट, फुग्गे आदि का वितरण कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी तथा उन्हें कोरोना से बचाव हेतु दो गज़ की दूरी, क्यों है ज़रूरी का सार्थक पाठ पढ़ाया। फाउंडेशन की संस्थापक 'मधु निरंजन यादव' ने बताया कि सामाजिक सरोकार के जीवनदर्शन आज किसकी मदद की, किसे खुश किया के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में यह छोटी सी पहल है, जो आगे भी अनवरत चलती रहेगी। इस अवसर पर प्रगतिशील यादव महासंघ के पदाधिकारियों यथा निरंजन सिंह, रजनीश यादव, बृजेश रावत, अभिषेक यादव, रविंद्र सिंह यादव, रामकुमार यादव और अजय यादव जी ने गौमाता को लौकी, ककड़ी, कट्टी/चारा खिलाकर गौधन की सेवा की।

पुत्र की लम्बी आयु के लिए माताओं ने रखा हरछठ व्रत

जैजैपुर। हरछठ (हलषष्ठी) का त्यौहार भाद्रपद माह में कृष्ण पक्ष की छठ को मनाया गया।महिलाओं ने पुत्र की लंबी आयु और समृद्धि की कामना की। इसी दिन श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था। यह व्रत केवल पुत्रवती महिलाएं ही रखती हैं। हरछठ का व्रत केवल पुत्रों की दीर्घायु के लिए सिर्फ महिलाओं द्वारा ही रखा जाता हैं। इस दिन महिलाएं केवल भैस के दूध का सेवन करती हैं। पंडित अशोक वैष्णव जैजैपुर का कहना कि महिलाएं अपने पुत्र की लंबी उम्र के लिए हल षष्ठी का व्रत रखती है। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में केवल भैस के दूध का सेवन करने का एक अलग ही महत्व होता है। इस व्रत में महिलाएं गाय के दूध का सेवन नहीं करती है, हरछठ व्रत की पूजा के लिए महिलाएं छह छोटे मिट्टी के बर्तनों में छः भुने हुए अनाज या मेवा भरती हैं। जारी (छोटी कांटेदार झाड़ी) की एक शाखा ,पलाश की एक शाखा और नारी (एक प्रकार की लता) की एक शाखा को भूमि या किसी मिट्टी भरे गमले में गाड़कर पूजन करती हैं। महिलाएं पढ़िया (भैंस का बच्चा) वाली भैंस के दूध से बने दही और महुआ (सूखे फूल) को पलाश के या मछुआ पत्ते पर रखकर खाई और व्रत का समापन की। अंत में अपने पुत्र की लम्बी आयु के लिए भगवान से कामना करती हैं,और अंत में अपने पुत्र की लम्बी आयु के लिए भगवान से कामना की।

सरारीडीह में युवाओं के समूह ने वृक्षारोपण किया

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

ग्रामपंचायत सरारी डीह में सरपंच प्रतिनिधि के नेतृत्व में वृक्षारोपण का वृहद कार्य म पंचायत भवन व स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कर अनेक प्रजाती के पौधा जैसे गुलमोहर, करण, आँवला एंवम अन्य पौधों को रोपित किया एवं पौधों के सुरक्षा एवं संरक्षण के संकल्प लेते हुये छत्तीसगढ़ उत्थान समिति के तत्वावधान में पौधा रोपित किया गया।

जिसमें मुख्यअतिथि के रूप में अंचल के युवा समाजसेवी संदीप वर्मा(प्रदेश संयोजक छत्तीसगढ़ उत्थान समिति) उपस्थित रहकर युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि युवाओं में परिवर्तन करने की अद्भुत क्षमता होता है। युवाओं में जोश व बुजुर्गों से सुझाव लेकर एवं मिलजुलकर किसी भी काम को करने पर लक्ष्य तक पहुँच ही जा सकता है आज का वृक्षारोपण इस बात को पुष्टि करता है, की प्रकृति के प्रति ऐसा अद्भुत प्रेम युवाओं का होना शुभ संकेत को दर्शाता है ऐसे ही संगठित रहकर सभी को मिलजुलकर कार्य करने करने को आग्रह किया। विशेष अतिथि के रूप टोहड़ा के युवा सरपंच खूबदास वैष्णव ने सभी साथियों को इस श्रेष्ठ व नेक कार्य के लिए बधाई व शुभकामना देकर ऐसे ही सेवा कार्य में छत्तीसगढ़ उत्थान समिति से जड़कर लगे रहने की बात कही। सरपंच प्रतिनिधि नीलेश ध्रुव ने सभी अतिथियों ग्रामपंचायत के नागरिकों व युवा साथियो को साथ देने व समिति के द्वारा किये गए इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से दीपक धीवर, नोहर देवांगन, दुर्गेश धीवर, मनीष वर्मा, सतीश वर्मा, यश, सुनील, संजय, लोकेंद्र वर्मा, मयंक, राजा वर्मा, आदि ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

डॉक्टर के खिलाफ एसडीएम से की शिकायत

सरायपाली। ग्राम पंचायत अर्जुंडा में कृषि विभाग के एक अधिकारी पर सरपंच सचिव सहित ग्रामीणों ने बिना डिग्री के डॉक्टरी इलाज करने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत अनुविभागीय अधिकारी सरायपाली से की है ग्रामीणों ने एसडीएम को दिए आवेदन में आरोप लगाते हुए लिखा है कि ग्राम अर्जुंडा निवासी आसाराम भास्कर, कृषि विभाग के कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर बरमकेला जिला रायगढ़ में पदस्थ है ग्राम अर्जुंडा स्थित स्वयं के कांप्लेक्स में उनके द्वारा इलाज किया जाता है इसके अलावा आसपास के गांव में भी जाकर वह इलाज करते हैं जबकि भास्कर के पास डॉक्टरी सर्टिफि केट नहीं है बावजूद अवैध रूप से वह घूम घूम कर इलाज करते हैं जबकि अभी कोरोना का सं मण तेजी से बढ़ रहा है ऐसी स्थिति में अकुशल चिकित्सक द्वारा इलाज किए जाने से स्वास्थ्य को खतरा है।

बैठक में हुई चर्चा, नपं. से ली जाएगी जानकारी

प्रेस क्लब के जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृत 2 लाख का पता नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ कुरुद
www.dailypioneer.com

प्रेस क्लब कुरुद (तहसील पत्रकार समिति) की बैठक प्रेस क्लब भवन में आयोजित की गई। जिसमें आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मौके पर ध्वजारोहण करने एवं अन्य जरूरी मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही प्रेस क्लब में प्रवेश करने वाले दो नये सदस्यों का स्वागत किया गया।

शनिवार दोपहर 3 बजे आहूत बैठक में सर्वप्रथम 15 अगस्त को सादगी पूर्वक ध्वजारोहण प्रेस क्लब भवन में सुबह 08 बजे किये जाने पर सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया एवं कोरोना से बचाव के जरूरी एहतियात बरतने की बात कही गई। ततपश्चात पूर्व विधायक लेखराम साहू द्वारा प्रेस क्लब भवन जीर्णोद्धार के लिए स्वीकृत किये गए राशि 2 लाख रुपये का अब तक पता नहीं चलने जिससे भवन का मरम्मत कार्य अवरुद्ध हो जाने पर चर्चा की गई। चर्चा पश्चात निर्णय लिया उक्त संदर्भ में नगर पंचायत कुरुद को पुनः आवेदन देकर उक्त राशि के संदर्भ में सर्वप्रथम सूचना के अधिकार के तहत जानकारी एकत्र की जाएगी। चर्चा के बाद प्रेस क्लब कुरुद में रवि शर्मा एवं घनश्याम साहू को नये सदस्य के रूप में प्रवेश दिया गया जिसका सभी ने ध्वनिमत से स्वागत किया।

इस बैठक में प्रेस क्लब अध्यक्ष धनसिंग सेन, महासचिव मूलचंद सिन्हा, संरक्षक कृपाराम यादव सदस्यगण जमाल रिजवी, अजय केला, गणेश साहू, चंदन शर्मा, कृपाराम सिन्हा, यशवंत गंजीर, योगेश साहू, दीपक साहू, अभिमन्यु नेताम उपस्थित थे।

सनम जांगड़े का जन्मदिन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनाया

बलोदा बाजार। पूर्व विधायक एवं जिला अध्यक्ष भाजपा डॉक्टर सनम जांगड़े का जन्मदिन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मनाया गया। इस अवसर पर उनके निवास में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा सुबह 9.00 बजे से उनके घर में जिला के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक के बाद एक आकर उन्हें बधाई का देने का सिलसिला चलता रहा। सनम जांगड़े ने केक काटकर सभी लोगों ने बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता टेशुलाल धुरंधर कृष्ण अवस्थी धनंजय साहू डोमन वर्मा राहुल सोनी संजय श्रीवास अजय श्रीवासपरेश वैष्णव अभिषेक तिवारी पवन जयसवाल राकेश ध्रुव आदित्य बाजपाई दिनेश बाजपेई कमल भरद्वाज एवं कई कार्यकर्ता उपस्थित थे वही डॉक्टर सनम जांगड़े के दोस्त राजेश वैष्णव दिलीप महेश्वरी राजेश त्रिपाठी जनक फूल के बूके देकर जांगड़े को बधाई दी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

भारत स्काउट गाइड के विद्यार्थियों ने जागरुकता अभियान चलाया

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

नगर के व्यस्त मार्ग जहां पर सबसे ज्यादा भीड़ होता हैं ।क्योकि यहां पर चार रास्ते का संगम होने के कारण भीड़ एकत्रित हो जाती हैं। लोगों का आवगमन होता रहता हैं। जिससे की द भारत स्काउट गाईड के छात्रों ने चालकों को मास्क लगाओ जागरुकता अभियान शहर के दीनदयाल उपाध्याय चौक पर छात्रों द्वारा लोगों से हाथ में तख्ती लेकर व आने जाने वाले राहगीरों से हाथ जोड़कर किया निवेदन के घर से बाहर निकले ही मास्क जरूर लगाएं एवं मास्क लगाकर अपने को और अपने परिवार को भी सुरक्षित रखें संस्था के सदस्य शिवपुरी गोस्वामी ने बताया कि उनके वह उनके दोस्तों के द्वारा लगातार शहर के सभी चौक चौराहों पर जाकर कोरोना संक्रमण के बचाव हेतु लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा हैं। और नगर वासियों से अपील कर अपने व अपने परिवारो की सुरक्षा के लिए सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का उपयोग करने प्रेरित किया जारहा हैं। वही इन बच्चों के इस अभियान को लोगों के द्वारा काफी सराहा जा रहा है क्योंकि यह बच्चे बहुत सभी की भलाई के लिए अच्छा सोच ला रहे हैं। और जागरूक अभियान से लोगों को अपील कर सावधानी बरतने को कहां जा रहा हैं।

भारत में धार्मिक व सांस्कृतिक एकता

इन सभी विश्वासों के बीच कर्म, भाग्य की अवधारणा समान है जिससे किसी व्यक्ति का भविष्य तय होता है। विश्वास का यह समीकरण विज्ञान या भौतिकी के निकट है जहां प्रत्येक क्रिया की समान व विपरीत प्रतिक्रिया होती है।

प्रफुल्ल गोराडिया

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि भारत में हिंदू-मुसलमान समीकरण के केन्द्र में क्या है? इस विषय पर दृष्टिकोण अलग अलग हैं। एम.ए. जिन्ना ने कहा था कि पाकिस्तान का जन्म उसी दिन हो गया था जब पहले हिंदू का इस्लाम में धर्मान्तरण हुआ था। इसके उलट महात्मा गांधी ने तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैक्डोनाल्ड से 1931 में लंदन में कहा था कि हिंदू-मुस्लिम दंगे ब्रिटिश शासन का नतीजा हैं। ब्रिटिश शासन 73 साल पहले समाप्त हो गया था, पर दंगे अब भी जारी हैं। याद करें कि विभाजन यह समस्या समाप्त करने के लिए किया गया था।

भारत में धार्मिक व सांस्कृतिक विविधता को देखते हुए हमें उनके बीच सह-अस्तित्व का विकास करना होगा। इससे टकराव के बजाय एकता की भावना पैदा होगी। केरल के राज्यपाल आरिफ़ मुहम्मद खान ने पिछले सप्ताह एक ट्वीट कर स्पष्ट किया था कि कुछ लोग धर्म और संस्कृति को समान मानने की गलती कर रहे हैं। धर्म का संबंध ऐसी चेतना व पहचान से है जो हमें व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग करता है, लेकिन इसका उन विश्वासों से कोई संबंध नहीं है जिनका पालन हम सामूहिक रूप से करते हैं। इसके बावजूद कुछ टिप्पणीकारों ने पश्चिमी या सेमेटिक दृष्टिकोण अपनाया है। तर्क का विषय विश्लेषण की पद्धति पर आधारित है। उदाहरण के लिए, जहां यहूदीवाद जोर देता है कि जेहोवा देवता हैं, वहीं मूसा पैगंबर व टोरा धार्मिक ग्रंथ है। इससे वे तार्किक विश्वास पैदा होते हैं जिनको सभी विश्वासियों को स्वीकार करना चाहिए और जिनका संबंध कयामत तथा उसके बाद स्वर्ग जाने से है। अल्लाह मुसलमानों के ईश्वर, मुहम्मद अंतिम पैगंबर तथा कुरान अंतिम संदेश है जिसमें अब्राहम को पहला पैगंबर माना गया है। कुरान के साथ हदीस या परंपरायें और सुन्ना जुड़ती हैं जिनका संबंध पैगंबर मुहम्मद की जीवन शिक्षाओं से है। विश्वासी मुसलमान या मोमिन को इन धर्मग्रंथों के आधार पर ही तय करना चाहिए कि वह व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से किस जीवनशैली पर चले। इसका अर्थ सही या गलत दृष्टिकोण निर्धारित करने में इन धर्मग्रंथों का महत्व है। इस्लामी धर्मग्रंथ बहुत व्यापक रूप से 'करो' या 'न करो' अथवा हलाल या हराम को परिभाषित करते हैं जिनका पालन हर विश्वासी को करना चाहिए या उनसे बचना चाहिए। इस प्रकार धार्मिक तर्क एक नदी की तरह प्रवाहमान हैं।

इस्लाम से पहले आई ईसाइयत व अन्य अब्राहमी धर्मों का पालन करने वालों की संख्या इस्लाम या यहूदीवाद से अधिक थी। इस्लाम ईसा मसीह को पैगंबर मानता है, पर ईश्वर का बेटा नहीं। इसके साथ ही इस्लाम प्रशासन को धर्म के दायरे में लाता है, जबकि बाइबिल राजनीति को सीज़र का क्षेत्र मानती है जिसे उन दिनों राजा कहा जाता था। इसके परिणामस्वरूप 16वीं शताब्दी में 'पुनर्जागरण' आने के समय चर्च और राज्य को अलग-अलग करना संभव हो सका था। लेकिन ईसा का धर्म बहुआयामी तरीके से विकसित हुआ जिनके धर्मशास्त्रीय दृष्टिकोण भी थोड़ा अलग थे। इसके उलट इस्लाम में इज्तिहाद या धर्म की पुनः व्याख्या पर लगाम लगाई गई और यह मंदिर मुद्दे पर सुन्नियों के दृष्टिकोण से सामने आया जो मुसलमानों का 90 प्रतिशत हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि भारत में हिंदू-मुसलमान समीकरण के केन्द्र में क्या है? इस विषय पर दृष्टिकोण अलग अलग हैं। एम.ए. जिन्ना ने कहा था कि पाकिस्तान का जन्म उसी दिन हो गया था जब पहले हिंदू का इस्लाम में धर्मान्तरण हुआ था। इसके उलट महात्मा गांधी ने तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैक्डोनाल्ड से 1931 में लंदन में कहा था कि हिंदू-मुस्लिम दंगे ब्रिटिश शासन का नतीजा हैं। ब्रिटिश शासन 73 साल पहले समाप्त हो गया था, पर दंगे अब भी जारी हैं। याद करें कि विभाजन यह समस्या समाप्त करने के लिए किया गया था। इस संदर्भ में जिन्ना के अलगाववाद ने अन्य समुदायों को इस्लाम के दबाव से मुक्त किया था। लेकिन उनके दिमाग में सारी जनसंख्या का आदान प्रदान था। इसकी कल्पना लीग आफ नेशन्स ने की थी तथा 1923 में इसका क्रियान्वयन यूनान और तुर्की तथा बुल्गारिया व तुर्की के बीच किया गया था। बी.आर. अंबेडकर ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था, पर कांग्रेस नेताओं ने इस विचार पर कोई ध्यान नहीं दिया।

तार्किक दृष्टिकोण से विचार करें तो अब्राहमी धर्मों का विश्वास एक अलग रास्ते पर चलता है। इसमें जमीन से एकत्र तथ्य, आंकड़े और भावनायें जनता के तर्कों को ऊपर की ओर ले जाते हैं, जब तक कि कोई नतीजा न निकले। इसे स्वतंत्र तर्क कहा जा सकता है। इसके उलट हिंदूवाद, देशी विश्वासों या सनातन धर्म का दृष्टिकोण एकदम उलट है। इसकी व्याख्या हिंदू विश्वासों की अनेकता से की जा सकती है। इन सभी विश्वासों के बीच कर्म, भाग्य की अवधारणा समान है जिससे किसी व्यक्ति का भविष्य तय होता है। विश्वास का यह समीकरण विज्ञान या भौतिकी के निकट है जहां प्रत्येक क्रिया की समान व विपरीत प्रतिक्रिया होती है।

यह दृष्टिकोण समझने के लिए एक काल्पनिक उदाहरण पर गौर करें। कल्पना करें कि भारत के चार क्षेत्रों में रहने वाले हिंदू व्यक्ति 'गुलाब' के बारे में चर्चा करते हैं। पूरब में रहने वाला व्यक्ति कहेगा कि 'गुलाब' हमेशा सफेद होते हैं। पश्चिम में रहने वाला व्यक्ति कहेगा कि 'गुलाब' हमेशा लाल होते हैं तथा इनका कोई और रंग संभव नहीं है। उत्तर में रहने वाला व्यक्ति जोर देगा कि उसने और उसके मित्रों ने हमेशा केवल गुलाबी 'गुलाब' देखे हैं। दक्षिण भारत में रहने वाला शायद इन सभी बातों की हंसी उड़ाते हुए कहेगा कि 'गुलाब' हमेशा पीले होते हैं तथा उसने किसी दूसरे रंग के गुलाब नहीं देखे हैं। यह तर्क लंबे समय तक चलता रहेगा, पर इससे कोई झगड़ा नहीं होगा। भले ही गुलाबों के रंग के बारे में कोई सहमति न बने, पर चारों लोग सहमति या असहमति के साथ रह सकते हैं। लेकिन यदि अब्राहमी धर्म का कोई व्यक्ति इस बहस में शामिल हो तो वह जोर दे सकता है कि सभी गुलाब लाल होते हैं तथा अन्य रंग वाले गुलाब या तो जंगली हैं अथवा वे गुलाब के अलावा कोई दूसरे फूल हैं।

इन दोनों तार्किक दृष्टिकोणों के बीच मूलभूत अंतर स्पष्ट है जिनमें से एक विखंडनकारी तथा दूसरा समावेशी है। विखंडनकारी दृष्टिकोण केवल एक नजरिये पर जोर देता है तथा विरोधी कथनों को खारिज करता है, इस प्रकार अक्सर उसके दूसरों से युद्ध और संघर्ष होते रहते हैं। विखंडनकारी तथा समावेशी दृष्टिकोणों के बीच समन्वय बनाना बहुत कठिन होता है। यही हिंदू-मुस्लिम टकराव वाली परिघटना का मुख्य कारण है। जहां सुल्तानों व नवाबों का शासन था, वहां हिंदुओं द्वारा दंगों की कोई संभावना नहीं थी। इस हिंसक व नागरिक परिघटना की शुरुआत उस समय हुई जब शासकों ने नीचे तक जाकर हस्तक्षेप किया तथा जबरन समानीकरण के प्रयास किए। याद करें कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने कैसे राजाओं को गद्दी से हटाया था। राबर्ट क्लाइव ने 1757 में नवाब सिराजुद्दौला को निवार्सित किया था। लार्ड वेलेजली ने 1799 में टीपू सुल्तान को पूरी तरह कुचल दिया था तथा कंपनी ने 1856 में अवध को नवाब वाजिद अली शाह से छीन लिया था। ये भारत में तीन महत्वपूर्ण विजयें थीं। उपरोक्त उदहारण में पश्चिमी या चौथा कोण राजस्थान व गुजरात का था जहां अधिकांशतः स्थानीय शासक राज करते रहे। ग्वालियर, इंदौर, कोल्हापुर व अन्य देशी रियासतें 1947 में स्वतंत्रता के समय तक बनी रहीं। हालांकि, खासकर पाकिस्तान में मुसलमानों द्वारा ईसाइयों को मारे जाने की घटनायें हुईं, पर हिंदू-ईसाई दंगों के कोई उदाहरण नहीं मिलते हैं। हम नहीं जानते कि उस देश में परिस्थितियां कैसी थीं। लेकिन हम यह जानते हैं कि हमें भारत में शांति चाहिए और सह-अस्तित्व तथा दूसरों की सीमायें स्वीकार करने के लिए सिवा कोई और विकल्प नहीं है। इससे टकराव से बचा जा सकता है। ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है क्योंकि हम भारतीय सभ्यता से एक-दूसरे के साथ बंधे हैं।

(लेखक, लोकप्रिय स्तंभकार हैं)

ग्रामीण स्तर पर स्वागत योग्य परिवर्तन

पंचायती राज अधिनियम ने ग्रामीण महिलाओं में व्यापक परिवर्तन किए हैं। पिछले दो दशकों में ग्रामीण भारत में जेंडर परिदृश्य बेहतर हो रहा है तथा ग्रामीण महिलाएं प्रभावशाली सामाजिक व राजनीतिक क्रान्ति की ओर बढ़ रही हैं।

मोईन काजी

ग्रामीण स्तर पर परिवर्तन में एक विशेष नीतिगत प्रयोग ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। पंचायती राज अधिनियम ने ग्रामीण महिलाओं में व्यापक परिवर्तन किए हैं। पिछले दो दशकों में ग्रामीण भारत में जेंडर परिदृश्य बेहतर हो रहा है तथा ग्रामीण महिलायें प्रभावशाली सामाजिक व राजनीतिक क्रान्ति की ओर बढ़ रही हैं। इस परिवर्तन का कारण ग्रामीण स्तरीय प्रशासन में विशिष्ट नीतिगत प्रयोग है। पंचायती राज अधिनियम ने समाज के सबसे गरीब तबके: ग्रामीण महिलाओं में भारी बदलाव किए हैं। जेंडर समानता में खराब प्रदर्शन करने वाले भारत में जेंडर न्याय में महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किए हैं जो सामाजिक लोकतंत्र का मुख्य आधार है। महिलाओं ने हजारों गांवों में स्थानीय सुशासन में सहभागिता की है। इस क्रांति से अनेक नए हीरे तराशे गए हैं। इनमें से एक शालान शेल्के हैं। ये साहसी और संवेदनशील महिला ईमानदारी और प्रतिबद्धता का प्रतिरूप हैं। उन्होंने भारत के सुदूर क्षेत्र संगमनेर में गरीब व निरक्षर महिलाओं को संगठित किया है। महाराष्टं के अहमदनगर जिले में संगमनेर तीन नदियों-प्रवर, मेहलुंगी व अधाला का संगम स्थल है। 49 वर्षीय तेजतर्रार शालान ने पहचान लिया था कि हाशियाकृत समुदायों में प्रेरणा पैदा कर ही महत्वपूर्ण परिवर्तन किए जा सकते हैं ताकि ये समुदाय स्वयं अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने को प्रेरित हों। वे अब अनेक सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हाशियाकृत वर्गों की महिलाओं को उनके समुदायों में समुचित स्थान दिला कर शालान और उनकी सहयोगी महिलायें मानवीय क्षमता उजागर कर रही हैं। इससे स्वयं इन महिलाओं तथा सांगानेर के निकट वाले गांवों में हजारों महिलाओं का कल्याण हो रहा है। कालेज शिक्षा पास करने के बाद बीस वर्ष की शालान सामाजिक कार्यकर्ता व उद्यमी बनने के रास्ते पर आईं। हालांकि, इस कठिन यात्रा में सहायता के लिए उनके मित्र और संरक्षक थे, पर उन्होंने पुरुष प्रभुत्व वाली संस्कृति में स्वयं एडवोकेसी व बिजनेस कौशल सीखे। शालान बताती हैं कि 'महिला होना इस स्पेस में एक चुनौती था।' वे याद करती हैं कि शुरुआती प्रयासों के समय वे संकट में पड़ गईं और 'डरी' थीं। लेकिन रिश्तेदारों और मित्रों ने उनको इस स्थिति से बाहर निकाला। उन्होंने अपनी मां की पीढ़ी वाली महिलाओं को अनेक बोझों से लदे देखा था। खेती में अधिकांश भारी बोझ महिलायें ही उठाती हैं। वे जमीन जोतती हैं, बीज बोती हैं, अनाजों की सफाई करत हैं, मवेशियों का ध्यान रखती हैं तथा परिवारों में बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल का काम करती हैं। हम सभी इस स्थिति से परिचित हैं, पर देश का कठोर यथार्थ बदलने की दिशा में कुछ खास नहीं करते हैं। लेकिन शालान ने इस स्थिति पर गौर किया तथा यथास्थिति के सामने समर्पण करने के बजाय इसे उलटने का निर्णय किया। शालान का स्वर महिला अधिकारों के लिए संघर्ष करने वालों में से एक है। हालिया सालों में महिलायें मुखर रूप से पुरुषों के गलत कामों के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। इस संवाद से घर तथा बाहर महिलाओं की स्थितियों में परिवर्तन हो रहा है। अनेक प्रकार ये अब भी पुरुषों की दुनिया है, पर महिलायें अपने समुदायों में यह स्थिति बदलने के लिए प्रयासरत हैं। परिवर्तन कभी आसान नहीं होता है। खासकर परंपरागत समाजों में पितृसत्तात्मक यथास्थिति ने गहराई तक जड़ें जमा रखी हैं जहां व्यवस्था को चुनौती देने का भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। शालान की यात्रा की शुरुआत 2001 में संगमनेर में निर्मिति महिला औद्योगिक सहकारी संस्था की स्थापना से हुई थी। इसने स्थानीय समुदायों को सप्लाई के आधार पर मांग आधारित दृष्टिकोण अपनाने के बजाय कृषि, आदिवासी कल्याण व अन्य सरकारी एजेंसियों से संसाधन प्राप्त करना सिखाया। अपनी अनेक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के माध्यम से महिलायें नई परिस्थितियों के अनुकूल काम करना व रास्ता बदलना सीख रही हैं। इस सोसाइटी में अब लगभग 900 सदस्य हैं और इसका वार्षिक टर्नओवर लगभग 90 लाख रुपये है। 2003 में शालान से एक सांयोगिक मुलाकात से उनको बेहतरीन अवसर मिला तथा मैंने भी एक आश्चर्यजनक यात्रा की। मैं उस समय मुंबई में माइक्रो-फाइनेंस में अपनी बैंक के राज्य कार्यों का संचालन कर रहा था। शालान संगमनेर में स्वयंसहायता समूहों के एक फेडरेशन की प्रमुख थीं। ग्रामीण महिलाओं के पूना व मुंबई के महत्वपूर्ण मंचों पर वे एक प्रमुख चेहरा थीं। मुझे वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में उनकी समझदारी से आश्चर्य हुआ। वे खासकर स्थानीय मुद्दों का अंतरराष्ट्रीय संदर्भों में विश्लेषण करने में दक्ष थीं। हाशियाकृत महिलाओं के आर्थिक व सामाजिक मुद्दों को वे बड़ी तार्किक सटीकता के साथ रखती थीं जिससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। शालान व उनकी साथियों ने आर्गेनिक उर्वरक निर्माण इकाई बनाने का निर्णय किया।

नीम के बीज एकत्र करना फेडरेशन में महिलाओं की एक प्राथमिक आजीविका गतिविधि थी जिनका प्रसंस्करण कर उर्वरक व कीटनाशक निर्माताओं को भेज दिया जाता था। शालान ने अपनी उत्पादन इकाई बनाने का निर्णय किया ताकि स्थानीय लोगों के रोजगार अवसर बढ़ सकें। शालान के प्रयासों से कर्ज की प्रोसेसिंग तेज की गई तथा पैसा समय पर जारी हुआ। लेकिन अनुभवहीनता के कारण टीम के पास उपयुक्त तकनीकी कौशल नहीं था जिससे प्लांट बनाने का काम दूसरों को दिया गया और इकाई शुरू नहीं हो सकी। इससे शालान को थोड़ा झटका लगा, पर उन्होंने संघर्ष किया। उन्होंने सारा कर्ज अपनी बचत से अदा कर दिया। इस प्रक्रिया में शालान ने संयुक्त उद्यमों के जोखिमों की समझदारी प्राप्त की। उद्यमिता के साथ ही शालान ने गरीब व वंचित महिलाओं के व्यापक सामाजिक मुद्दों की एडवोकेसी जारी रखी। 2006 में इसके लिए उन्होंने 'बहिना' नामक पत्रिका शुरू की जिसका नाम स्थानीय कवियित्री बहनाबाई चौधरी के नाम पर रखा गया जो स्वयं निरक्षर थीं पर उन्होंने अनेक प्रेरणादायक कविताओं की रचना की थी। बहिना में विशिष्ट एक्टिविस्ट भावना थी और इसने एक स्थानीय मंच प्रदान किया। इस क्षेत्र में व्याप्त सूखे तथा सामाजिक व आर्थिक संकटों को पत्रिका में स्थान मिला। इसमें विभिन्न मुद्दों का महिलाओं के दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाता था। पत्रिका ने पाठकों के जीवन में व्यापक बदलाव किए। इसने जमीनी स्तर पर व्याप्त असंतोष को अत्यधिक सहज विचार-विमर्श के माध्यम से सामने रखा। इससे महिलाओं का दृष्टिकोण सामने आया जो सामन्ती समाज में अपने पूर्वजों द्वारा थोपी गई गुलामी का मुकाबला कर रही थीं। शालान ने बिजनेस अवसरों का प्रयोग कर महिलाओं की निरंतर व विश्वसनीय आमदनी सुनिश्चित करने के प्रयास किए। 2011 में स्थानीय विश्वविद्यालय परिसर के गर्ल्स होस्टल में एक सहकारी कैंटीन स्थापित की गई। इसने स्थानीय स्तर पर उगाई फसलों से लगभग 500 लड़कियों को पोषक भोजन देने की शुरुआत की।

तीन साल बाद निर्मिति ने संगमनेर में लोक पंचायत ग्रामीण प्रौद्योगिकी कालेज के छात्रों के लिए कैंटीन सेवा शुरू की। 2016 में निर्मिति ने अपनी सहकारी क्रेडिट सोसाइटी स्थापित की। इसमें 1,237 सदस्य हैं, बीस लाख अंश पूंजी है तथा 1.25 करोड़ का फिक्स डिपाजिट है। शालान ने एक लोकप्रिय खाद्य कंपनी के साथ एक बेकरी स्थापित की। इस परियोजना से किसानों, कामगारों व खुदरा व्यापारियों को काम मिला। निर्मिति ने बीजों के प्रयोग की परंपरागत जानकारियों का प्रयोग कर जैव-विविधता को प्रोत्साहन देने के साथ ही देश की जेनेटिक संपदा में 'बीज भंडारों' के माध्यम से सहयोग किया। एसएचजी माध्यम से अनेक महिलायें गरीबी के दलदल से बाहर निकल रही हैं। इन महिलाओं व समुदायों के लिए संकट कोई नई बात नहीं है। उनको फसलों की बरबादी, कर्ज के बोझ तथा बार-बार पड़ने वाले सूखे का सामना करना पड़ता है। निर्मिति की आत्मनिर्भरता व स्वरोजगार पर जोर देने के दृष्टिकोण ने इन महिलाओं को मजबूत किया है और वे कोविड-19 का भी सफलतापूर्वक मुकाबला कर रही हैं। शालान अब लगभग 350 एसएचजी का संचालन करने के साथ ही अनेक सामजिक-आर्थिक गतिविधियों में लगी हैं। उनकी सफलता से स्पष्ट है कि यदि गरीबों को समुचित सहायता मिले तो वे अपनी पूरी क्षमता विकसित कर सकते हैं। शालान बताती हैं कि 'स्वयं को अनुभवी बिजनेस लीडर के रूप में देखना अच्छा लगता है।' शालान जैसी अग्रणी महिलायें अपने समुदायों को संकट से बाहर निकालती हैं।

(लेखक विकास पेशेवर हैं)

कोरोना वायरस के चलते सोशल डिस्टेंस बनाकर की पूजा अर्चना

महिलाओं ने रखा कमरछठ उपवास संतान की दीर्घायु की कामना की

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

संतानों की दीर्घायु एवं खुशहाली के लिए महिलाओं ने कमर छठ व्रत रखा और पूजा अर्चना कर शाम को पसहर चावल एवं विभिन्न प्रकार की भाजी के साथ व्रत तोड़ा। रविवार को जिले के मुख्य शहर जिला मुख्यालय सहित विभिन्न गांव की महिलाओं ने संतान की सुखी एवं दीर्घायु की कामना को लेकर कमर छठ व्रत का उपवास दिनभर रखे रहें इस अवसर पर विभिन्न घरों एवं मंदिरों में दो अलग-अलग गड्ढा खोदकर सगरी बनाया गया था और उसके चारों तरफ विभिन्न पेड़ों के डालियों को लगाया गया था और शिव पार्वती गणेश सहित विभिन्न देवी-देवताओं का मूर्ति अथवा तस्वीर रखा गया था जहां पर दोपहर से ही उपवास करने वाले महिलाएं सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए पूजा अर्चना किया यहां पर सबसे पहले महिलाओं के द्वारा दोनों गड्ढों सगरी में जल डाला गया तदुपरांत अक्षत कुमकुम गुलाल आदि से चंदन लगाए गए फूल अर्पण किया गया तदुपरांत विभिन्न प्रकार के फल भी अर्पण किया गया इसके साथ ही श्री फलभी भगवान को चढ़ाया गया वहीं कई महिलाओं ने विभिन्न सिंगार की सामग्री एवं वस्त्र भी चढ़ाएं तदुपरांत में दीया एवं अगरबत्ती से आरती कर आशीर्वाद लिए।

कोरोनावायरस के कारण नहीं हुआ कहीं भीड़

हर साल कमरछठ के दिन शहर के विभिन्न मंदिरों एवं घरों में भारी भीड़ रहता था किंतु इस साल करोना वायरस के कारण कहीं भी भी भीड़ नजर नहीं था, वहीं इस बार करुणा वायरस के कारण ही लोगों ने ही दूरी बनाकर पूजा की और वहां पर बैठने की भी व्यवस्था नहीं था, केवल महिलाएं पूजा करती और तुरंत वापस आ आई। पहले वहां पर लोगों की महिलाओं की भीड़ रहती थी, जहां पर आचार्यों के द्वारा कमरछठ व्रत कथा का वाचन किया जाता था किंतु इस साल ऐसी व्यवस्था नहीं थी।

पसहर चावल और भाजी से व्रत तोड़

कमर छठ व्रत में जिस स्थान पर हल नहीं चलाया रहता वहां प्राकृतिक के द्वारा उत्पन्न चावल का ही भोजन किया जाता है जिसे पसहर चावल कहा जाता है इसी तरह जहां पर हल नहीं चला रहता हूं और वहां पर उससे उपजे विभिन्न प्रकार की भाजी का भी उपयोग किया जाता है जिसे शाम के समय उपवास रखने वाले महिलाओं के द्वारा खा कर उपवास तोड़ा गया इस के अतिरिक्त इस दिन भैंस के दूध और घी एवं दही का भी सेवन किया गया।

सौ रुपए किलो में बिका पसहर चावल

साल में 1 दिन विशेष पर्व कमरछठ के दिन ही पसहर चावल का विशेष महत्व रहता है इस कारण हर साल पसह के कीमत बहुत महंगी रहती है इसी साल भी वही स्थिति रही इस साल भी पसहर चावल 100 रु तक की बिका इसी तरह भैंस के घी ,दूध, दही भी अन्य दिनों की अपेक्षा इस करीब 20 से 30 प्रतिशत अधिक कीमत में बिका।

रेडी टू इट से पर्यवेक्षकों को अलग करना संघ का है संकल्प : संघ

पायनियर संवाददाता ∢ भिलाई नगर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के दौरान शासन के कंधे-से-कंधा मिलाकर चलने वाले महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों में इन दिनों जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। पर्यवेक्षक संघ का कहना है कि पर्यवेक्षकों पर निलंबन की कार्यवाही कर देना, उन्हें कार्यालय संलग्न करना, पर्यवेक्षक को नोटिस जारी कर देना, विधि विरुद्ध उनका सेक्टर बदल देना विभागीय अधिकारियों के लिए अब सामान्य बात हो गई है। संघ का आरोप है कि पर्यवेक्षको की शिकायत पर उच्चाधिकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और रेडी टू इट समूह के विरुद्ध कार्यवाही करने से बचते हैं, जबकि कार्यकर्ताओं की शिकायत पर पर्यवेक्षकों पर निलंबन स्तर तक की कार्यवाही उनके द्वारा बहुत आसानी से कर दी जाती हैं। संघ का कहना है कि एक पर्यवेक्षक के पास 40 से 60 कार्यकर्ता व सहायिका होते हैं।

कभी-कभी रेडी टू इट कार्य को लेकर वैचारिक मतभेदों के चलते स्वार्थवश कार्यकर्ताओं द्वारा पर्यवेक्षकों की शिकायत उच्चाधिकारियों से की जाती है। उनकी शिकायत पर विभाग गंभीरता से काम करने लगता है, जबकि पर्यवेक्षकों की शिकायतों को दरकिनार किया जा रहा है। बयान के अनुसार रेडी टू इट कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षको के बीच मतभेद सामान्य हो चला है। इसलिए इस कार्यक्रम से पर्यवेक्षकों को पूरी तरह से अलग रखने की मांग को लेकर पर्यवेक्षक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल महिला एवं बाल विकास मंत्री और विभागीय अधिकारियों से भेंट करेगा। संघ के प्रांताध्यक्ष रंजना ठाकुर, सचिव याचना शुक्ला, प्रमुख सलाहकार व राज्य कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष शशिकांत गौतम, प्रवक्ता विद्याभूषण दुबे ने साफ तौर पर कहा है कि मबाविवि को रेडी टू इट काम से पर्यवेक्षकों को अलग कराना ही पर्यवेक्षक संघ का प्रमुख मुद्दा है। मांग पर विभागीय समर्थन नहीं मिलने पर संघ द्वारा न्यायालय में याचिका दायर किया जाएगा।

मालगाड़ी के आगे कूदा प्रेमी जोड़ा, प्रेमिका की मौत, प्रेमी गम्भीर

भिलाई। छत्तीसगढ़ के भिलाई चरोदा डी केबिन के करीब एक प्रेमी जोड़े ने मालगाड़ी के आगे कूदकर जान देने की कोशिश की। जिसमें नाबालिग प्रेमिका की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई। वहीं प्रेमी को गंभीर हालत में रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रविवार सुबह लगभग 6 बजे की है। भिलाई तीन जीआरपी पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की की लाश को पीएम के लिए भेज दिया गया है। चरोदा डी केबिन के पास मालगाड़ी के आगे कूदने वाले प्रेमी जोड़े के बारे में पुलिस ने बताया कि उरला निवासी नाबालिग लड़की शनिवार रात से ही घर से गायब थी। वहीं देवभोग में ड्राइवर का काम करने वाला 18 वर्षीय रितिक भी घर पर नहीं था। दोनों उरला के ही निवासी हैं। घटना की सूचना दोनों के परिजनों की दे दी गई है। जीआरपी सूत्रों ने बताया कि घटना आज सुबह की है। ट्रेक में लाश मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहां नाबालिग लड़की मृत मिली।

जीई रोड शराब दुकान खोलने का विरोध

पायनियर संवाददाता ∢ भिलाई
www.dailypioneer.com

चरोदा स्थित जीईरोड पर शराब दुकान के खोलने के विरोध में नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के दो पार्षदों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मामले को संज्ञान में लेने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि समाजेसवियों की तरफ से जीई रोड पर शराब दुकान के विरोध में 26 जून, 2020 और 17 जुलाई, 2020 को आवेदन दिया गया था। जिस पर शराब दुकान को लेकर संज्ञान में लिया गया। लेकिन आबकारी विभाग द्वारा ज्ञात हुआ है कि जीईरोड पर शराब दुकान का प्रस्ताव निरस्त किया गया। इसके बाद फिर से चरोदा जीईरोड पर विदेशी शराब दुकान खोलने की योजना बनाई जा रही है। वार्ड 19 पार्षद अर्पणा दास और वार्ड 20 पार्षद आशा यादव ने बताया कि जिस जगह पर शराब दुकान खोलने की योजना बनाई जा रही है, वहां पर रहवासियों का आना-जाना लगा रहता है। इसके अलावा यूको बैंक, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक और ग्रामीण बैंक भी हैं। साथ ही यहां स्कूल-कालेज भी हैं। शराब दुकान के खोले जाने से महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कत होगी। पार्षदों ने बताया कि सरकारी कर्मचारी, कामकाजी महिलाएं और टैक्सी सवारी यहीं से सवार करते हैं। उक्त जगह पर शराब दुकान का खोलना अनुचित है।

कैट शुरू करेगा चीन भारत छोड़ो अभियान कल से

भिलाई। कन्फेडरेशन ऑफ आल इंड़िया ट्रेडर्स (कैट) के पवन बड़जात्या,मोहम्मद अली हीरानी, प्रमोद अग्रवाल, संजय चौबे,ज्ञानचंद जैन,प्रहलाद रुंगटा अध्यक्ष दुर्ग व दिनेश सिंघल अध्यक्ष भिलाई ने संयुक्त रुप जानकारी दी है कि चीनी वस्तुओं के बहिष्कार करने राष्ट्रीय अभियान भारतीय सामान-हमारा अभिमान 9 अगस्त को देशभर के व्यापारी संगठन चीन के खिलाफ एक नए आंदोलन का बिगुल बजाते हुए चीन भारत छोड़ो का नारा देंगे कैट के अध्यक्षद्वय प्रहलाद रूंगटा, दिनेश सिंघल ने कहा कि चीन ने 20 वर्षों में भारत के रीटेल बाजार पर चीनी उत्पादों से कब्जा जमाया है। अब चीनी उत्पादों से देश के रीटेल बाजार को आजाद कर आत्मनिर्भर भारतीय बाजार बनाना बहुत जरूरी है।

देश के सर्वोत्तम शिक्षण संस्थानों में से एक होगा आईआईटी भिलाई : मूना

पायनियर संवाददाता ∢ भिलाई
www.dailypioneer.com

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई पांचवां स्थापना दिवस शुक्रवार को निदेशक प्रोफेसर रजत मूना के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। शुरूआत में स्वागत भाषण सहायक प्राध्यापक डॉ. ऋषि रंजन सिंह ने दिया। इसके उपरांत विशेष प्रशासनिक अधिकारी डॉ. बिजय कुमार पाणिग्रही ने नए परिसर में हो रहे निर्माण कार्य के बारे में बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने परिसर के लिए दुर्ग जिले के कुटेलाभाठा, जेवरा और सिरसा खुर्द में 181.93 हेक्टेयर भूमि आबंटित की है और निर्माण कार्य के लिए एलएंडटी लिमिटेड को नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्होंने वास्तु डिजाइन की प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तावित निर्माणाधीन परिसर के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस परिसर के पहले चरण का निर्माण कार्य दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के परियोजना प्रबन्धक अनुराग कुमार ने आईआईटी भिलाई के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए उठाए गए कदमों और योजनाबद्ध कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि परिसर की परिकल्पना और वास्तुकला का उद्देश्य, निर्माण में प्रयुक्त चिरस्थाई निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के अनुकरणीय प्रयोग हेतु गृह 5 स्टार रेटिंग हासिल करना है। स्थायी परिसर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा, जिसमें 18 व्याख्यान कक्ष, विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभागों के लिए चार इमारतें और वेधशाला मीनार के साथ-साथ पुस्तकालय और एक विशिष्ट इमारत शामिल हैं।

निदेशक प्रो. रजत मूना ने (आईआईटी भिलाईम इन प्रेस 2019-20) पुस्तिका का विमोचन किया। इसमें विगत एक वर्ष में समाचार पत्रों में प्रकाशित आईआईटी भिलाई की उपलब्धियों का एक संकलन है। प्रो. रजत मूना ने कहा कि आईआईटी भिलाई भारत के नवीनतम और तीव्र गति से विकासशील संस्थानों में से एक है और अन्य प्रतिष्ठित आईआईटी के समकक्ष स्वयं को स्थापित कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में आईआईटी भिलाई अभियांत्रिकी, अनुसंधान और शिक्षा के सर्वोत्तम संस्थानों में से एक होगा।

उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के लिए पात्र अभ्याथियों के साक्षात्कार 17 से

दुर्ग। दुर्ग जिला के अंतर्गत कुल 06 उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालन समितियों के द्वारा शिक्षक (संविदा) में अस्थायी नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। जिसमें आवेदकों के आवेदन के स्क्रूटनी उपरांत पात्र एवं अपात्र अभ्यार्थियों की सूची प्रकाशित की गई है। पात्र आवेदकों का विषयवार साक्षात्कार दिनांक 17 अगस्त से प्रारंभ किया जा रहा है। व्याख्याता के पात्र आवेदकों के लिए साक्षात्कार शा.प्रा.शा. कसारीडीह एवं शिक्षक तथा सहायक शिक्षक के साक्षात्कार शा.बहु.उ.मा. विद्यालय दुर्ग में रखा गया है। साक्षात्कार का समय सारिणी एवं पात्र अपात्रों की सूची जिले के वेबसाईट durg.gov.in में अपलोड किया गया है तथा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। पात्र आवेदक निर्धारित तिथि एवं समय में अपनी उपस्थिति निर्धारित स्थल में देवे।

अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग

भिलाई। संजय नगर सुपेला के निवासियों ने रमन मोहल्ला के सुनील, रविन्दर सिंह, रवि सिंह एवं उर्मिला पर अवैध रुप से शराब, गांजा, सट्टा, जुआ आदि का व्यवसाय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सुपेला थाना प्रभारी से इसकी जांच कर यथोचित कार्यवाही करने की मांग की है, जिससे कि आगामी पीढ़ी पर इसका बुरा असर न पड़े। मांग करने वालों में पुरुषोत्तम देवांगन, श्यामकिशोर सिंह, महेश, अजय सिंह, अमित सिंह, दिनश सिंह, दिनेश देवांगन, अशोक, कोमल, दुर्गेश एवं मनीष देवांगन शामिल है।

खुला पावर हाउस का नवनिर्मित अंडरब्रिज

भिलाई। नवनिर्मित पावर हाउस अंडरब्रिज को नागरिकों के लिए शुरू कर दिया है। लेकिन नेशनल हाईवे 53 पर पावर हाउस चौक में निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर के कारण सड़क की चौड़ाई कम हो गई है। इस वजह से वाहन का दबाव अधिक होने से दुर्घटना का खतरा बना रहा है। इसलिए दुर्घटना के बचाव तथा डायवर्सन मार्ग पर जाम की स्थिति से बचने के लिए यातायात पुलिस द्वारा सेक्टर एरिया से हाईवे की ओर आने वाले अण्डर ब्रिज मार्ग को प्रतिबंधित रखा गया है। वर्तमान में अण्डर ब्रिज को हाईवे से सेक्टर की ओर जाने वाले मार्ग पर दो पहिया एवं चार पहिया वाहन चालकों के लिए खोला जाएगा। इसी प्रकार सेक्टर से आने वाले वाहन चालक पुराने ओव्हर ब्रिज का उपयोग कर सीएसपी कार्यालय के सामने से यू टर्न लेकर आगे जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से विश्व आदिवासी दिवस की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

- ग्राम बेलोदा के हितग्राहियों को मिला सामुदायिक वन अधिकार पत्र
- कक्षा दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले
- कन्या छात्रावास की विद्यार्थी सम्मानित

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत की और प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और शुभकामनाएॅ दी। यहॉ संयुक्त जिला कार्यालय में स्वान के वीडियो कॉफ्रेंसिंग कक्ष में कलेक्टर जनमेजय महोबे ने डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम बेलोदा के हितग्राहियों को सामुदायिक वन अधिकार पत्र प्रदान किया। उन्होंने कक्षा दसवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रयास आवासीय विद्यालय के पॉच विद्यार्थी और प्री.मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास बालोद की एक विद्यार्थी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएॅ दी। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में धारिणी गौर, संदीप कुमार, भूमिका, साहिल कुमार, योनिधी और दुर्गेश्वरी मंडावी शामिल है। इस अवसर पर वनमण्डल अधिकारी सतोविशा समाजदार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश कुमार चन्द्राकर, डिप्टी कलेक्टर आर.एस. ठाकुर, आदिवासी विकास विभाग की उपायुक्त माया वारियर आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों से स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और जीविकोपार्जन के संबंध में की चर्चा

कलेक्टर पहुंचे ग्राम आमापानी

पायनियर संवाददाता ∢ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे गुरूर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोरिदकला के आश्रित ग्राम आमापानी पहुंचे। वहॉ उन्होंने ग्रामीणों से स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और जीविकोपार्जन के संबंध में चर्चा की।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश कुमार चन्द्राकर इस अवसर पर मौजूद थे। ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि ग्राम आमापानी वनों से घिरा हुआ है। वे साग-सब्जी और वनौषधि उत्पादन कर जीविकोपार्जन कर रहे हैं। कलेक्टर ने वहॉ वनौषधि पौधों आदि का अवलोकन भी किया। ग्रामीणों ने पेयजल हेतु बोर खनन, पेंशन राशि का भुगतान बैंक सखी के माध्यम से कराने आदि की मॉग की। जनपद पंचायत गुरूर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेन्द्र पडौति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

तुलेश्वर कुमार सिन्हा ने कहा कि ये सौभाग्य है किसी के काम आया

धनोरा निवासी तुलेश्वर ने 4 वर्षीय बच्चे को ब्लड डोनेट कर की मदद

पायनियर संवाददाता ∢ बालोदा
www.dailypioneer.com

शनिवार को छग दडसेना कलार समाज युवा मंच के मंत्री ग्राम बोड़रा निवासी देवनारायण सिन्हा के माध्यम से शाम को 5 बजे जानकारी मिली कि ग्राम बोरतरा निवासी गोपाल कृष्ण सिन्हा जो कि धान संग्रहण केन्द्र धनोरा में कार्यरत हैं। जिनके 4 वर्षीय सुपुत्र जतिन सिन्हा जो कि बठेना अस्पताल धमतरी में भर्ती है और जिसे खून की तत्काल आवश्यकता है। जिसे पूरी गंभीरता से लेते हुए छग कलार समाज मंडल गुरुर के सह सचिव ग्राम धनोरा निवासी तुलेश्वर कुमार सिन्हा ने बिना समय नष्ट किए तत्काल बठेना अस्पताल के लिए प्रस्थान किया। फिर वहां से ब्लड का सैंपल देने धमतरी ब्लड बैंक पहुंचे। उसके बाद उन्होंने रक्तदान किया। फिर रक्तदान करने के पश्चात जतिन सिन्हा, उनके पिताजी रामकृष्ण सिन्हा माताजी पुनीता सिन्हा से मुलाकात करने व स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे। जहां उनके द्वारा पता चला कि बच्चे के पैर में कुछ दाग जैसा दिखाई पड़ रहा था। जिसे डॉक्टर को दिखाने पर और सारी टेस्ट कराने पर पता चला कि बच्चे के शरीर में 11.5 ग्राम खून है। याने कि बच्चे को खून की कमी नहीं है। बल्कि उसके खून में प्लेटलेट्स की कमी है और उस बच्चे को प्लेटलेट्स की तत्काल आवश्यकता है।

तुलेश्वर कुमार सिन्हा ने कहा कि ये उनका सौभाग्य रहा कि वो किसी के काम आ सके और उनके इस रक्तदान से किसी परिवार की खुशी लौट रही है और किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लौट रही है और इसी बहाने उन्हें पुण्य लाभ कमाने का अवसर मिला।

छत्तीसगढ़ की रियासत और सियासत की कहानी आदिवासियों के बिना अधूरी : निर्वाणी

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बैजी में जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी ने आदिवासी परिवार की महिलाओं को साड़ी देकर सम्मान किया।

जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी प्रति माह मिलने वाले मानदेय राशि को महिलाओ और छात्राओं के मदद के लिए खर्च करती है। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि कालांतर में छत्तीसगढ़ मूल रूप से आदिवासी गोड़ राजाओं का वर्चस्व और गढ़ रहा है,विश्व मे मानव व्यवहारों के अध्ययन और रिसर्च में भी बताया गया है कि आदिवासी तबके के लोग जो अब शहरी और ग्रामीण बसाहटों में रहते है, सबसे ईमानदार,सीधे और सरल व्यवहार के लोग होते हैं,गोंडवाना राज के नाम से छत्तीसगढ़ की पहचान रही है, क्रार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत की एक मात्र आदिवासी सदस्य बाल कुमारी ध्रुव उपस्थित थी, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष सुरीत कुमार ध्रुव ने भी उपस्थित आदिवासी समाज के महिलाओ और पुरुषों को संबोधित किया।कार्यक्रम में उपस्थित इंटुक के पूर्व राष्ट्रीय सचिव डॉ सौरभ निर्वाणी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रियासत और सियासत की कहानी आदिवासी समाज के बिना नहीं लिखी जा सकती।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित किया है आदिवासी हितों के लिए लघु वनोपज संग्रहण खरीद की संख्या 7 से बढ़ाकर 31 कर दी है सबसे महत्वपूर्ण रूप से पुरवर्ती सरकारों द्वारा लोहांडीगुड़ा के 1707 आदिवासी किसानों के अधिग्रहित 4200 एकड़ जमीन वापस की है जो भारतीय इतिहास की पहली घटना है,मुख्यमंत्री की आदिवासियों के प्रति संवेदनशीलता के चलते उन्होंने तेंदूपत्ता संग्रहण की राशि प्रति मानक बोरा को 2400 से बढ़ाकर 4000 रुपये कर दिया है, राज्य सरकार और उसके मुखिया भूपेश बघेल आदिवासी समाज के उत्तरोत्तर कल्याण के लिए प्रतिबध्द है, कार्यक्रम में मुख्य रूप से बैजी के सरपंच सजेंद्र वर्मा,उत्तम वर्मा उपसरपंच,सतरूपा ध्रुव,लीला ध्रुव, सरस्वती ध्रुव, कुलेश्वरी ध्रुव, रूपा ध्रुव,नर्बदा ध्रुव, चंद्रवती ध्रुव,विमला ध्रुव, पुन्नी बाई, धनेश्वरी, योगेश्वरी, हेमिन ध्रुव, रानी ध्रुव, डोमेश्वरी, लीला, हिरौंदी,गोदावरी ध्रुव,प्रभा ध्रुव, प्रेमप्यारी, फगनी ध्रुव, उषा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी, जिला पंचायत की सदस्य बालकुमारी ध्रुव ने कहा कि वैसे तो दीदी प्रज्ञा निर्वाणी की सक्रियता को देख कर हम लोग सीखते हैं वो राजनीति और समाज सेवा की चलती फिरती पाठशाला है।

क्विक न्यूज

अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन पर्यावरण सुरक्षा इकाई ने किया वृक्षारोपण

सक्ती। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन पर्यावरण सुरक्षा इकाई छत्तीसगढ़ प्रदेश द्वारा 8 अगस्त को छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले गौरेला पेंड्रा मरवाही के पेंड्रा शहर में वर्तमान में बारिश समय को लेकर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण सॉव, अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की पर्यावरण संरक्षिका छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल एवम पेंड्रा नगर के कई सम्मानीय जन एवं लायनेस बहने मौजूद थी,इस दौरान कई वृक्ष लगाए गए और सभी ने हरित भारत बनाने का संकल्प भी लिया।

पथरिया ब्लाक में रोजगार सहायकों, सचिवों की मनमानियों से ग्रामीण त्रस्त

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

पंचायतों में लगातार फर्जीवाडे का दौर अनवरत जारी है, जिले में आने वाले मुंगेली, लोरमी एंव पथरिया ब्लाक में रोजगार सहायकों, सचिवों की मनमानियों से त्रस्त ग्रामीणों द्वारा जनपद में शिकायत के बावजूद भी अधिकारियों के वरदहस्त प्राप्त ये सचिव व रोजगार सहायक निर्भिक होकर अपने कार्य में लगे रहते है, लोरमी ब्लाक के लीलापुर, सावतपुर, चिल्फी जैसे कई पंचायत है, जहां के ग्रामीणों द्वारा बार-बार जनपद सीईओ को अवगत कराने के बाद भी कोई संज्ञान नही लिये जाने से नाराज ग्रामीणों ने अब जिला मुख्यालय की तरफरूख करना प्रारंभ कर दिया है ।

जिले में आने वाले ब्लाक मुख्यालयों के पंचायतों में फर्जीवाड़े की शिकायतों के नजर अंदाज होने से हताश ग्रामिण जहां जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने जिला मुख्यालय का रूख करने लगे है, ज्यादातर मामला लोरमी ब्लाक के पंचायतो में है जहां भर्राशाही रुकने का नाम नहीं ले रही है, गौठान, प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा सहित कोरोना काल में पंचायत स्तरों में रूके प्रवासी मजदूरो का मामला लगातार ग्रामीणो के लिए परेशानियों का सबब बनता जा रहा है, ग्राम पंचातय लीलापुर के ग्रामीणो द्वारा रोजगार सहायक की कारगुजारियों से त्रस्त ग्रामीणो ने जनपद सीईओ के पास अपनी गुहार लगाई थी जिसमे अब तक कोई सुनवाई नही हुई , वही सांवतपुर पंचायत में गौठान को लेकर ग्रामीणो द्वारा आपत्ती दर्ज कराते हुए जनपद सीईओ सहित तात्कालिन अनुविभागिय अधिकारी को भी अवगत कराया गया था जिस पर अनुविभागिय अधिकारी द्वारा भी कोई सुनवाई नहीं हो पाई थी, कुछ इसी प्रकार का मामला चिल्फी पंचायत में देखने को मिल रहा है जहां रोजगार सहायक एवं सचिव के द्वारा फर्जीमस्टर रोल के सहारे हेराफेरी, आवास में कार्यरत मजदूरो के मजदूरी का भगतान, सहित अपने निकटस्थ लोगो को पंचायत स्तर की सुविधाये मुहैया कराने की बात कहते हुए विगत 1 माह पूर्व जनपद सीईयो को अवगत कराया गया था जिसमें अब तक कोई कार्यवाही नही की गई, जिससे हताश ग्रामीणो ने जिला मुख्यालय का रूख एख्तियार किया,

ताकि रोजगार सहायक एवं सचिव की कारगुजारियों को सामने लाया जा सके । कलेक्ट्रेट परिसर आये चिल्फी के ग्रामीणों ने बताया कि फर्जीमस्टर रोल, आवास के मामले में हम जिला कलेक्ट्रेट आये है।

नशे में धुत पटवारी ने तहसीलदार से किया अभद्र व्यवहार

■ **एसडीएम ने किया निलंबित**

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले के पथरिया ब्लाक के अंतर्गत हल्का नंबर 22 धरदेई के पटवारी बंशीलाल पंचोली नशे की हालत में पथरिया तहसील कार्यालय पहुँचे और तहसीलदार के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे । इस बात की जानकारी पथरिया एसडीएम अनुराधा अग्रवाल को मिलते ही उन्होंने संबंधित पटवारी के खिलाफ अविलंब कार्यवाही करते हुए उसे निलंबित कर दिया है। गुरुवार के दिन पथरिया अनुविभाग के नवीन एसडीएम अनुराधा अग्रवाल ने पथरिया तहसील के अंतर्गत सभी हल्का पटवारिओ की समीक्षा बैठक आहूत की । जिसमें हल्का नंबर 22 धरदेई के पटवारी बंशीलाल पंचोली अनुपस्थित रहे । बैठक पूर्ण होने के पश्चात उक्त पटवारी नशे की हालत में पथरिया तहसील कार्यालय पहुँचे और तहसीलदार हरिओम द्विवेदी के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। इस बात की जानकारी तहसीलदार द्विवेदी ने एसडीएम अनुराधा अग्रवाल को दी । जिस पर पथरिया एसडीएम ने संबंधित पटवारी को तात्कालीन स्वास्थ्य परीक्षण के किये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया भेजा। परीक्षण उपरांत पंचोली पटवारी को नशे का सेवन किया जाना पाया गया । पटवारी की इस अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम अग्रवाल ने निलंबन का आदेश जारी कर कहा कि सरकारी कार्यालयों में अनुशासन बना रहना आवश्यक है इसलिए जो भी कर्मचारी अनुशासनहीनता का कार्य करेगा उस पर विधि अनुरूप कार्यवाही अवश्य होगी । निलंबन के दौरान संबंधित पटवारी को जीवन निर्वाह भत्ता मिलता रहेगा।

सन राइस क्रिकेट सोसायटी मुंगेली के खिलाड़ियों ने कलेक्टर से की मुलाकात

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

जलेश यादव द्वारा व सभी लोगों की सहयोग से चल रहा मुंगेली की क्रिकेट अकादमी सन राइस क्रिकेट सोसाइटी मुंगेली के खिलाड़ियों ने मूँगेली जिले के नए कलेक्टर श्री पी एस एल्मा से सौजन्य मुलाकात की अकादमी के संचालक जलेश यादव ने अकादमी की व खिलाड़ियों की 8 वर्षो की उपलब्धि बताई । कलेक्टर ने खिलाड़ियों की उपब्धियों व कोच जलेश यादव द्वारा बेटी पढ़ाओ व बेटी पढ़ाओ की तरह बेटी खिलाओ को आगे बढ़ाते हुए, उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण देकर आज मुंगेली जिले का क्रिकेट में जो नाम कर रहा है । खिलाड़ियों की मेहनत को देखते हुए, उन्हें आशीर्वाद व हर सम्भव क्रिकेट अकादमी को मदद करने की बात कही । कलेक्टर स्वयं एक खिलाड़ी है, आज भी वे जबरदस्त बैडमिंटन खेलते हैं, यह ऐसा क्रिकेट संस्था है जो सभी लोगों की आर्थिक सहयोग मदद से चलता है, इस अवसर पर सन राइस क्रिकेट सोसाइटी मुंगेली के कोच व संचालक जलेश यादव व खिलाड़िया अयन उपाध्याय, राहुल पटेल, श्रीसंत खरे, राजा यादव, अजित, पीयूष नंदन, आदित्य सिंह परिहार, वीरेंद्र पटेल, राजीव यादव , भूपेंद्र, बालिकाओं में छत्तीसगढ़ महिला क्रिकेट टीम में शामिल जागेश्वरी पटेल व ज्योति यादव, ममता यादव, नन्दनी पाठक, आरती यादव सत्यवती पटेल उपस्थित थे ।

अंतिम संस्कार के बाद मृतक की आई कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

शहर से कोरोना को लेकर एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। जिसमें गत गुरुवार को शहर के भीतर रामभांठा मोहगे में एक 50 वर्ष के व्यक्ति की मौत हो गई थी। मौत हो जाने के बाद उसके अंतिम संस्कार के लिए परिवार जन तथा मोहगे वासियों सहित लगभग 40 से 50 लोग शामिल हुए थे। मृतक पहले से बीमार था। उसकी मौत के बाद उसका कोरोना टेस्ट किया गया। अंतिम संस्कार के बाद आई रिपोर्ट पॉजिटिव निकली। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद से अंतिम संस्कार में गए लोगों के साथ साथ पूरे रामभांठा में सनसनी फैल गई। इतिहास की दृष्टि से अंतिम संस्कार में शामिल हुए लोगों और परिजनों को स्वास्थ्य विभाग ने क्वारंटाइन कर दिया है। बताया जा रहा है कि अंतिम संस्कार में शामिल हुए लोगों में रायगढ़ के पूर्व मेयर जेठूराम मनहर भी हैं। अंतिम संस्कार के बाद मृत व्यक्ति की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। जिसकी जानकारी अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को व परिवारजनों तथा सभी लोगों में दहशत व्याप्त हो चुका है। अनजाने में कई लोगों ने मृतक को हाथ लगाया है।

इस बात से स्वास्थ्य विभाग भी सकते में आ गई है। स्वास्थ्य विभाग कि टीम भी रामभांठा पहुंचकर मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल तथा उसके संपर्क में आए सभी लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग करते हुए लगभग 40 से अधिक लोगों को क्वारंटाइन में रखा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन सभी लोगों का कोरोना टेस्ट भी किया जाएगा। मृतक को निमोनिया का ईलाज कराने अस्पताल में भर्ती था, लेकिन उसकी हालत गम्भीर होने के कारणों से राजधानी रायपुर रिफर कर दिया गया था। रायपुर जाते वक्त सारंगढ़ के आसपास मरीज की रास्ते में ही मृत्यु हो गई। जिसके बाद उसे वापस उसके निवास स्थान रायगढ़ ले आया गया।

बताया जा रहा है कि मृतक का घर काशीराम चौक जूटमिल में है, लेकिन उसकी पुश्तैनी मकान रामभाठा मोहगे में है इसलिए उसके शव को रामभांठा लाया गया। जहां मृतक के पार्थिव शरीर को कई लोगों ने छुआ है। मुक्तिधाम में भी अंतिम संस्कार करते वक्त कई लोगों ने मृतक के शव को हाथ लगाया है और अंतिम संस्कार के बाद सभी लोग वापस अपने-अपने घरों में आ गए थे। कांग्रेस नेता एवं पूर्व वार्ड पार्षद अमृत काटजू ने बताया कि मृतक के अंतिम संस्कार में स्थानीय लोगों के अलावा बाहर से 20 लोग शामिल हुए थे। इन सभी को क्वॉरेंटाइन करने के लिए जिला पंचायत ले जाया गया है।

निगम व नजूल विभाग ने अतिक्रमण पर की कार्रवाई

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

नगर निगम आयुक्त एवम टीम समेत नजूल विभाग द्वारा ढिमरापुर एवम गोरखा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई कर शासकीय भूमियों को कब्जमुक्त कराया गया। ज्ञात हो कि जिला कलेक्टर भीम सिंह के आदेशानुसार नगरीय निकाय के क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को मुक्त कराने ताबड़तोड़ कार्यवाही की गई। नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय एक्शन मोड में आकर निगम क्षेत्रान्तर्गत शनिवार को आशीष देवांगन डिप्टी कलेक्टर नजूल विभाग आरआई की टीम, नगर निगम भवन अतिक्रमण शाखा से सहायक नोडल अधिकारी विजेंद्र गुप्ता एवं सहायक सोनू चौधरी द्वारा वार्ड क्रमांक 6 उर्दना ढिमरापुर एरिया पर बनाए गए अवैध मकान के अतिरिक्त गार्डन एवं बाड़ी तथा गोरखा इंडियन पेट्रोल पंप के सामने किए गए अतिरिक्त अवैध बाउंड्री वॉल को तोड़ूदस्ता दल द्वारा तोड़ा गया। बताया जाता है कि ढिमरापुर क्षेत्र में पहले भी कार्यवाही की जा चुकी है और दोबारा कार्यवाही से पूरा क्षेत्र सकते में आ गया है। साथ ही उन्हें काबीज मकान के संबंध पट्टा बनवाने के लिए सूचित किया गया।

डेंगू से बचाव के तहत बेलादुला में कबाड़ व कूलर सफाई दी गई समझाइश

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार नगर निगम रायगढ़ के आयुक्त ने शहर के डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में शनिवार को पूरी टीम के साथ सघन निरिक्षण किया। साथ ही डोर टू डोर दस्तक देकर क्षेत्रवासियों से रूबरू होकर डेंगू के कारण एवम बचाव की जानकारियां दी।

ज्ञात हो कि बीते दिनों डेंगू के बचाव एवम जनजागरूकता के लिए कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशन पर नगर निगम एवम स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक आहूत की गई थी। जिसमे टीम बनाकर पूरे शहर में डेंगू संबंधित समस्याओं के बचाव के लिए कार्य किया जाना तय हुआ। जैसा कि 2017 में 55 केश 18 में 129 ओर 19 में 269 केश मीले थे इस आंकड़े के अनुमान से इस वर्ष 2020 में विशेषज्ञों के मत से यह और अधिक बढ़ सकता है। इसलिए नगर निगम अभी से सक्रिय होकर डेंगू प्रभावित क्षेत्रों का निरिक्षण द्रुत गति से कर रही है। बताया जाता है कि शनिवार को निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय अपनी टीम के साथ वार्ड क्रमांक 21 बेलादुला क्षेत्र में डोर टू डोर दस्तक देकर क्षेत्रवासियों से अपील किए कि घर मे रखे कूलर के पानी की नियमित साफ सफाई, पुराने टायर, गमले, डिब्बे, ड्रम आदि की सफाई, फ्रिज के पीछे जमे पानी को भी खाली करते रहना, बड़े गड्ढे में जमे पानी पर जला मोबिल, टेमीफास्ट, वीटोकीट डालना आदि जानकारियां साझा की। साथ ही मरीन ड्राइव क्षेत्र के नदियों में जमे हुए कचरों को निकाल कर सफाई कराया गया। निरीक्षण दौरान वार्ड के सुपरवाइजर एवम सफाई दरोगा को डेंगू की समस्त जानकारी देने तथा दवा वितरण करने में लापरवाही न बरतने की समझाइश दी गई।

कबाड़ हटाने समझाइस दी गई

नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने बताया कि जिला कलेक्टर भीम सिंह के आदेशानुसार डेंगू की रोकथाम के लिए डेंगू प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही डेंगू के कारण एवम बचाव संबंधित जानकारियों के लिए अपील की जा रही है। एक व्यक्ति के घर में ट्रेक्टर के पुराने ट्राली और टायर रखे हुए थे। जिसमें पानी भी जमा था डेंगू के लार्वा पनपने की पूरी संभावना थी को सफाई करने एवम कबाड़ को हटाने समझाइस दी गई। कई घरों में कोटना एवम कूलर के पानी साफ करने निर्देश दिया गया। निरिक्षण दौरान ई ई अजित तिग्गा, असिस्टेंट इंजीनियर आर के दास, सहा. स्वास्थ्य अधिकारी भूपेश सिंह, स्वास्थ्य निरीक्षक राजू पांडेय, उपस्थित रहे।

महंत का खरोरा से शिवरीनारायण तक जगह-जगह हुआ स्वागत

शिवरीनारायण। गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ महंत रामसुन्दर दास का खरोरा से शिवरीनारायण तक जगह-जगह पर हुआ स्वागत । डॉ महंत रामसुन्दर दास गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष बनने के बाद 8 अगस्त को शिवरीनारायण में प्रथम आगमन हुआ । महंत रायपुर से शिवरीनारायण बलौदा बाजार होते हुए शाम को लगभग 5.30 बजे पहुंचा इस दौरान उनका खरोरा, पलारी,लाहोद कसडोल, सेल,कटगी और ग्रम गिधौरी में कांग्रेस कार्यकत्ताओं व्दारा भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया । महंत रामसुन्दर दास शाम 5.30 बजे जैसे ही शिवरीनारायण पहुंचे नगर के कांग्रेस कार्यकत्ता खुशी से झूम उठे और शबरी सेतु पर ही बाजे गाजे, आतिशबाजी और फूलमालों से उनका गर्मजोशी एवं आत्मीयता से भव्य स्वागत किया तत्पश्चात कांग्रेस कार्यकत्ताओं ने महंत को खुले जीप में लेकर बाजे गाजे, करमा नृत्य और आतिशबाजी के साथ नगर का भ्रमण करते हुए भगवान शिवरीनारायण मंदिर पहुंचा जहां पर महंत रामसुन्दर दास जी ने जन कल्याण की कामना करते हुए भगवान श्री शिवरीनारायण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया । महंत जी के नगर भ्रमण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी उन्हें श्रीफल एवं शाल से सम्मानित करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पंडित घनश्याम के निवास पर हुई कमरछठ की पूजा

■ **महिलाओं को कोरोना काल को देखते हुए सुरक्षा मास्क एवं सैनिटाइजर भी वितरण किया गया**

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

9 अगस्त को खमरछठ के पर्व पर शहर के प्रसिद्ध पंडित घनश्याम प्रसाद पांडेय के निवास पर महिलाओं ने पहुंचकर खमरछठ की पूजा की तथा इस दौरान महिलाओं में इस पूजा को लेकर उत्साह देखा गया तो वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पंडित घनश्याम प्रसाद पांडेय तथा पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अधिवक्ता मनोज जायसवाल द्वारा खमर छठ पूजा करने हेतु पहुंची सभी महिलाओं को वर्तमान कोरोना संक्रमण को देखते हुए सुरक्षा मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण किया गया, इस दौरान संगीता घनश्याम पांडेय भी प्रमुख रूप से उपस्थित रही, तथा महिलाओं को कोरोना संक्रमण की जानकारी देते हुए पंडित घनश्याम प्रसाद पांडेय ने बताया कि इस समय हम सभी को सतर्कता और सावधानी की आवश्यकता है तथा हम सभी जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकले एवं मास्क तथा सेनीटाइजर का अधिक से अधिक उपयोग करें, वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज जायसवाल ने भी समस्त महिलाओं को खमर छठ पूजा की बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी।

तथा कोरोना संक्रमण की सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सभी को सावधानी रखने का भी आग्रह किया उल्लेखित हो की शक्ति शहर सहित अंचल में 9 अगस्त को खमर छठ पूजा का पर्व काफी उत्साह पूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस दौरान महिलाओं ने जहां पूजा अर्चना की तो वही काफी उत्साह महिलाओं में देखा गया।

पेज 1 के शेष...

हमारा संविधान हर समुदाय को ...

2500 करोड़ रू की राशि आदिवासियों तथा अन्य वन आश्रित परिवारों को साल भर में मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी -वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम-2006 एक मील का पत्थर था। लेकिन छत्तीसगढ़ में 12 वर्षों में इसकी जो उपेक्षा की गई वह किसी से छिपी नहीं है। निरस्त दावों का पहाड़ लगा दिया गया था। हमने न्याय को बहुत व्यापक रूप से समझा और पूर्व सरकार द्वारा निरस्त वन अधिकार पट्टों की समीक्षा का फैसला लिया। इस प्रकार अब बड़ी संख्या में व्यक्तिगत तथा सामुदायिक वन अधिकार पट्टे दिये जा रहे हैं।

सामाजिक न्याय देने जेल में बंद निर्दोष आदिवासियों की मुक्ति का निर्णय- श्री बघेल ने कहा कि सामाजिक न्याय देने के लिए हमने जेल में बंद निर्दोष आदिवासियों की मुक्ति का निर्णय लिया। झीरम घाटी में हुए हत्याकांड में शहीद परिवारों को न्याय दिलाने का फैसला लिया और इस फैसले को अंजाम तक पहुंचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस तरह हमने समाज के हर वर्ग को शोषण और अन्याय से मुक्त कराने की दिशा में कार्य किया है।

10 मरीजों की...

ने स्वर्ण पैलेस होटल को कोरोना रोगियों के इलाज के लिए किराये पर लिया था और यहां कोविड केयर सेंटर स्थापित किया था। सेंटर में लगभग 30 कोरोना संक्रमित रोगियों का इलाज चल रहा था और हादसे के समय अस्पताल के 10 कर्मचारी भी वहां मौजूद थे।

मुख्यमंत्री जगन मोहन ने दिए जांच के आदेश- विजयवाड़ा में आग लगने की घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने दुख और शोक व्यक्त किया है और दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बचाव के उपाय करने और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी जानकारी दी गई है। सीएम कार्यालय ने बताया है कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटना की जांच करने के भी निर्देश दिए हैं।

कोरोना वायरस वैक्सीन को लेकर ...

हर प्रयास एक अंध परीक्षण की तरह होता है। जो शुरुआत में तो अच्छे परिणामों के साथ आता है लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं होती कि अंतिम चरण में भी वह वैक्सीन अपने ट्रायल के दौरान सफल साबित हो। हम आशा करते हैं कि हम पहली बार में ही इसे सही से कर पाएंगे और 6 से 12 महीनों के भीतर हमारे पास एक अच्छी वैक्सीन होगी।

वैक्सीन की सफलता पर कई वैज्ञानिकों को संदेह- अमेरिका में जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के मिलकेन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ में वैश्विक स्वास्थ्य के सहायक प्रोफेसर वैक्सीनोलॉजिस्ट जॉन एंड्रस ने भी कहा कि कोरोना वायरस के एक प्रभावी टीका का विकास इतना निश्चित नहीं है जितना हम सोच रहे हैं। यह खतरनाक है कि वैक्सीन बनाने की रेस में हम यह भूल जाएं कि हमें इस समय क्या करना चाहिए।

12 अगस्त को रूस में वैक्सीन का होगा पंजीकरण- दुनियाभर में रूसी कोरोना वैक्सीन पर उठते सवालों के बीच रूस के स्वास्थ्य मंत्री मखिाइल मुराश्को ने कहा है कि रूस की वैक्सीन ट्रायल में सफल रही है और अब अक्टूबर महीने से देश में व्यापक पैमाने पर लोगों के टीकाकरण काम काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इस वैक्सीन को लगाने में आने वाला पूरा खर्च सरकार उठाएगी। वहीं उप स्वास्थ्य मंत्री ओलेग ग्रिदनेव ने कहा कि रूस 12 अगस्त को दुनिया की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन को रजिस्टर कराएगा।

छग में आईएएस अफसर कोरोना ...

कलेक्टर किरण कौशल ने इसकी पुष्टि की है। किरण कौशल ने कहा है कि अफसर का कोरोना टेस्ट कराया गया था, उनकी रिपोर्ट पॉजेटिव आयी है, अब उन्हें कोरबा के कोविड हास्पीटल में भर्ती कराया जा रहा है।

आईपीएस अफसर हो चुके हैं संक्रमित – छत्तीसगढ़ में 2 सीनियर आईपीएस अफसर को कोरोना पॉजेटिव पहले आ चुके हैं, लेकिन किसी आईएएस के संक्रमित होने की ये पहली खबर है। आईएएस कुंदन कुमार से पहले आईपीएस ओपी पॉल और एडीजी आरके विज कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हालांकि दोनों ने कोरोना को मात दे दिया है और अपने घरों में स्वस्थ्य होकर लौट चुके हैं।

फंदे में लटकी मिली डॉक्टर ...

रात करीब 2 बजे जब बेटे की नींद खुली तो उसने मां को फांसी के फंदे में लटकते हुए पाया। मां को इस हालत में देख बच्चा अपनी नानी को जगाने पहुंचा और पूरी घटना बतायी। परिजनों ने जब डाक्टर खुशबू के बेडरूम में झांका तो वो अपने दुपट्टे से झूलती हुई मिली। परिजन तत्काल खुशबू को फंदे से उतारकर मेडिकल कालेज पहुंचे, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल महिला डॉक्टर ने आत्महत्या क्यों किया इसका कारण अज्ञात हैं। साथ ही पुलिस को डॉक्टर के कमरे से सुसाइड नॉट जैसा कुछ बरामद नही हुआ हैं। वही पुलिस मामले की विवेचना कर जांच में जुट गई हैं।

एक दिन में रिकॉर्ड 64 हजार से ...

आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 832 बढ़ने से सक्रिय मामले 85486 हो गये हैं। राज्य में अब तक 1939 लोगों की मौत हुई है, वहीं 9151 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,29,615 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार विकसित ...

विभिन्न देशों के आदिवासी समाज के गठबंधन पर ज़ोर दिया है। वैकल्पिक विकास मॉडल का उद्देश्य है कि अर्थव्यवस्था के पारंपरिक जीडीपी आधारित मॉडल की जगह एक ऐसा मॉडल विकसित किया जाए, जिसमें विकास का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर न हो। इस मॉडल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर स्थापित करने के लिये विश्व के अन्य देशों के साथ आगे बढ़ने की योजना बनाई जा रही है।

देश का पहला 'इंटरनेशनल वर्चुअल ट्राइबल फेस्टिवल' यह देश का अपनी तरह का पहला आयोजन है, जहाँ आगंतुक प्रत्यक्ष उपस्थित न रहकर इंटरनेट की आभासी दुनिया के ज़रिये अपनी बात रखेंगे। कोरोना संकटकाल में लगातार अर्थव्यवस्था से उबरने के लिये श्रमिक-आदिवासी व गरीब वर्गों को मज़बूती देने की बात कही जा रही है। ऐसी परिस्थिति में इस तरह का कार्यक्रम आदिवासियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान हेतु बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

क्विक न्यूज

मोहकम का कोटवार निलंबित

महासमुंद। महासमुंद जिले की उप तहसील पटेवा के ग्राम मोहकम के कोटवार भागीरथी कोसले को पदीय कर्तव्य के निर्वहन नहीं करने, राजस्व अधिकारियों अपेक्षित सहयोग नहीं करने के कारण छ.भू-रा.सं. 1959 की धारा 320 के नियम (5) (1) (एक) (दो) के तहत ग्राम कोटवार पद से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

आदिवासी दिवस पर घरों में जलाएं दीए

महासमुंद। कोरोना संक्रमण के कारण इस बार आदिवासी दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम नहीं होंगे। आदिवासी समाज के प्रमुखों ने यह फैसला लिया है। समाज के लोग अपने घरों में रहकर दीए जलाएं जलाकर मनाएं। आदिवासी समाज विकासखंड बागबाहरा जिला महासमुंद के वर्तमान सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष फूल सिंह ध्रुव ने बताया कि इस वर्ष कोविड-19 के चलते 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस जिला स्तरीय नहीं मनाने का निर्णय समाज के प्रमुखों द्वारा लिया गया है।

पल पल बदलता रहा मौसम का मिजाज

बिरकोनी। शनिवार सुबह से ही झमाझम बारिश दो घण्टे तक हुई। उसके बाद दोपहर को आसमान में बादल साफनजर आए। इसके बाद घुप खिली रही। शाम को पल भर में मौसम का मिजाज बदलने लगा और आसमान में काले बादल का डेरा छा गया।

बसना जनपद के सनत महादेवा होंगे नए सीईओ

बसना। बसना जनपद पंचायत के नए सीईओ सनत महादेवा होंगे। वहीं बसना के निलंबित सीईओ पंकज देव को बहाल करते हुए उनका स्थानांतरण जनपद पंचायत तिल्दा कर दिया गया है। बता दे कि बसना के सीईओ पंकज देव निलंबित थे। उनका निलंबन अवधि में स्थानांतरण कर उसे बहाल किया गया है। गौरतलब है कि पंकज देव ने लॉकडाउन के दौरान रेड जोन रायपुर से ग्रीन जोन बसना अपने निजी वाहन से बिना समक्ष अधिकारी की अनुमति से 2 से 18 मई तक निरंतर आगमन करने समेत विभिन्न तर्कों से प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया जाना पाया गया था।

जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करने माकड़ी पहुंची महिला कांग्रेस, गोबर खरीदी का शुभारंभ

महिलाओं की रखी गयी प्रतियोगिता

पायनियर संवाददाता < कोंडागांव
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम द्वारा प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए ग्रामों में बहुत सी योजनाएं चलायी जा रही हैं । जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने पहुंची जिला महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी द्वारा जनपद पंचायत माकड़ी के शामपुर ग्राम में गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम कृष्ण राधा गौ माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पूजन किया, तत्पश्चात गोबर खरीदी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ग्रामीण महिलाओं द्वारा गोबर एकत्रित कर गोबर बेचने लायी महिलायें ग्राम पंचायत एवं समूह द्वारा खरीदी की गई।

गोबर खरीदी कार्यक्रम में महिला कांग्रेस द्वारा कोरोना जैसी महामारी बीमारी के फैलने से सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखकर मास्क लगवा कर बहुत ही अच्छे ढंग से खेल का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाएओं ने भाग लिया। जिसमें प्रतिभागी महिलाओं को महिला कांग्रेस द्वारा विजय प्रतिभागी को इनाम दिया गया, इनाम पाकर ग्रामीण महिलाएं खुश नजर आयी व जिला महिला कांग्रेस के सदस्यों को धन्यवाद दीया। तत्पश्चात जिला महिला कांग्रेस के सदस्यों ने अपने अपने उद्बोधन में विचार रखा। श्रीमती सुखबती मरकाम जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस सरकार के द्वारा चलाए जा रहे प्रदेश में खुशहाली और समृद्धि के लिए गोधन न्याय योजना के बारे में गोबर खरीद कर गोबर के महत्व फायदे के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी।

महिला समूह को हर कार्य करने में दक्षता : शिल्पा

महिला कांग्रेस प्रवक्त ा व जिला महासचिव डॉ शिल्पा देवांगना ने सर्वप्रथम कोरोना जैसी महामारी बीमारी से बचने की सलाह दी। फिर पंचायत में बन रहे गोठान एवं गोबर खरीदी महिला समूहों की सराहना किया। महिला समूह को हर कार्य करने में दक्षता है। आज जिस तरीके से समुह व्दारा चूड़ी, मिठाई, ईट, चप्पल, साबुन, अगरबत्ती निर्माण सभी कार्यो को बखूबी समूह व्दारा किया जा रहा है। गोबर खरीदी व गौ माताओ की सेवा के साथ-साथ आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। इस अवसर पर मोतीबाई नेताम, जनपद अध्यक्ष पिंकी गजेंद्र राठौर, सभापति सदस्य रमीला मरकाम, टोकेश्वरी नेताम सरपंच, गजेंद्र राठौर विधायक प्रतिनिधि, सुकली पोयाम, सुगन लाल पांडे उपसरपंच, नारायण पांडे गोठान अध्यक्ष, ब्रह्मा लाल मरकाम, निरंजन वैष्णव, शंभू पटेल, पितांबर दास, ललिता नेताम,सरिता देवांगन, नीलि नेताम, गजबति मरकाम, राजेंद्र नेताम, वीरनती कोर्राम, परेशवर ठाकुर, नंदलाल नेताम, जागेशवर मरकाम, कृष्णा मरकाम, रमेश पटेल, पंच राम यादव आदि मौजूद रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत परियोजना नवागढ़ मे 32 आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता/सहायिका नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिसकी अंतिम 25 अगस्त निर्धारित की गई है। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 23 पद एवं सहायिका के 40 पद रिक्त है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना नवागढ़ से मिली जानकारी के अनुसार बदनारा आं.बा.केन्द्र क्र.3 सतनामीपारा, नेवसा आं.बा.केन्द्र क्र.2 डिलवापारा, बघुली, खैरी केंवटपारा, कुंआ आं.बा.केन्द्र क्र.2 साहूपारा, हाथाडांडू आं.बा.केन्द्र क्र.2 दुर्गा चैक, भदराली आं.बा.केन्द्र क्र. 2 सतनामीपारा, कटई आं.बा.केन्द्र क्र.3 वर्मापारा, रनबो? आं.बा.केन्द्र क्र.3 टीपूपारा, घोघरा आं.बा.केन्द्र क्र.3, बरबसपुर आं.बा.केन्द्र क्र.2 निषादपारा, कामता आं.बा.केन्द्र क्र. 2 आबादीपारा, खटई आं.बा.केन्द्र क्र.2 गौरियापारा, जैतपुरी आं.बा.केन्द्र क्र. 2 लोधीपारा, अंधियारखोर आं.बा.केन्द्र क्र. 2 गुरुघासीदासपारा, मुडपार आं.बा.केन्द्र क्र.2 बीचपारा, बेलटूकरी आं.बा.केन्द्र क्र.2 सतनामीपारा, पेन्ड्री आं.बा.केन्द्र क्र.3 यज्ञपारा, खाम्ही, नवागांव, संबलपुर आं.बा.केन्द्र क्र.1, झाल आं.बा.केन्द्र क्र.2, लालबंद मे कार्यकर्ता के 01-01 पद, इसी तरह सहायिका के बदनारा1, बदनारा3 सतनामीपारा, चमारी, नेवसा2 डिलवापारा, खैरी1, खैरी2 केंवटपारा, छेरकापुर, कुंआ2 साहूपारा, हाथाडांडू2 दुर्गा चैक, , नवागांव, भदराली2 सतनामीपारा, कटई1, कटई3 वर्मापारा, गा?ामोर2, खपरी, धरमपुरा, रनबोड़3 टीपूपारा, घोघरा3, बरबसपुर2 निषादपारा, कामता2 आबादीपारा, खटई2 गौरियापारा, जैतपुरी2 लोधीपारा, अंधियारखोर2 गुरुघासीदासपारा, मुडपार2 बीचपारा, बेलटूकरी2 सतनामीपारा, टिंगाली जेवरा, पेन्ड्री3 यज्ञपारा, रिसामली, लालपुर, समेसर, छीतापार, गोपालपुर, भालूपान, भदौरा, संबलपुर1, अंधियारखोर1, झाल4, मुरकुटा, लालबंद, नगरपंचायत नवाग? पंजाबीपारा मे आंगनबाड़ी सहायिका के एक-एक पद रिक्त है।

परियोजना अधिकारी ने बताया कि आवेदन पत्र सीधे अथवा डाक से जमा किये जा सकते है। दोनो पूर्णतः मानसेवी तथा अशासकीय पद है। आंबा कार्यकर्ता एवं सहायिका को शासन द्वारा निर्धारित मानदेय प्रतिमाह दिया जायेगा। दोना पद के लिए आयु सीमा 18 से 44 वर्ष की होगी। एक वर्ष या उससे अधिक समय की सेवा का अनुभव रखने वाले कार्यकर्ता/सहायिका को नियुक्ति की अधिकतम आयु सीमा मे 3 वर्ष तक छूट दी जायेगी। ग्रामीण क्षेत्र मे आवेदिका उसी ग्राम के होगी जिस ग्राम हेतु विज्ञापन जारी हुआ है। परियोजना अधिकारी ने बताया कि आंगनबाडी कार्यकर्ता पद हेतु शासन से मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं तथा सहायिका हेतु कक्षा 8वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अनुसुचित जाति एवं जनजाति हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अस्थाई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसे शपथ पत्र देना होगा कि छः महीने मे स्थाई जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा अन्यथा उसकी नियुक्ति स्वमेव निरस्त मानी जायेगी। अनुभवी कार्यकर्ता/सहायिका/सह सहायिका होने पर, गरीबी रेखा परिवार अनुसुचित जाती व अनुसुचित जनजाति परिवार की महिला होने पर तथा विधवा परित्यकता अथवा तलाकशुदा महिला होने पर एवं अजा/अजजा विभाग द्वारा संचालित कन्या आश्रम मे 8वीं तक अध्ययन करने पर अतिरिक्त अंक पर दिये जावेंगे।

शहीद के नाम पर निर्मित स्वागत गेट में भी भ्रष्टाचार

सरायपाली। नक्सली मुठभेड़ में शहीद देवराज सुरजाल के नाम से सरायपाली जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बैतारी में स्वागत द्वारा का निर्माण किया गया है, लेकिन इस स्वागत द्वारा निर्माण में भ्रष्टाचार करके की बात सामने आ रही है। सामाजिक कार्यकर्ता पंडित टिकेश्वर मिश्रा द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि शहीद देवराज सुरजाल के नाम निर्मित स्वगात द्वार में उनका फ ोटो और नीचे से ऊपर तक टाइल्स से निर्मित किया जाना था लेकिन ऐसा नही हुआ। मिली जानकारी के अनुसार फोटो और टाइल्स दोनों ही नही लगाया गया हैए बताया गया कि उक्त स्वागत द्वार के लिए लोक स्वराज अभियान में मांग किया गया थाण् जिसके बाद स्वीकृति मिली थी, टिकेश्वर मिश्रा ने आरोप लगाया है कि शहीद के नाम पर निर्मित स्वागत द्वार में गुणवत्ता की कमी कर भ्रष्टाचार किया गया है जिसकी जांच होनी चाहिए।

ग्रामीण अंचल में श्रद्धाभक्ति के साथ मना हलषष्ठी पर्व

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

ग्राम मजगांव में दाऊ पारा के महिलाओं ने भी अपने केकती परिवार द्वारा निर्माण हुआ श्री राम जानकी मंदिर में बलराम जयंती एवं हलषष्ठी पर्व पर किया पूजा अर्चना और शुभलक्ष्मी साहू ने बताया प्रतिवर्ष भाद्रपद माह की छठी तिथि को हलषष्ठी का महिलाएं अपने पुत्र के दीर्घायु होने और उन्हें असामयिक मौत से बचाने के लिए हरछठ या हलषष्ठी व्रत करती हैं।

इस दिन महिलाएं ऐसे खेत में पैर नहीं रखतीं, जहां फसल पैदा होनी हो और ना ही पारणा करते समय अनाज व दूध-दही खाती है।बलराम भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई थे पौराणिक ग्रंथों में इनकी महिमा इससे बहुत आगे है ।बलराम के शक्तिबल से सभी परिचित हैं मान्यता है कि इस दिन भगवान बलराम की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है यही कारण है कि इस दिन महिलाएं बलशाली संतान पाने के लिए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना लेकर व्रत रखती हैं और विशेष पूजा करती हैं इस व्रत को हलषष्ठी भी कहा जाता है। हलषष्ठी की पूजा विधि हलषष्ठी के दिन सुबह से नहा धोकर साफ कपड़े पहनकर गोबर से जमींन को अच्छे से पोत लें।

इसके बाद वहां पर छोटे से तालाब का निर्माण करें। इसके बाद इस तालाब के आसपास झरबेरी और पलाश को लगा दें। इसके बाद पूजा में चना, जौ, गेंहू, धान, मक्का और मक्का से पूजा करें। इसके बाद हलछठ की कथा सुनाई जाती है। जिससे संतान की उम्र लंबी होती है। भैंस के दूध का होता है उपयोग हलषष्ठी के दिन गाय के दूध या दही का सेवन बिल्कुल भी नहीं किया जाता है। इस दिन भैंस का दूध और भैंस के दूध से बनी घी का प्रयोग किया जाता है। पसहर चावल का होता है विशेष महत्व इस दिन बिना हल लगे फल, सब्जी और अनाज का इस्तेमाल किया जाता है। इस दिन पसहर चावल जिसे छत्तीसगढ़ में लाल भात कहा जाता है। विशेष तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। पूजा स्थल और घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें इस बात का ध्यान रखें कि इस दिन व्रत रखने वाले व्रती हल से जुते हुए अनाज और सब्जियों का सेवन न करें इस दिन गाय का दूध और दही का प्रयोग भी नहीं किया जाता है पूजा संपन्न होने के बाद भगवान की आरती करें और मिश्री और मक्खन के भोग के अलावा पीले रंग की मिठाई का भोग भी लगाएं पूजा के बाद पीली मिठाई गरीब बच्चों में बांट दें इससे भगवान प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा होती है हल षष्ठी की व्रतकथा निम्नानुसार है । प्राचीन काल में एक ग्वालिन थी। उसका प्रसवकाल अत्यंत निकट था। एक ओर वह प्रसव से व्याकुल थी तो दूसरी ओर उसका मन गौ-रस (दूध-दही) बेचने में लगा हुआ था। उसने सोचा कि यदि प्रसव हो गया तो गौ-रस यूं ही पड़ा रह जाएगा। यह सोचकर उसने दूध-दही के घड़े सिर पर रखे और बेचने के लिए चल दी किन्तु कुछ दूर पहुंचने पर उसे असहनीय प्रसव पीड़ा हुई।

वह एक झरबेरी की ओट में चली गई और वहां एक बच्चे को जन्म दिया। वह बच्चे को वहीं छोड़कर पास के गांवों में दूध-दही बेचने चली गई। संयोग से उस दिन हल षष्ठी थी। गाय-भैंस के मिश्रित दूध को केवल भैंस का दूध बताकर उसने सीधे-सादे गांव वालों में बेच दिया। उधर जिस झरबेरी के नीचे उसने बच्चे को छोड़ा था, उसके समीप ही खेत में एक किसान हल जोत रहा था।

वाहनों की खरीदी बिक्री के बाद अब नाम ट्रांसफर के लिए क्रेता-विक्रेता को नहीं लगाना होगा दलालों का चक्कर

पायनियर संवाददाता < महासमुंद
www.dailypioneer.com

सेकेंड हैंड वाहनों की खरीदी बिक्री के बाद नाम ट्रांसफार के लिए वाहन मालिक व खरीददार को दलाल के चक्कर लगाने से मुक्ति मिल गई है। उन्हें नाम परिवर्तन के लिए च्वासइ सेंटरों में जाना होगा।

जी हां इसके लिए च्वाइस सेंटरों के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन होगा। आप स्वयं नाम परिवर्तन का काम कर सकते हैं। यह प्रक्रिया जिले में शुरू हो गई है। अब आने वाले समय में नाम परिवर्तन के लिए मेनुअल नहीं सीधे ऑनलाइन ही जाम होंगे। जिला परिवहन अधिकारी मोहन साहू ने बताया कि वाहनों की खरीदी-बिक्री में होने वाली गड़बड़ी को रोकने के लिए विभाग ने अब मैनुअल की जगह ऑनलाइन दस्तावेज जमा करने के आदेश दिए हैं। इसके प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी।

ज्ञात हो कि सेकेंड हैंड वाहन खरीदी-बिक्री करने के कई मामलों में चोरी के वाहनों को फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेच दिया जाता हे। इसके साथ ही फाइनेंस के वाहनों को भी फर्जी दस्तावेज तैयार कर बेचने की शिकायत लगातार सामने आती है। साथ ही ऐसे वाहनों में दस्तावेजा जमा करने वालों की पहचान नहीं होने वाहन खरीदी करने वाले पर अपराध दर्ज होता है। वहीं दलालों के चक्कर लगाने भी पड़ते हैं। अब इन सारी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

गड़बड़ी करने वालों की आसानी से होगी पहचान

नाम परिवर्तन के दौरान यदि कोई भी गड़बड़ी करेगा तो ऑनलाइन से उसकी पहचान हो जाएगा। क्रेता या विक्रेता को वाहन संबंधित सभी दस्तावेज स्कैन कर ऑनलाइन अपलोड़ करना होगा और हार्ड कॉपी को परिवहन विभाग के दफ्तर में जमा करना पड़ेगा। जिससे ऑनलाइन से दस्तावेज जमा करने वालों की आसानी से पहचान हो सकती है। साथ ही दस्तावेजों में किसी किसी तरह की गड़बड़ी, चोरी के वाहन होने के साथ फाइनेंस के ऐसे वाहन जिसका बकाया किस्त है।

अब दलाल के पास जाने की जरुरत नहीं

नाम परिवर्तन के लिए अब दलाल के पास जाने की जरुरत नहीं है। पहले नाम परिवर्तन के लिए लोगों को दलाल का सहारा लेना पड़ता है। दलाल फार्म नंबर 29-30 फार्म जिसके ऊपर में वाहन के चेचिस व इंजन नंबर का र ेच में हस्ताक्षर, क्रेता-वि ेता के शपथ पत्र, आईडी प्रूफके साथ फीस के साथ अपनी फीस लेकर घुमाते थे।

सुबह घूमने निकली युवती गंभीर हालत में ओवरब्रिज में मिली

हॉस्पिटल ले जाते वक्त हुई मौत

सरायपाली। आज सुबह घूमने निकली युवती गंभीर हालत में सरायपाली के ओवरब्रिज में मिली। जिसकी जानकारी राहगीरों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने युवती को 108 के माध्यम से सरायपाली स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवती का नाम नम्रता सोनवानी है जो सिलतरा निवासी है। जो कि जनपद पंचायत सरायपाली के इंजीनियर अनिल बंजारे की साली हैए जहां युवती रहती थी। अभी तक युवती दुर्घटना ग्रस्त कैसे हुई इसका पता नही चल पाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हुई तो, करेंगे पूर्व विधायक माइनिंग दफ्तर का घेराव

महासमुन्द। पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा ने क्षेत्र में अवैध खदानों के संचालन से उत्पन्न हो रहे तनाव के लिए सत्ताधारी पक्ष के नेताओं की पैसे की हवस एवं शासन-प्रशासन की देख कर भी आंख बंद करके रखने की नीति के जिम्मेदार ठहराया है। पिछ्ले ढेड़-दो वर्षो से जबसे कांग्रेस का शासन प्रदेश में स्थापित हुआ है, तबसे ग्रामीणों में माफिआओं द्वारा दहशत फैलाकर समस्त संसाधनो का अवैध दोहन किया जा रहा है। डॉ चोपड़ा ने कहा कि मोहकम के ग्रामीणों पर तो कार्यवाही के लिए प्रशासन सारी व्यवस्था के साथ पहुंचता है परंतु मुढ़ियाडीह की रेत खदान में कार्यरत दो चैन माउंटेन गाड़ियों पर कार्यवाही का नाटक कर उसे अखबारो में प्रकाशितन कराकर लेन-देन का रास्ता खुला रखता है और मुढ़ियाडीह की कार्यवाही का दिखावा कर मोहकम की खदान में कठोर कार्यवाही के लिए आ धमकता है। यदि, मोहकम के ग्रामीण अपनी रोजी-रोटी के लिए अपने गांव के संसाधन का उपयोग कर रहे है तो प्रशासन को चॉबी भरने वाले माफिया गरीबों के पेट में लात मारकर अपनी जेब में करोड़ों रूपये भरने का काम कर रहा है। जिस प्रकार की लूटमार महानदी के घाटों पर मुढ़ियाडीह से चिंगरौद तक चल रही है, जिसकी जानकारी प्रशासन को बार-बार दिए जाने के बावजूद कार्यवाही न होना इस बात की पुष्टि करता है कि प्रशासन पर या तो प्रदेश सरकार का दबाव है या इन कार्यो में उसकी हिस्सेदारी है।

चारों युवक-युवतियों को बलपूर्वक गांव से ले गये थे किसकोडो दलम के नक्सली कमांडर सुरजना, लखमू

धुर नक्सल प्रभावित ग्राम माड़गांव के 2 युवक-2 युवतियों ने आत्मसमर्पण

पायनियर संवाददाता < कोंडागांव
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों एवं विकास कार्य के प्रभाव से तथा क्षेत्र में सुरक्षा बलों के नक्सल विरोधी अभियान के बढ़ते दबाव से क्षेत्र में नक्सलियों का जनाधार एवं पकड़ कमजोर हुआ है, इसलिए अब नक्सली आम ग्रामीणों पर बलपूर्वक दबाव बनाकर नवयुवक एवं नवयुवतियों को जबरदस्ती अपने साथ शामिल करने का प्रयास कर रहे है। इसी प्रकार का एक मामला थाना केशकाल क्षेत्र के नक्सल प्रभावित अंचल में बसे ग्राम माडगांव से सामने आया है। पिछ्ले माह थाना केशकाल क्षेत्र के ग्राम माडगांव से दो युवक एवं दो युवतियों को बलपूर्वक ग्रामीणों को धमकाकर नक्सली दलम में शामिल करने के उद्देश्य से किसकोडो दलम के नक्सली ले गये थे।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि चारो युवक - युवतियों ने नक्सलियों के विचारों से विमुख होकर एवं समाज की मुख्य धारा में जुड़ने का निर्णय लिया है। तथा स्वयं अपने ग्राम माडगांव वापस आ गये, और 09 अगस्त को ग्राम के अन्य रहवासियों की मदद से इन्हें कोण्डागांव पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कराया गया। पूछताछ के दौरान इन चारों ने खुलासा किया कि इन चारो को गत् माह 12 जुलाई को ग्राम माड़गांव से नक्सली किसकोडो एल जीएस कमांडर लखमू एवं अन्य 07 नक्सली गांव से बलपूर्वक धमकाकर अपने साथ ले गये थे। इस दौरान उन्हें नक्सलियों द्वारा हथियार चलाने, बम बनाने एवं अन्य नक्सल संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। तथा जबरदस्ती अपने साथ घुमाकर इनके जहन में नक्सल संबंधी भड़काऊ वीडियो, साहित्य इत्यादि के माध्यम से अपने साथ शामिल करने का प्रयास किया गया।

नक्सलियों जबरदस्ती हथियार पकड़ाकर शामिल करने की कोशिश

छत्तीसगढ़ शासन की नीतियों एवं विकास कार्यों से प्रभावित होकर इन नौजवानों ने नक्सलियों का साथ छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का निर्णय लिया और आश्वसान दिया है कि अब कभी भी नक्सलियों का साथ नहीं देंगे। तथा सभी अपने गांव में रहकर गांव के विकास में भागीदार बनेंगे। पूछताछ में कुछ अन्य महत्वपूर्ण नक्सल संबंधी सूचनाएँ भी दी गयी है। नक्सलियों की इस करतूत से यह स्पष्ट है कि जिन ग्रामीण नौजवानों के हाथ में नागर या कलम होनी चाहिए और जिन्हें समाज की मुख्य धारा में रहकर अपने गांव और अपने लोगों के बेहतर जीवन के लिए कार्य करना चाहिए, नक्सली उन्हें धमकाकर जबरदस्ती हथियार पकड़ाकर अपने साथ शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से लाभान्वित होवें : एसपी

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने नक्सलवाद की राह में भटके हुए साथियों से यह अपील की है, कि नक्सलवाद को किसी भी स्वरूप में बढ़ावा न दें तथा शासन और समाज की मुख्य धारा में शामिल होकर आत्मसमर्पण एवं पुनावास नीति से लाभान्वित होवें तथा इसी तारतम्य में कोण्डागांव पुलिस द्वारा दो युवक दो युवतियों कुल चार निवासी माडगांव को उनके इस सराहनीय कदम हेतु प्रत्येक को 10,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदाय की गई है। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनंत कुमार साहू के मार्ग दर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस केशकाल अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) दीपक मिश्रा, थाना प्रभारी केशकाल भीमसेन यादव, थाना प्रभारी धनोरा रमेश शोरी एवं अन्य स्टाफ भी सक्रिय भूमिका में शामिल रहे।

क्रमोन्नति की मांग को लेकर एसोसिएशन सौंपेगा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता < महासमुंद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के निर्देश पर जिला महासमुन्द में जिलाध्यक्ष नारायण चौधरी, सुधीर प्रधान, शोभासिंह देव, पूर्णानंद मिश्रा, केशवराम साहू, अर्चना तिवारी, राजेश साहू, विनोद यादव, महेंद्र चौधरी, अरुण प्रधान, ललित साहू, सादराम, अजय, नंद कुमार साहू, विजय प्रधान, लालजी साहू, लोरिश कुमार, पुष्पलता भार्गव, प्रदीप वर्मा की अगुवाई में जिला इकाई महासमुंद द्वारा क्रमोन्नति, पदोन्नति, वेतन विसंगति, अनुकंपा नियुक्ति, पुरानी पेंशन, लंबित महंगाई भत्ता की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर महासमुंद को सौंपेंगे। यह जानकारी सचिव नंद कुमार ने दी है। एसोसिएशन ने अपने मांग पत्र में छत्तीसगढ़ शासन से मांग किया है कि प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा अवधि की गणना कर क्रमोन्नति का आदेश किया जावें।

प्राथमिक शाला पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राचार्य के रिक्त पदों पर सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता एलबी संवर्ग के समस्त शिक्षकीय सेवा को जोड़कर पदोन्नति दी जावें। व्याख्याता एवं शिक्षक की तुलना में सहायक शिक्षक का वेतन कम है, प्राथमिक शिक्षा को विशेष शिक्षकीय सेवा मान कर व्याख्याता व शिक्षक के वेतनमान के अंतर के अनुपात में शिक्षक व सहायक शिक्षक के वेतनमान में सुधार किया जावें। जन घोषणा पत्र में पुरानी पेंशन बहाली के लिए कार्यवाही उल्लेखित है। एनपीएस के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की कार्यवाही किया जावे।

नक्सल संगठन में फूट, टूट और नाराजगी तो है ही उस पर पुलिस ने उनके गढ़ पर कर लिया है कब्जा

घायल अवस्था में पकड़े गए डेविड की निशानदेही पर बरामद इलेक्ट्रानिक उपकरण से मिले अहम दस्तावेज, साल्हेवारा के एक तेंदूपत्ता व्यवसायी ने नक्सलियों को सप्लाई किए थे मोटोरोल डिजिटल सेट

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यकाल के अपने आखिरी दिन आईपीएस जितेंद्र शुक्ला ने घायल अवस्था में पकड़े गए कुख्यात नक्सली डेविड से जुड़ी कई जानकारियां सामने रखी हैं। रविवार को उन्होंने प्रेसवार्ता में डेविड की निशानदेही पर बरामद किए गए संचार उपकरणों के अलावा अन्य सामग्रियों का ब्यौरा देते हुए बताया कि महाराष्ट्र साल्हेकसा निवासी एक तेंदूपत्ता व्यवसायी जनवरी, 2019 को 11 नगर मोटोरोला के आधुनिक डिजीटल सेट उपलब्ध करवाए थे। उक्त आरोपी की तलाश जारी है और पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही वह पुलिस की पकड़ में होगा।

आईपीएस जितेंद्र शुक्ला ने इस दौरान डेविड और नक्सल संगठन को लेकर कई बड़े खुलासे किए। उन्होंने यहां डेविड के पास से जब्त नक्सल संगठन से जुड़े वह दस्तावेज भी सार्वजनिक किए जो

अक्सर पुलिस सामने नहीं रखती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल से 31 जुलाई को डेविड के डिस्चार्ज होने के बाद अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है और जैसे - जैसे उससे जानकारियां मिलेंगी कई और बड़े पहलू सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि डेविड को जेल दाखिल किया गया है और उसे जल्द ही कोर्ट में पेश किया जाएगा।

गौतलब है कि 30 जून को चौकी जोब अन्तर्गत ग्राम कटेंगा एवं खोभा के बीच हुये पुलिस नक्सली मुठभेड़ में घायल डीव्हीसी एवं प्लाटून नम्बर- 01 के कमाण्डर डेविड उर्फ उमेश उर्फ अगनान उईके उम्र 34 वर्ष निवासी सावली थाना कोरची जिला गढ़चिरौली को घायल हालत में पकड़ा गया था। उसका मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव एवं रायपुर में ईलाज कराया जा रहा था। 31 जुलाई को उसे मेडिकल कॉलेज रायपुर से छुट्टी दी गई। कुरुक्षेत्र पुलिस लाईन राजनांदगांव में उसे क्वारंटाईन के लिये रखा गया था। उसका कोरोना टेस्ट कराया गया जिसके बाद रिपोर्ट निगेटिव आने पर आज 9 अगस्त को विधीवत गिरफ्तार किया गया है।

चप्पे-चप्पे पर नज़र और संकट में नक्सली

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व नक्सल ऑपरेशन देख रहे जीएन बघेल ने कहा कि, पिछले साल-डेढ़ साल में हमने नक्सलियों की कमर तोड़ कर रख दी है। जिले में मौजूद दो डिवीजन कमेटी और चारों एरिया कमेटी को बड़े झटके लगे हैं। इनमें से कुछ कमेटियां तो अब लगभग खत्म होने को हैं। गौरतलब है कि पहली दफा देखा गया कि 28 जुलाई से 03 अगस्त के बीच घोषित नक्सल शहीद सप्ताह में नक्सलियों की कहीं कोई गतिविधि सामने नहीं आई। नक्सलियों के आपसी संवाद के ब्यौरे से भी यह समझ आता है कि संयुक्त बल ने नक्सलियों के गढ़ पर अपना आधिपत्य साबित किया है। चप्पे-चप्पे पर मौजूद बल के आगे नक्सलियों की रणनीति किसी काम नहीं आ रही है।

अहम दस्तावेज हाथ लगे

इलेक्ट्रानिक उपकरण की बरामदगी पुलिस के लिए सबसे बड़ी सफलता है। डेविड की निशानदेही पर जो उपकरण बरामद हुए हैं उनमें नक्सल गतिविधियों, नक्सल - पुलिस मुठभेड़ के ब्यौरे, विडियो और बस्तर व अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस कैंप के विरोध को प्रायोजित करने जैसे कई साक्ष्य पुलिस के हाथ लगे हैं। इसके अलावा इनमें नक्सल संगठन के भीतर सामंजस्य की कमी, विरोध और नाराजगी को लेकर भी कई महत्वपूर्ण उल्लेख हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें काफी कुछ सांकेतिक भाषा में लिखा गया है जिनमें से कुछ पुलिस ने क्रेक कर लिए हैं वहीं अन्य की जांच जारी है।

एएसआई बोगा की हत्या में भी शामिल था

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार डीव्हीसी एवं प्लाटून नम्बर- 01 के कमाण्डर डेविड उर्फ उमेश उर्फ अगनान उईके एसएसआई नरबद बोगा की हत्या में शामिल था। एएसपी बघेल ने बताया कि चिल्हाटी क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान बोगा की हत्या की गई थी। इस दौरान डेविड खुद भी वहां मौजूद था। पुलिस के मुताबिक ऐसी और इससे बड़ी कई घटनाओं में डेविड शामिल रहा। डेविड का रुतबा नक्सल संगठन में हार्डकोर का था।

अब तक क्या क्या मिला

घायल नक्सली डेविड़ उर्फ उमेश को पूर्व में एके - 47 रायफल, कारतुस, पिस्टल, पिठ्ठू के साथ दैनिक उपयोग का सामान जप्त किया गया था आज उसके निशानदेही पर 01 नग मोटोरोला वायरलेस हैण्ड सेट, 01 नग एमआई मोबाईल सेट, 01 नग मोबाईल चार्जर, 17 नग मोबाईल चीप एवं 02 नग पेन ड्राईव, 31 कारतुस (.22 कारतूस- 14 नग, ए.के.-47-02 नग, 9 एमएम 02 नग, 12 बोर-01 नग, एसएलआर- 12 नग) एवं नक्सल साहित्य बरामद किया गया। घायल नक्सली के विरूद्ध जिला राजनांदगांव में डेढ़ दर्जन जिला गोंदिया (महा0) में 13 एवं जिला गढ़चिरौली(महा) में 29 में हत्या, डकैती, मुठभेड़ एवं आगजनी जैसे गंभीर अपराध पंजीबद्ध है। डेविड पर छग शासन का 08 लाख, महाराष्ट्र शासन का 16 लाख एवं मध्य प्रदेश शासन का 05 लाख कुल 29 लाख रूपये का ईनाम घोषित है।

अध्यादेश का विरोध, प्रभावितों को नौकरी और मजदूरों की मांग को लेकर संयुक्त प्रदर्शन

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर किसान संघ सक्रिय हो गया है इसके अलावा इस बार मजदूर भी उनके साथ आएं हैं।। रविवार को किसान-मजदूरों ने रविवार को एक संयुक्त रैली निकालकर दर्जनभर मांगों की सूची प्रशासन को सौंपी है। जिला किसान संघ एवं इंटक के मजदूरों ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कर्जा मुक्ति से लेकर मनरेगा को कृषि कार्य से जोडने़ समेत दर्जनभर मांग शामिल है।

इस संबंध में जिला किसान संघ के अध्यक्ष सुदेश टीकम ने बताया कि हमारी प्रमुख मांग यह है कि जून माह में कृषि

से संबंधित 3 अध्यादेश पारित किए थे। जिसकी हम खिलाफत करते हैं। उनका कहना है कि श्रम कानून से जुड़े निर्णयों के अलावा कृषि उत्पाद एवं वाणिज्य तथा कृषि वस्तु अधिनियम के अध्यादेश को वापस लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की वन-नेशन, वन-मार्केट के बजाय वन नेशन-वन एमएचपी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मजदूरों के हितों से जुड़े कानूनों को खत्म करने का प्रयास कर रही है। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर उन्होंने मांग करते कहा कि वन अधिकार कानून, पेशा कानून, पांचवी अनुसूची के कानूनों को आदिवासी वर्गों के हित में ईमानदारी से लागू किया जाए।

इधर शहर में रैली निकालकर स्थानीय कलेक्टोरेट के सामने मजदूरों और किसानों ने साझा रूप से ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अल्पवर्षा को देखते हुए किसानों को राहत दी जाए तथा रेल्वे लाईन से प्रभावित किसान परिवारों को नौकरी तथा 4 गुना मुआवजा, निजी बैंक के केसीसी धारकों की ऋष्ण माफी, पंजाब नेशनल बैंक भंडारपुर में फसल बीमा हेतु लिए गए प्रीमियम राशि का भुगतान नहीं किए जाने की जांच तथा सीताकसा निवासी देवलाल कतलाम की मृत्यु समेत न्यायिक जांच समेत अन्य मांग शामिल है।

घटिया डोम के निर्माण से सिंधी समाज आक्रोशित

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पूज्य सिंधी पंचायत हेमू कलानी नगर में सांसद निधि से बने डॉम, जिसे एक माह भी नहीं हुआ की पहली बारिश में ही डोम की सीट उड़ गई। स्तरहीन घटिया शीट कई जगह से गायब हो गई है।

विदित हो कि पूर्व सांसद की निधि से उक्त निर्माण कार्य संपत सिन्हा नाम के ठेकेदार ने किया था एवं लोक यांत्रिकी विभाग से कार्य संपन्न हुआ था। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मन्नूमल मोटलानी, महासचिव अमर लालवानी ने बताया कि उक्त ठेकेदार की शिकायत कईयों बार की गई है परंतु ठेकेदार डोम बनाने में कोताही कर रहा है । पूज्य सिंधी पंचायत ने ठेकेदार पर उचित कार्यवाही की मांग की है।

और त्वरित कार्रवाई न करने पर पूज्य पंचायत द्वारा उच्चाधिकारियों की एवं इंजीनियर की शिकायत की जाएगी।

रामदुलार सचिव संघ के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

प्रदेश पंचायत सचिव संघ के राजनांदगांव जिला इकाई का 8 अगस्त को निर्वाचन हुआ। सचिव संघ डोंगरगांव के लगातार 3 बार ब्लाक अध्यक्ष निर्वाचित रामदुलार साहू पंचायत सचिव संघ के राजनांदगांव जिलाध्यक्ष निर्वाचित हुए। निर्वाचन अधिकारी बतौर दुर्ग जिले के महेश रात्रे, राकेश चंद्राकर व शुभम वर्मा सम्मिलित हुए।

संघ से आधिकारिक जानकारी मुताबिक कोरोनाकाल के मद्देनजर जिले के 9 ब्लाकों के 810 सचिवों के स्थान पर सिर्फ संघ के 9 ब्लाक अध्यक्षों एवं 9 ब्लाक सचिवों ने ही

मतदान में हिस्सा लिया। उक्त अवसर पर यशवंत जंघेल, महेंद्र साहू, राजाराम उइके, नारायण देवांगन, खुमान यादव, नीलेश क्षत्रिय, योगेश साहू, सोहन पटेल, कोमल कश्यप व गोवर्धन देशमुख सहित जिलेभर के ब्लाक पदाधिकारीगण शामिल हुए।

महिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

■ रोशनी सिन्हा के टीम की घोषणा

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

अध्यक्ष महिला कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ एवं राज्य सभा सांसद फूलोदेवी नेताम के अनुमनोदन के पश्चात शनिवार की रात राजनांदगाव शहर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती रोशनी सिन्हा ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार कर दिया। कार्यकारिणी में पांच उपाध्यक्ष , दस महासचिव व् पंद्रह सचिवों सहित कुल 83 लोगों को शामिल किया गया है जो रोशनी सिन्हा के साथ मिलकर अब कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे ।

शहर महिला कांग्रेस कमेटी में स्थाई आमंत्रित सदस्य में कुल दस लोगों को शामिल किया गया है जिसमें शारदा तिवारी, बिसाहिन साहू, सुनीता फडणवीस, प्रभा सोनछत्रा, श्रीमती मिथलेश शर्मा, अनिता बक्सरिया, गंगा साहू , विक्रमा नेताम, आशा अग्रवाल, व साधना तिवारी शामिल हैं। इसी तरह विशेष आमंत्रित सदस्य के लिए सुजाता डाकलिया, नजमा बेगम, सरिता प्रजापति, बैना बाई तुरहाटे, सकीला बेगम, आशा शर्मा, कुंती

साहू, विनिता मदान, वर्षा श्रीवास्तव व पार्वती साहू शामिल हैं ।

रोशनी सिन्हा ने रीना पटेल, माया शर्मा, ममता पंजवानी, डा. कृति साहू, फरहा खान उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी तरह महासचिव के पद पर दुर्गा देवांगन, माधुवी बंसोड़, निशा साहू, सुनीता सिन्हा, शाहिना कुरैशी, कांति देवांगन, शबीना नसरीन, पूर्णिमा नागदेवे, अंशुका बहेकर व सावित्री श्रीवास्तव को जिम्मेदारी दी गई है। रोशनी सिन्हा ने कांग्रेस पार्टी को और मजबूत करने के उद्देश्य से अपनी कार्यकारिणी में कुल पंद्रह सचिवों की नियुक्ति की है जिसमे खालिदा बेगम, अमरीका गौतम, सलमा बानो, बबिता कुलदीप, ललिता साहू, सुश्री शुभानि वर्मा, अमरीका यादव, संगीता साहू, सिम्मी अली, अनिता सिन्हा, मधुबाला श्रीवास्तव, प्रीति शर्मा, चंद्रिका राजपूत , रश्मि चौधरी, शिल्पा मेश्राम प्रमुख रूप से शामिल हैं।

महिला कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों की भी घोषणा

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रौशनी सिन्हा ने शहर के उत्तर व् दक्षिण ब्लॉक में अध्यक्षों की भी घोषणा कर दी है। उत्तर ब्लॉक में उन्हों ने श्रीमती दुलारी बाई साहू को अध्यक्ष पद दिया है जबकि दक्षिण ब्लॉक में श्रीमती प्रतिमा बंजारे को कमान सौंपा गया है। जिला प्रवक्ता के पद पर निकहत परवीन को जिम्मेदारी दी गई है।

घरों, मंदिरों में रीति - रिवाज के संपन्न हुई पूजा

संतान के लिए निर्जला रहकर की पूजा-अर्चना, पसहर के चावल का लगा भोग

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कमरछठ में इस बार माताओं को सगरी की पूजा करने के लिए सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना पड़ा। रविवार को संतान की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर कमरछठ की पूजा की। भगवान शिव की आराधना करके बिना हल के साग, सब्जी और पसहर चावल का भोग बनाकर ग्रहण किया। महिलाओं ने अलग-अलग मंदिरों और घरों में पूजा संपन्न की।

सामूहिक रूप से शहरभर में अलग-अलग चौराहों और मोहल्लों में महिलाओं ने भगवान शिव और पार्वती की अलौकिक गाथाओं से जुड़ी कथाएं सुनी। माना जाता है कि

कमरछठ पर्व भगवान शिव के पूरे परिवार से जुड़ा हुआ है। पूरे परिवार के सदस्यों की कथाओं के जरिये वर्णन किया जाता है। जिसमें मुख्य रूप से भगवान शिव और पार्वती की धार्मिक गाथाएं शामिल हैं।

कमरछठ व्रत छत्तीसगढ़ के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसे हलछठ या हलषष्ठी भी कहा जाता है। इस व्रत को करने वाली माताएं निर्जला रहकर शिव-पार्वती की पूजा करती है। सगरी बनाकर सारी रस्में भी निभाई गई और कमरछठ की कहानी सुनकर शाम को डूबते सूर्य को अर्ध्य देने के बाद अपना व्रत खोला। इस व्रत को यूपी-बिहार के पावन छठ व्रत की तरह ही माना जाता है जो संतान की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। इधर बाजार में पूजन सामग्रियों की खरीदी के लिए काफी चहल-पहल रही। पसहर चावल से लेकर अन्य सामग्रियों के दाम बढ़े रहे। पसहर चावल 150 रुपए किलो की दर पर बिका। वहीं भैंस का दूध और घी के दाम भी बेतहाशा कीमत पर रहे।

सगरी बनाकर की पूजा

कमरछठ की पूजा के लिए महिलाएं गली-मोहल्ले में मिलकर प्रतीक स्वरूप दो सगरी(तालाब) के साथ मिट्टी की नाव बनाया और फूल-पत्तों से सगरी को सजाकर वहां महादेव व पार्वती की पूजा की। दिनभर निर्जला व्रत रहकर शाम को सूर्य डूबने के बाद व्रत खोलेंगी। मरोदा निवासी ज्योति चंद्राकर, दिव्या साहू ने बताया कि यह व्रत संतान प्राप्ति के लिए भी किया जाता है। बिहार में जिस तरह छठ मईया की पूजा होती है उसी तरह छत्तीसगढ़ में कमरछठ का महत्व है जो संतान प्राप्ति और संतान की लंबी उम्र के लिए किया जाता है।

क्विक न्यूज

राधा कृष्ण मंदिर में 12 को मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

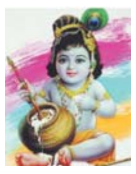

बिलासपुर। रेलवे परीक्षेत्र- शंकर नगर स्थित राधा कृष्ण मंदिर में 12 अगस्त को कृष्ण जन्मोत्सव बनेगा। रात 8ः00 बजे से विशेष पूजा अर्चना और भजन कीर्तन प्रारंभ होगा। रात 12 बजे कृष्ण दर्शन और महाआरती होगी। मंदिर के पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी के बीच इस वर्ष पहले की तरह भीड़भाड़ से बचने व्यापक उपाय किए गए हैं। मंदिर परिसर में मास्क और फिजिकल डिस्टेंस अनिवार्य होगा। 12 अगस्त को जन्मोत्सव मनाया जाएगा। श्रद्धालु भक्त इस बार जन्मोत्सव को फेसबुक पर लाइव देख पाएंगे। सुरक्षा एवं पूजा कार्यक्रम को लेकर आज मंदिर समिति की विशेष बैठक भी हुई। इसमें प्रमुख रूप से डॉ.अजय यादव, पंकज यादव, प्रदीप जाना, दिलीप जाना, मनीष शाह, अमित डोरस, संजय सिंह, आशीष यादव, अनुप सिन्हा, कैलाश तिवारी, अनिल यादव, भरत यादव, आशीष तिवारी, सोनू यादव आदि उपस्थित थे।

देवी देवताओं व समाज पर अश्लील टिप्पणी के विरुद्ध हुई एफआईआर

रायगढ़। हिंदू आस्था के स्तंभ भगवान श्रीराम, भगवान शंकर और माता दुर्गा तथा ब्राह्मण समाज पर अश्लील टिप्पणी करने वाले दिनेश धृलहरे, सुरेश नारंग, दानी धिरहे एवं अरविंद बंजारे पर खरसिया पुलिस ने 295क, 298, 505(2), 34 के तहत मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तारी हेतु खोजबीन प्रारंभ कर दी है। बीते गुरुवार को 50 से अधिक युवाओं ने चौकी पहुंचकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की थी। वहीं शनिवार को पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह एवं एसडीओपी पीताम्बर पटेल के निर्देश पर चौकी पुलिस ने देवी देवताओं एवं समाज पर अश्लील टिप्पणी करने वालों के विरुद्ध एफआईआर कायम कर ली है। वहीं पुलिस द्वारा पूरी सजगता के साथ दोषियों की पतासाजी की जा रही है ताकि इनकी गिरफ्तारी हो सके।

विश्व आदिवासी दिवस पर वन अधिकार पट्टे का वितरण

कोरबा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री बघेल ने वीडीयो कंफ्रेंसिंग के माध्यम इस कार्यक्रम सम्बोधित किया। उन्होंने पूरे आदिवासी समाज को इस विशेष दिन की बधाई दी और आदिवासी इलाक़ों के विकास का सरकार का संकल्प दोहराया। जिले के तीन विधायक ननकीराम कँवर, पुरुषोत्तम कँवर और मोहित किरकेट्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला कँवर सहित कलेक्टर किरण कौशल, एडीएम , अपर कलेक्टर प्रियंका महोबिया और आदिवासी समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कोरोना संक्रमित शवों के अंतिम संस्कार पर, तोरवा क्षेत्र के लोगों ने मचाया हंगामा

■ विरोध के बीच टीम ने किया अंतिम संस्कार

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस बीमारी लोगो के लिए आफत बन गई है, ना तो इंसान को जीने दे रहा है और तो मरने के बाद भी यह पीछा नहीं छोड़ रहा। कोरोना के चलते हुई मौत के मामले में परिजनों को अब विकट परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। एक तो मृतक के साथ परिजन मिल भी नहीं सकते तो वही अब ऐसे शवों का दाह संस्कार भी लगाता कठिन होता जा रहा है।रविवार को ऐसी ही एक नजारा देखने को मिला। जब एक महिला को अंतिम संस्कार के लिए तोरवा छठघाट स्थित मुक्तिधाम लाया गया तो स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध करना शुरू कर दिया। असल में कोरोना का डर और दहशत इस कदर हावी है कि लोग संक्रमित होने को लेकर बेहद डरे सहमे हुए हैं। उन्हें लगता है कि कोरोना से संक्रमित मरीज के शव का अंतिम संस्कार उनके क्षेत्र में होने से पूरे इलाके में कोरोनावायरस फैल सकता है।

इससे पहले भी तोरवा मुक्तिधाम में 6 ऐसी ही लाशों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। लेकिन जब 38 वर्षीय महिला का शव यहां लाया गया लोगों ने जमकर विरोध शुरू कर दिया। शव को मुक्तिधाम के अंदर ले जाने से भी रोका गया। मोपका निवासी 38 वर्षीय महिला को हृदय संबंधी परेशानियां थी, जिनका इलाज पहले मार्क अस्पताल और फिर केअर एंड क्योर अस्पताल में चल रहा था। इसी दौरान महिला रैपिड टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई, जिनका सैंपल एम्स भेजा गया था। रिपोर्ट आने से पहले ही महिला की मौत हो गई, जिनके शव को अंतिम संस्कार के लिए तोरवा मुक्तिधाम लाया गया तो यहां विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोग यहां कोरोना संक्रमित लाशों को जलाने नहीं देना चाहते। उनका तर्क है कि इस तरह उनके क्षेत्र में भी संक्रमण फैल सकता है। इसी बात पर यहां हंगामा मचा रहा। दरअसल प्रशासन ने कोरोना संक्रमित मरीजों के अंतिम संस्कार के लिए तोरवा मुक्तिधाम का ही निर्धारण किया है। जिसे लेकर स्थानीय लोग, खासकर आसपास झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोग डरे हुए हैं, जिनका कहना है कि अगर शासन ने ऐसा निर्णय लिया है तो फिर आसपास रहने वालों के विस्थापन और पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाए ।वहीं क्षेत्र के पार्षद मोती भाऊ सहित अन्य लोगों का तर्क है कि अगर इस मुक्तिधाम का उपयोग संक्रमित लाशों के लिए किया जा रहा है तो फिर अन्य लोगों के अंतिम संस्कार के लिए इसे प्रतिबंधित कर दिया जाए या फिर किसी और श्मशान घाट की व्यवस्था की जाए, नहीं तो उनके भी संक्रमित होने की आशंका रहेगी। रविवार को भारी विरोध के बीच नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किसी तरह इस महिला का अंतिम संस्कार किया।वहीं रविवार को ही उसलापुर निवासी एक और महिला की मौत सिम्स में हुई है, जिसमें भी कोरोना संक्रमण पाया गया है।

संतान की लंबी आयु के लिए माताओं ने की घरों में हलषष्ठी की पूजा

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

संतान की सुख समृद्धि और लंबी आयु के लिये माताओं द्वारा उपवास रख मनाए जाने वाला हलषष्ठी का पर्व भी कोरोना की भेंट च? गया । हलषष्ठी पूजन इस बार सामूहिक रूप से करने के बजाय महिलाएं घरों में मास्क लगाकर और चंद प?ौसी महिलाओं के साथ ही किया । मंदिरों में सामूहिक पूजन नगण्य ही हो सका । कोरोना के चलते कुछ ही मंदिरो में सोशल डिस्टेंश का पालन कराते हुए पूजा हुई,अन्यथा अधिकांश जगहों पर घरों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से परिवार व पड़ोसियों के साथ रविवार को हलषष्ठी की पूजा की। छत्तीसगढ़ में यह त्यौहार हर शहर.हर गांव और प्राय÷ हर घर में पारंपरिक रूप से मनाया गया। संतान की लंबी आयु व खुशहाली की कामना लेकर यह व्रत आज के दिन रखा गया है। इस पूजन में मुख्य रुप से बगैर हल से जुताई किया हुआ छह प्रकार की भाजी,पसहर लाल चावल,भैस की दूध दही व घी,नारियल,कुस,फुलौरी महुआ,दोना,टोकना,लाई व अन्य पूजन सामग्री का उपयोग करते हुए घरों में स्वंय या पंडितों के माध्यम से पूजा संपन्न करवाई गई। मान्यता है कि जब कंस ने देवकी के छह पुत्रों को मार दिया था तब पुत्र की रक्षा की कामना लेकर देवकी ने षष्ठी देवी की पूजा व्रत किया था। अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा ने भी हलषष्ठी का व्रत किया था,जिससे उनका पुत्र जीवित रहा। इसी दिन भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था ।

सेंट्रल बैंक में लगी आग 3 घंटे लगे काबू पाने में

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

करगीरोड-कोटा सेन्ट्रल बैंक की स्थानीय शाखा में देर रात लगी आग से लगभग पूरा भवन जलकर राख हो गया। हालांकि चेस्ट रूम में रखे कैश को बचा लिया गया है। सेन्ट्रल बैंक किराये के मकान में संचालित है। रात करीब 1.30 बजे धुआं और आग की लपटें देखकर आसपास रहने वालों ने बैंक के कर्मचारियों को फोन करके जानकारी दी और दमकल को भी सूचना दी गई। लोगों ने अपनी तरफ से मोटर पम्प से पाइप लगाकर आग बुझाने की कोशिश की लेकिन लपटें इतनी तेज थी कि आग नहीं बुझाई जा सकी। कोटा नगर पंचायत में एक दमकल गाड़ी है पर वह बिगड़ी हुई है। इसे ऑपरेट करने वाला कोई कर्मचारी नहीं है। रात 2.10 बजे बिलासपुर फोन किया गया। रात्रि 3 बजे पहुंची दमकल की टीम ने सुबह 6 बजे तक आग पर काबू पा लिया। बताया गया है कि बैंक के लगभग सभी कागजाज, कम्प्यूटर, फर्नीचर आदि जलकर राख हो गये हैं। चेस्ट रूम में भी आग पहुंची पर वहां रखे कैश को सुरक्षित पाया गया है। बैंक को हुए नुकसान का आकलन करने के लिये बैंक अधिकारी वहां पहुंचे हुए हैं। कोटा पुलिस आग लगने के कारणों की पड़ताल कर रही है।

सैंपल लेने गई स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ बदसलूकी

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

जिले में 18 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं, जिसमें से 11 तो शहर से ही है। इसके अलावा मस्तूरी, कोटा और तखतपुर से भी कोरोना संक्रमित मामले सामने आए हैं। एक दिन पूर्व जो व्यक्ति रतनपुर में संक्रमित पाया गया था उसके परिवार के एक और सदस्य में कोरोना की पुष्टि हुई है। इसी बीच बिलासपुर के मगरपारा मरार गली में संक्रमित पाई गई महिला के संपर्क में आने वालों के सैंपल लेने जब स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची तो स्थानीय नागरिकों द्वारा हंगामा मचाया गया। मगरपारा मरार गली में रहने वाली महिला अस्पताल में भर्ती होने से पहले रोजमर्रा की तरह आसपास के लोगों से सीधा संपर्क था और वह लगातार खरीददारी करने दुकान और बाजार जा रही थी। स्वास्थ्य को महिला जिन जिन लोगों से संपर्क में आई है उनके भी संक्रमित होने की आशंका है। लेकिन जब स्वास्थ्य विभाग की टीम उनके परिजनों के सैंपल लेने पहुंची तो उन्होंने हंगामा मचाना शुरू कर दिया और स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ हांथापाई करने में उतारू हो गए । हालात इस कदर बिगड़ गई कि दखल के लिए सिविल लाइन पुलिस को बुलाना पड़ा। जिसके बाद किसी तरह से ले देकर मामला शांत हुआ। इससे पहले भी कुछ शहरों में इसी तरह स्वास्थ्य विभाग की टीम पर हमले किए गए हैं। कुछ-कुछ वैसा ही नजारा बिलासपुर के मगरपारा में भी दिखा।

कुछ लोग बिल्कुल पूरी तरह से दिमागी संतुलन खो चुके हैं। किसी तरह के लक्षण दिखने पर आम आदमी जल्द से जल्द टेस्ट करवाना चाहता है, पर कुछ ऐसे लोग है जो टेस्ट कराने से घबरा रहे हैं जबकि इससे उनकी जान बच सकती है।

भैंस का दूध, दही एवं पसहर चावल के भाव आसमान पर

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

संतान के लंबी आयु के लिए महिलाओं ने रखा खमरछट व्रत रखा और पूजा-अर्चना कर पुत्र के लंबी आयु की कामना की। । इस त्यौहार में महिलाएं दिन भर उपवास रखकर पसहर चावल एवं भैंस के दूध,दही का सेवन करते है। रविवार को मनाये जाने वाले इस त्यौहार के लिए बाजार भी सजकर तैयार हो गया है। भैंस का दूध, दही एवं पसहर चावल के भाव आसमान छू रहे है।

रविवार को मनाए जाने वाले इस पर्व के लिए माताओं ने आंगन में सगरी (तालाब) बनाकर झरवेरी, ताश, पलाश की शाखाएं रखकर पूजा की। रविवार की सुबह से ही महिलाएं उपवास रखकर दोपहर में सामूहिक रूप से श्रद्धाभक्ति एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना की । चना, गेंहू, धान, अरहर, मूंग, मक्का, जौ एवं महुआ के साथ नारियल, वस्त्र एवं श्रृगार सामग्री चढ़ाकर हलषष्ठी की कथा सुनी, हलषष्ठी में भैंस के दूध, दही, घी तथा लाल रंग वाले पसहर चावल का अत्यधिक महत्व होने की वजह से पूजन सामग्री खरीदने वाली महिलाओं और बाजार तथा डेयरी में काफी भीड़ रही।

मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम का जन्म हुआ था इस दिन बिना हल चले अनाज का विशेष महत्व है। हलषष्ठी की पूजा में बिना हल चला अनाज ही चढ़ाया जाता है वहीं महिलाएं भी इस दिन बिना हल चले अनाज पसहर चावल तथा बिना काटी सब्जी जैसे भाजी को ही भोजन के रूप में ग्रहण की। किंतु इस बार कोरोना संक्रमण की छाया त्यौहार पर भी छाई रही, जिसके चलते उत्साह फिका नजर आ रहा है।

ऑनलाइन गेम का ऐसा चस्का , दादी के एकाउंट से 1 लाख 32 हजार खर्च कर दिया पोता

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

महिला के बैंक एकाउंट से 1 लाख से अधिक रुपए निकलने के मामले में पुलिस जांच पूरी कर ली जिसमे चौकाने वाला खुलासा हुआ पेटीएम से पोते ने ही पैसे खर्च कर दिए थे

गौरतलब है कि थाना क्षेत्र के महामाई पारा में रहने वाली सुभाना बी ने उनके एसबीआई खाते से 1 लाख 3200 रुपए को पेटीएम के माध्यम निकाले जाने की शिकायत थाने में की गई थी, जिसमें प्रारम्भिक जांच के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 420 का अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की थी, तभी पुलिस को जानकारी मिली कि पेटीएम के माध्यम 21 से 24 मई के बीच कई बार पैसे निकाले गए है। जांच में पुलिस को यह तथ्य भी हाथ लगे कि महिला के बैंक खाते से एक फोन नंबर लिंक है, जो उसके पोता का है और जब उससे इसकी जानकारी ली तो पता चला कि उसने ऑनलाइन गेम खेलने सारे पैसे खर्च किये है। अब मामले में परिजनों ने कोई कार्रवाई नही करने की गुजारिश पुलिस से कर रही है जिसके बाद थाना प्रभारी ललिता मेहर ने भी पाया कि कोई धोखाधड़ी नही हुई है और जो पैसे खर्च हुए है उनके पोते ने ही किये है, लिहाजा परिजनों से शपथ पत्र लेकर केस को निराकृत कर दिया गया है। वही पुलिस ने परिजनों को विशेष समझाईश भी दी कि बच्चों पर नजर रखे और उन्हें इस बारे में जागरूक करें।

शासकीय प्राथमिक शाला में जनजागरण व पढ़ई अंगना-अंगना का हुआ शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना संकट काल में शिक्षा की पहुंच विद्यार्थियों तथा जनजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासकीय प्राथमिक शाला कोरियादादर में जनजागरण अभियान के साथ-साथ पढ़ई तुंहर दुआर योजना से सम्बद्ध योजना पढ़ई अंगना-अंगना का शुभारंभ किया गया है। यूनिसेफ और राज्य साक्षरता मिशन के सहयोग से संचालित सीख कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं कलेक्टर भीम सिंह के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ ऋचा प्रकाश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी आरपी आदित्य, जिला मिशन समन्वयक रमेश देवांगन के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था के प्रधान पाठक सुशील गुप्ता व सहयोगी स्टाफ द्वारा घर-घर जाकर लोगों को जागृत किया गया एवं सहयोगी शिक्षकीय स्टाफ द्वारा बच्चों तक पहुंच कर आंगन व बरामदे में पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही पढ़े-लिखे लोगों को शिक्षा सारथी की भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। वहीं प्राथमिक शिक्षा सुचारू रूप से बच्चों तक पहुंचती रहे इस उद्देश्य से रोचक वीडियो, खेल गतिविधियों के माध्यम से संचालित हो रहे सीख कार्यक्रम का भी वॉलेंटियर्स की सहायता से कोरियादादर संस्था में कार्यक्रम का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। प्रधान पाठक सुशील गुप्ता अपने सहयोगी स्टाफ की मदद से शासन की विभिन्न वैकल्पिक शिक्षा मॉडल्स को अपने संस्था के बच्चों तक पहुंचाने का काम सतत् रूप से कर रहे हैं। प्रतिदिन वे अपने स्टाफ के साथ गांव का भ्रमण करते हैं और बच्चों को प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया करते हुए मध्यान्ह भोजन सूखा अनाज वितरण किए जाने की सूचना भी दे रहे हैं। लोगों को कोरोना संक्रमण व इस संकट काल में बच्चों तक शिक्षा किस तरह पहुंचायी जाए इस बाबत जनजागरण करते हुए शिक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में महती भूमिका निभा रहे हैं।

संयुक्त रेलकर्मी मोर्चा के बैनर तले नारेबाजी

रेलवे के निजीकरण के विरोध में रेल कर्मियों ने किया आंदोलन

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

रेल कर्मचारियों का यूनियन रेलवे के कथित निजी करण विरोध में उतर आया है आमतौर पर एक दूसरे के धुर विरोधी यूनियन के संगठन भी इस मुद्दे पर कंधे से कंधा मिलाए खड़े नजर आ रहे हैं।

संयुक्त रेलकर्मी मोर्चा के बैनर तले बिलासपुर रेलवे स्टेशन के वीआईपी गेट के सामने एकत्र रेलकर्मी, रेलवे और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते देखे गए।इनका विरोध है कि सरकार धीरे-धीरे रेलवे का निजीकरण कर रही है । कुछ रूट पर कुछ विशेष ट्रेनों का परिचालन निजी हाथों में दिए जाने के बाद रेलकर्मी इस बात से डरे हुए हैं कि उन्हें मिलने वाली सुविधाओं में कमी हो सकती है। असल में रेलकर्मी बात तो रेलवे हित की कर रहे हैं लेकिन उनका मकसद स्व हित है ।उन्हें डर है की रेलवे की नौकरी के रूप में उन्हें जो सुरक्षा ,सुविधा और सुनिश्चितता हांसिल है वह निजीकरण के बाद खत्म हो जाएगी।

रेलवे हो या फिर कोई और सरकारी संस्था ,सब जानते हैं कि सरकारी कर्मचारियों में कार्य निष्पादन को लेकर गंभीरता का अभाव रहता है, जबकि वही काम निजी क्षेत्र के कर्मचारी पूरी तत्परता से करते हैं। जबकि इसके एवज में रेल कर्मियों को भारी वेतन भी मिलता है। इसके अलावा यात्रा सुविधा, स्वास्थ्य सुविधाएं ,प्रोविडेंट फंड, पेंशन जैसी सुविधाएं भी हासिल है। लेकिन फिर भी अधिकांश रेल कर्मियों की कार्यशैली पुराने ढर्रे पर ही नजर आती है। यही कारण है की रेलवे के कुछ हिस्सों को निजी हाथों में दिया जा रहा है। हालांकि केंद्र सरकार बार-बार दोहराती रही है की सरकार रेलवे का निजीकरण करने नहीं जा रही। पर फिर भी इस मुद्दे को बेवजह उछाल कर उसी संस्था को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है जिसके भलाई का यह दम भर रहे हैं । इस आंदोलन को समर्थन देने बिलासपुर महापौर रामशरण यादव और कई कांग्रेसी नेता भी मौके पर पहुंचे। रेलकर्मी सहमे हुए हैं लोको पायलट और रनिंग स्टाफ को डर है कि कहीं निजी करण होने से उनका वेतन घट ना जाएगा और सुविधाओ में कमी की आशंका के चलते ही रेल कर्मचारी विरोध कर रहे हैं।

जिले में बिना मास्क के घूमते लोगों पर लगातार हो रही कार्रवाई

■ सोशल डिस्टेंसिग का पालन नहीं कराने वाले दुकान पर चालान, लगातार लोगों को समझाईश भी दी जा रही

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

जिले में प्रशासन एवं जिला पुलिस द्वारा कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर जागरूकता लाने के साथ सख्ती भी बरती जा रही है। जिला पुलिस सम्पूर्ण जिले में शासन, प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन कराने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। रायगढ़ पुलिस द्वारा मास्क पहनने की आवश्यकता को लेकर रक्षाबंधन के दिन एक महा जन अभियान एक रक्षासूत्र मास्क का चलाया गया था। जिसमें रिकार्ड मास्क बांटे गए जिसका लाभ जरूरतमंदों को %यादा हुआ है। प्रायः जिले के व्यवसायी और आमजन द्वारा मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा रहा है, लेकिन अभी भी कई ऐसे व्यवसायी व व्यक्ति हैं जो कोविड-19 संक्रमण के नियंत्रण संबंधी दिशानिर्देशों का गंभीरता से पालन नहीं कर रहे हैं। जिसके कारण जिला पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ रही है। सात एवं आठ अगस्त को जिले के सभी थानाक्षेत्रों में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के निर्देशन पर बिना मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का उलंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई। शुक्रवार को हुई कार्रवाई में 199 व्यक्तियों से 19,900 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। शनिवार को बिना मास्क के घूम रहे व्यक्तियों एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वाले दुकानों पर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही की गई है। पूरे जिले में 442 व्यक्तियों से 44,150 रुपए तथा 10 दुकानों से 5,200 रुपए कोविड-19 के नियमानुसार जुर्माना के तौर पर वसूल किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि जिले में कोविड पॉजिटिव के लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए लोगों को समझाइश के साथ यह कार्यवाही सभी थानाक्षेत्र में थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा की जा रही है।

बचपन में कोकाकोला और गुलाबजामुन खाने के लिए की एक रुपये की चोरी, खाई पिताजी की मार, आठवी में फेल होने के बाद लाइफ में आया टर्निंग प्वाइंट, फिर नही देखा कभी पीछे मुड़कर और आज बन बैठे बालोद जिले के अपर कलेक्टर......

संवेदनशील अधिकारियों में होता है नाम शुमार और मानवता की सच्ची मिशाल हैं अनिल बाजपेयी

रवि भूतड़ा ‹ बालोद
www.dailypioneer.com

बचपन में मैं बहुत उपद्रवी था, बहुत बदमाशी करता था, कई बार इसके लिए पिताजी से मार भी पड़ती थी, चूंकि घर मे चावल का व्यवसाय था, गल्ले से रुपए 2 रुपए चोरी किया करता था, पिताजी के दोस्त का एक होटल था, जहां मैं 1-2 रुपये से फेंटा, कोका-कोला पिया करता था, रसगुल्ला खाया करता था, इस बारे में पिताजी के दोस्त ने पिताजी से कहा। एक दिन 1 रुपए की चोरी की और उसे तखत में लगे गद्दे के नीचे छिपा दिया, तो बड़े भैया ने उस एक रुपए को ले जाकर पिताजी को दिया, तब पिताजी ने मुझे बहुत डांटा, एक झापड़ मारा और मेरे हाथ पैर बांध दिए, फिर मैंने पिताजी के पैर पकड़कर हाथ जोड़कर माफी मांगी, तब से वह आदत छूट गई। मेरी स्कूल से भी शिकायत अक्सर घर आया करती थी, गणित के एक शिक्षक थे, जिसके पीरियड में हम अक्सर भाग जाया करते थे, जिसकी वजह से स्कूल और घर में दोनों जगह मार पड़ा करती थी, आठवी में फेल हुआ और उसके बाद मेरी लाइफ में टर्निंग प्वाइंट आया। जिसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नही देखा और मैं आज इस मुकाम में हूं। उक्त बातें जिले के संवेदनशील अधिकारी और मानवता की सच्ची मिशाल अपर कलेक्टर अनिल बाजपेयी ने **पायनियर** से साझा करते हुए कही......

■ आपका फैमिली बैक ग्राउंड और आपका किस माहौल में परिवेश हुआ है..?

■ 1960 में बिलासपुर के तखतपुर में मेरा जन्म हुआ था, काफी आभावो के बीच मेरा जन्म हुआ हैं, हम 4 भाई 5 बहन हैं, माता जी हमारे साथ है पिताजी का स्वर्गवास हो चुका है, मेरी एक धर्मपत्नी है जो हाउस वाइफ है, एक बेटा है जो इंजीनियरिंग कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है, एक बेटी की कमी थी, तो बहु ने आकर बेटी की कमी पूरी कर दी, सुसंस्कृत और साहित्यिक अभिनियतियो वाला परिवार रहा है, कमोवेश सभी भाई-बहन की रूचि साहित्य में रही है, पिताजी प्रेमचंद साहित्य समिति के अध्यक्ष रहे हैं, इसके अलावा तखतपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे हैं, पिताजी की पृष्ठभूमि इलाहाबाद की है, स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के साथ वे रहे हैं और उनके साथ 12 वर्ष की उम्र में वानर सेना में शामिल हो गए, आजादी की लड़ाई के लिए 3 बार जेल भी गए हैं, पिताजी के जमानत की व्यवस्था उस समय विजय लक्ष्मी पंडित जी ने की थी, जिसकी बात पिताजी बिल्हा आ गए, वही के राइस मिल में मुनीम का काम चालू किया, धीरे से पिताजी ने खुद का व्यापार चालू किया और जब 1960 में भीषण आकाल पड़ा था तब पिताजी को उसमें 80 हजार रुपये का घाटा हुआ, जिसके बाद बर्बादी का कबाड़ शुरू हुआ, सुबह अगर खाना मिलता था, तो शाम को नहीं मिलता था, फिर पत्रकारिता के क्षेत्र में आए, काफी लंबे समय तक पत्रकारिता जगत में जुटे रहे, क्योंकि पेपर की एजेंसी थी, तो मैं घर-घर पेपर पहुंचाने का काम करता था, जिसे आप लोग हॉकर बोलते हो, शुरुआत में पढ़ाई में मेरा मन बिल्कुल नही लगता था, पहली से बारहवीं तक तो मैंने सरकारी स्कूल में ही पढ़ाई की, आठवी की परीक्षा में मैं गणित विषय में सप्लीमेंट्री आया था, पूरक परीक्षा दिया उसमे भी फेल हो गया, मैं फेल हुआ तो मेरे बड़े भैया केके बाजपेयी ने मुझे डाटा, मेरे मुंह से निकल गया कि मैं कुएं में कूद जाऊंगा, तब बड़े भैया ने इसे सुना और मुझे ले जाकर हाथ पकड़कर घर के कुएं में लटका दिये, ये देख पीछे-पीछे मेरी मां दौड़ते हुए आई, तब मैंने भैया को रोते हुए कहा कि भैया अब मैं ऐसा नहीं कहूंग, माफ कर दो...!! वो आठवी की परीक्षा और घटना मेरे लाइफ का टर्निंग प्वाईंट था, और उसके बाद मैंने जो पढ़ाई शुरू की है फिर कभी मैंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

■ आपकी शिक्षा कहा तक हुई हैं, सिविल सर्विसेज में कैसे आना हुआ...?

■ मैंने पहली से लेकर 12वीं तक सरकारी स्कूल में ही पढ़ाई की, 11वीं बोर्ड परीक्षा में मैंने 53 प्रतिशत अंक हासिल किए, उसके बाद मैं जेएमटी कॉलेज तखतपुर में आर्ट्स का स्टूडेंट रहा, मुझे बीए में 65 प्रतिशत मिले थे, जो तखतपुर के इतिहास में सर्वाधिक नंबर था, उसके बाद मैंने और मेरी सिस्टर ममता शर्मा ने 1981 में पीएससी की परीक्षा दी, मुश्किल से 6 महीने का गेप रहा होगा, मेरा सेलेक्शन नायब तहसीलदार में हो गया और सिस्टर का कॉपरेटिव इंस्पेक्टर में हो गया, सिलेक्शन होने के बाद 3 साल बाद हमारी पोस्टिंग हुई 3 साल का गेप रहा, चूंकि मेरे को नेशनल स्कॉलरशिप मिलना था, तो स्कॉलरशिप की लालच में मैंने सीएमडी कॉलेज बिलासपुर में एमए

इतिहास में एडमिशन ले लिया, उसमें भी यूनिवर्सिटी में मेरा मेरिट में तीसरा पोजीशन रहा, इस बीच एमए प्रीवियस करने के बाद मेरा जॉइनिंग लेटर भी आ गया,

■ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कहां-कहां किन-किन पदों पर रहे हैं...?

■ मेरी पहली पोस्टिंग नायब तहसीलदार के रूप में रीवा जिले के देवधर तहसील में हुई थी, बहुत संघर्षों के साथ यहां पहुंचना पड़ता था, मेरे जीवन का सबसे कष्टप्रद क्षण रहा, उस समय 665 रुपये पहली तनख्वाह मिली थी, जिसमें मैंने 200 रुपये घर भेजता था और 200 रुपये मेरे आने जाने के लिए रखता था तथा 265 रुपये से मेरा महीने का खर्चा चलता था, जिसके बाद मेरे पिताजी ने 15 पैसे के पोस्टकार्ड में बीआर यादव जी जो नवभारत में पत्रकार थे बाद में वे रेलवे में मिनिस्टर बन गए, चूंकि वे पिताजी के मित्र थे, तो पिताजी ने उन्हें 15 पैसे के पोस्टकार्ड पर मेरे बिलासपुर में स्थानंतरण के लिए चिट्ठी लिखी, तब मेरा ट्रांसफर रीवा से बिलासपुर हो गया, फिर मेरी पोस्टिंग 1985 में रायगढ़ के धरमजयगढ़ में हुई, फिर मैं 1987 में रायगढ़ मुख्यालय आ गया, रायगढ़ के बाद मेरी पत्थलगांव में पोस्टिंग हुई, पत्थलगांव के बाद मेरा ट्रांसफर दरभा तहसील में हुई, फिर चांपा आया, मेरा प्रमोशन हुआ तहसीलदार के रूप में, 14 साल में मुझे पहला प्रमोशन मिला, काफी लेट प्रमोशन हुआ था, चांपा में 5 साल तहसीलदार रहा, जांजगीर हेड क्वार्टर में भी रहा, फिर 6 महीने के लिए कोरबा गया, फिर डिप्टी कलेक्टर के रूप में दुर्ग आ गया, इस बीच मुझे छावनी का एसडीएम भी बनाया गया, लगभग 8 साल तक मैंने दुर्ग जिले में नौकरी की, अच्छा अनुभव और अच्छा कार्यकाल रहा, दुर्ग से फिर राजनांदगांव ट्रांसफर हुआ राजनांदगांव से फिर दुर्ग आया, डोंगरगांव का भी एसडीएम रहा, 2018 में मेरा फिर प्रमोशन हुआ, मुझे राजनांदगांव का अपर कलेक्टर बनाया गया, मेरा ट्रांसफर बालोद हुआ।

■ लॉ एन ऑर्डर की स्तिथि जब निर्मित होती है, तो उससे कैसे निपटते है...?

■ रायगढ़ में लॉ एन ऑर्डर को समझने का मौका मिला, उसकी वजह से लॉ एन ऑर्डर में मैं फेल नही हो सकता, कही भी। गोली कांड हुआ, कर्फ्यू रहा, 2 बच्चों को ट्रक ने कुचल दिया था तो लोगो ने थाने का घेराव कर आग लगा दी थी, बेहद ही ह्रदय विदारक दृश्य था, डिप्टी कलेक्टर मालपानी के सिर पर किसी ने पत्थर मारा तो उन्होंने गोली चलाने के आदेश दे दिए, 70 राउंड गोलियां चली, 4 लोग मारे गए, तब रायगढ़ में कर्फ्यू लगाया गया, उस समय लॉ एन आर्डर को सीखने और समझने का अवसर मिला, वो आज तक काम आ रहा है, उसके बाद से अभी तक की लाइफ में कई लॉ एंड ऑर्डर आए हैं, उसे बहुत अच्छी तरीके से निपटाया, लॉ एन ऑर्डर की स्तिथि में अक्सर समय पुलिस वालों के साथ बीतता था, इसीलिए मेरा पुलिस वालों से निकट का सम्बंध ज्यादा रहा है।

■ जहां कई लोग सड़क दुघर्टना में घायलों की मदद करने लोग कतराते है, आपने कई दफा घायलों की मदद की है, ये सेवाभाव कहा से आया...?

■ यह भाव मेरे मन में शुरू से रहा है, दूसरों की मदद करने की प्रवृत्ति हमेशा से मेरे मन में रही है, और मेरा यह मानना है, कि मैं जिस जगह में हूं, वह जगह सबको हासिल नहीं होती है और मैं जिस जगह पर हूं, वहां अगर किसी की मदद करते बने तो निश्चित रूप से करना चाहिए, मैं हर व्यक्ति की मदद करता हूं, जो व्यक्ति स्वच्छ हाथ और खुले मन से आएगा मैं उसकी मदद करूंगा, मैं सभी लोगों से साग्रह अपील करना चाहूंगा कि, आप सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की मदद करें, उन्हें बचाने का प्रयास करें।

■ एक प्रशासनिक अधिकारी में क्या क्वालिटी देखते है...?

■ प्रशासनिक अधिकारी को सख्त मिजाज के साथ कोमल ह्रदय का भी होना चाहिए, जहां आपको जरूरत हो वहां सख्त रवैय्या अपनाना चाहिए, चाहे आपके ऊपर कितना भी दबाव पड़े, नियम कानून का आप सख्ती से पालन करें, लेकिन जहां मदद की जरूरत पड़े, वहां उदार मन से लोगों की मदद करें, अगर आप सामने वाले का सम्मान करेंगे, तभी आपको सम्मान मिलेगा।

■ चुनौतियों को कैसा देखते है...?

■ चुनौतियां बहुत सारी आती हैं, लेकिन आप तभी सफल हो सकते हैं, जब आप उन चुनौतियों का सामना करें, कोई चुनौती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसका सामना न कर सके, अगर कोई समस्या है तो उसका समाधान भी रहता है, चुनौतियों को खुले मन से स्वीकार करना चाहिए, और उससे निपटने का उपाय करना चाहिए।

■ आपके लिए सफलता के मायने क्या है..?

■ मैं संतोषी स्वभाव का हूं और आज मैं संतुष्ट हूं, यही मेरे सफलता के मायने हैं, समर्पण भाव से जिस कार्य के लिए शासन ने तैनात किया है, उसे मैं करता हूं। 2001 मेरे लिए खुशी का क्षण था, जब मुझे राष्ट्रपति पुरस्कार मिला, जब मैं चांपा में था, तब मैंने जनगणना का कार्य संपादित किया था,

■ फुर्सत के क्षणों में क्या करते है...?

■ फुर्सत तो मिलती नही, लिखने पढ़ने का शौक है, क्योंकि मेरा स्वभाव बहुत जिद्दी टाइप का है, इस उम्र में मुझे पीएचडी का शौक चढ़ा, जिज्ञासा थी की मैं पीएचडी करू, फिर मैंने जिला प्रशासन पर पीएचडी की, हालांकि अभी अवार्ड नहीं हुआ है, लेकिन मेरा थिसेस सबमिट हो चुका है, वायवा होने के बाद शायद उपाधि मिल जाए।

■ सक्सेस मंत्रा क्या हैं...?

■ अपने दायित्व पर समर्पित होकर आप काम करें, ऐसा कोई काम ना करें की लगे कि यह गलत है, आप जानते हैं कि आप जो काम कर रहे हैं वह सही है या गलत है।

■ आपकी लाइफ की कोई ऐसी घटना जिसने आपको झकझोर करके रखा हो...?

■ डबडबाती आँखों से.......पिताजी का आकस्मिक देहावसान......!! जब काफी संघर्षों के बाद उन्होंने हमको पाला पोसा और जब हम लोग स्थापित हो गए और जब खुशी का क्षण आने वाला था उस समय वह आकस्मिक रूप से चले गए, जब वो मृत्यु शैय्या पर पड़े थे, तो उन्होंने मेरा हाथ पकड़ कर दबाया, वे कुछ बोल नहीं पा रहे थे, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि, बहुत कुछ कहना चाह रहे हैं, उस समय एक ही बहन की शादी हुई थी, 4 बहन विवाह को बचे थे, मैंने उनको यही कहा आप बिल्कुल चिंता ना करें, मैं हूं। मैं सब संभाल लूंगा।

■ आप अगर सिविल सर्विसेज में नही होते या इस पद पर नही होते, तो क्या होते..?

■ अगर मैं इस पद पर नहीं होता तो शायद आज आपका इंटरव्यू ले रहा होता...!!

प्रधानमंत्री किसानों को सशक्त व समृद्ध बनाने लगातार कार्य कर रहे: रमन सिंह

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने रविवार को ट्वीट कर किसानों को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा किये जा रहे कार्य के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी किसानों को सशक्त व समृद्ध बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार के प्रयासों से सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से किसानों की कुल आय में लगभग 48.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भाजपा सरकार में आदिवासियों पर हो रहा था अत्याचार, मौन थे विष्णु देव साय: कांग्रेस

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने पूर्व के रमन भाजपा सरकार को आदिवासी जनजाति वर्ग विरोधी करार देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के शासनकाल में आदिवासी वर्ग दहशत में जिंदगी जी रहे थे उस दौरान उन पर बेइंतिहा अत्याचार हो रहा था और वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय मौन थे. रमन सरकार ने भाजपा समर्थित चंद उद्योगपत्तियों को आदिवासियों की जल जंगल जमीन सौंपने आदिवासियों को डराया धमकाया उन पर अत्याचार किये। आदिवासियों की जल जंगल जमीन पर कब्जा करने की नीयत से उन पर गोलियां लाठियां चलवाई, झूठे मामलों में फंसाकर बेकसूर निर्दोष आदिवासियों को जेल में बन्द किया।

धनंजय ने कहा कि पांचवी अनुसूची क्षेत्रों को मिले कानूनी अधिकारों से वंचित किया गया. 90हजार एकड़ जमीन छीन ली गई. आदिवासी महिलाओं बेटियों के साथ बलात्कार की घटनाएं हुई मासूम बच्चों को फर्जी मुठभेड़ में नक्सली बताकर मार दिया गया. रमन सरकार के अमानवीय यातना से भयभीत सीधे साधे भोले भाले प्राकृतिक से प्रेम करने वाले आदिवासी अपने पुरखों की जमीन को छोड़कर जान माल की सुरक्षा के लिए पलायन करने मजबूर थे। रमन सरकार में हुई झलियामारी बालिका गृह में बलात्कार की घटना, मीना खलखो, पैदागुल्लुर, सारखीगुड़ा की घटनाएं आदिवासी समाज और छत्तीसगढ़ भुला नहीं है. आदिवासियों के नाम से योजना बनाकर भारी भ्रष्टाचार कमीशनखोरी किया गया सरकारी खजाने को लूटा गया. भाजपा ने चुनाव में प्रत्येक आदिवासी परिवार को दस लीटर दूध देने वाली जर्सी गाय एवँ एक सदस्य को नोकरी देने का वादा कर वादाखिलाफी किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार आदिवासी वर्ग के शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा रोजगार के विषय पर मजबूती से काम कर रही है उनके कानूनी अधिकार जल जंगल जमीन पर उनका अधिकार,वनपट्टा का अधिकार, आदिवासी नृत्य महोत्सव,आदिवासीयो के परंपरा तीज त्योहार संस्कार संस्कृति कला,को विश्व मे अलग पहचान देने का काम कर रही है. तेंदूपत्ता का मानक दर 2500 से बढ़ाकर 4000रु प्रति बोरा, 31 वनोपज की खरीदी समर्थन मूल्य में बस्तर में मक्का प्रोसेसिंग प्लांट, रमन सरकार में छीनी हुई 1700 आदिवासी परिवार की 4200 जमीन को वापस लौटना, जेल में बंद निर्दोष आदिवासियों को जेल से मुक्त कराना, एनएमडीसी की भर्ती स्थानीय स्तर में शुरू करना, मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के माध्यम से बस्तर को कुपोषण मुक्त करने अभियान चलना, मुख्यमंत्री हाट बाजार के लिए के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा देना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, शहीद महेंद्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सुरक्षा योजना, चरणपादुका खरीदने नगद राशि,सहित अनेक जनकल्याणकारी योजना के माध्यम से आदिवासी वर्ग को उन्नतशील बनाने काम कर रही है।

विश्व आदिवासी दिवस पर सौगातों की बारिश, मरवाही हुआ मालामाल

मुख्यमंत्री से जो भी की गयी मांग, मिनटों में हो गयी पूरी

मरवाही बनेगा नगर पंचायत, 2 इंग्लिश मिडियम स्कूल भी खुलेंगे

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस पर अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले के जनप्रतिनिधियों और हितग्राहियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करते हुए क्षेत्र की मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा त्वरित रूप से क्षेत्र के लिए अनेक विकास कार्यों की स्वीकृति भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि हमने 15 अगस्त 2019 को गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले के गठन की घोषणा की गई थी और 10 फरवरी 2020 को इस जिले का गठन किया गया। जिले के गठन के साथ ही शासन का यह प्रयास रहा है कि जिले का सर्वांगीण विकास तेजी से हो।

उन्होंने कहा कि जिले के गठन उपरांत क्षेत्र के विकास की गति तीव्र हुई है। उन्होंने कहा कि नव-गठित जिले में सभी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द यहां सारी प्रशासनिक सेवाएं काम करने लगेंगी। इस अवसर पर जिले के जनप्रतिनिधियों ने नए जिले के गठन और मरवाही में एसडीएम कार्यालय प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर मरवाही ग्राम पंचायत को नगर पंचायत बनाने की घोषणा की। उन्होंने नव-गठित अनुविभाग मरवाही में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस की नियुक्ति की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने जिले की आठ प्रमुख सड़कों के निर्माण हेतु 42 करोड़ रूपए तथा 16 मौजूदा सड़कों के संधारण हेतु 9 करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति दी। उन्होंने जिले में दो इंग्लिश मीडियम स्कूल प्रारंभ करने की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ 90 लाख रूपए की 11 नई सड़कों के निर्माण की भी स्वीकृति दी।

बघेल ने जनप्रतिनिधियों के आग्रह पर विगत चार वर्षों से लंबित पेन्ड्रा बायपास सड़क का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने, पेन्ड्रा-बसंतपुर-बिलासपुर मार्ग, मरवाही-सिवनी मार्ग का निर्माण करने की स्वीकृति भी दी। मुख्यमंत्री बघेल ने गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले में पूर्णकालिक महिला एवं बाल विकास अधिकारी की नियुक्ति की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री ने जिले की एनीमिक महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत गर्म पौष्टिक आहार प्रदान करने की स्वीकृति दी।

उन्होंने मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना के लिए अतिरिक्त चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाप, एम्बुलेंस की भी स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने पेन्ड्रा पतगंवा मार्ग, पतगंवा झाबर बारी उमरांव मार्ग, भदौरा सरवानी खोडरी मार्ग, सपनी से डोंगरिया मार्ग, भर्रीडांड पीपरडोल मार्गद्व मनेन्द्रगढ़ मेन रोड बगरार मार्ग, चंगेरी मोड़ से भेड़वानाला मार्ग, सिवनी से धरहर गुर्जरटोला मार्ग तथा गौरेला जलेश्वर मार्ग नवीनीकरण के कार्यों की स्वीकृति दी है।

रायपुर मंडल ने पार्सल ट्रेनों से भेजा 4416 टन सामान

रायपुर। कोरोना संकटकाल में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल की रफ्तार नहीं थमी है. पैसेंजर ट्रेन भले ही बंद हो गए हों, लेकिन पार्सल ट्रेनों का चलना जारी है. कोरोना काल में रायपुर मंडल ने रायपुर और दुर्ग स्टेशन से लगभग 4416 टन सामान देश के अन्य भागों में भेजकर 1 करोड़ रुपए से अधिक राजस्व अर्जित किया है। लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य सामग्री, दवाएं, चिकित्सा आपूर्ति, चिकित्सा उपकरण, खाद्य तेल, आदि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग रायपुर स्टेशनों से होते हुए देश के अन्य क्षेत्रों में कोविड-19 पार्सल स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है।

NABH द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान
मध्यभारत का 100 बिस्तरों का अत्याधुनिक
संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
• कैंसर सर्जरी • कीमोथैरेपी
• रेडियोथैरेपी • पेट स्कैन
• रक्त रोग • ब्लड कैंसर
• ब्लड बैंक • PSMA स्कैन
• फ्रोजन सेक्शन
• सभी न्यूक्लियर मेडिसीन स्कैन
• बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट
दावड़ा कॉलोनी पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4061010, 4081010
मो. 73899-04010, 73899-05010
info@scch.co.in, www.scch.co.in

SHRI BALAJI GROUP OF HOSPITALS & COLLEGES
संकल्प, समर्पित सेवा का
SHRI BALAJI
Institute of Nursing
छ.ग. शासन, छ.ग. नर्सिंग कॉन्सिल से मान्यता प्राप्त, छ.ग. आयुष विश्वविद्यालय से संबंध एवं छ.ग. पैरामेडिकल कॉन्सिल से अनुमति
ADMISSION OPEN
NURSING PROGRAMME
PARAMEDICAL PROGRAMME
B.Sc Nursing 4 years
GNM 3 years
Post Basic Bsc Nursing 2 years
M.Sc. Nursing 2 years
Pathology technician 1 year
Operation theater tech. 1 year
X-Ray technician 1 year
Ortho and dresser tech. 1 year

HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.)
मो. 7694016816, 8435018884 | वेब : www.balajinursingcollege.com

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-मोहन राव* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-ए.एन. द्विवेदी, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2018-20, दूरभाष नंबर 0771, 2972403